महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 251 | उज्जैन, शुक्रवार 20 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

कष्ट और विपत्ति मनुष्य को शिक्षा देने वाले श्रेष्ठ गुण हैं, जो व्यक्ति साहस के साथ उनका सामना करते हैं, वे सदैव सफल होते हैं..

मप्र और इन्वेस्टर्स मिलकर देश को बढ़ाएंगे आगे- मुख्यमंत्री

24 घंटे बिजली देने में मध्यप्रदेश सबसे आगे

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि क्लाइमेट चेंज एक गंभीर वैश्विक चुनौती है। क्लाइमेट चेंज मानव अस्तित्व, आर्थिक स्थिरता और भावी पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। उन्होंने कहा कि सतत् विकास की राह में हम पर्यावरण की अनदेखी नहीं कर सकते। विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना ही प्रगति का मूल आधार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जोर देकर कहा कि क्लाइमेट चेंज के मामले में ठोस और समयबद्ध समाधान पर काम करना आज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत की क्लाइमेट चेंज को लेकर प्रतिबद्धताओं में भी राज्यों का योगदान भी महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश क्लाइमेट चेंज से निपटने में सर्वाधिक नवकरणीय ऊर्जा का उत्पादक बन लीडर की भूमिका में है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश के सबसे तेज गति से विकास करने वाले राज्यों में अग्रणी है। यहां लगभग हर क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है। मुख्यमंत्री ने नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में मप्र में निवेश करने के इच्छुक निवेशकों को हरसंभव सहयोग देने का विश्वास और सुरक्षा की गारंटी देते हुए कहा कि राज्य और निवेशक मिलकर देश को नवकरणीय ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि 24 घंटे बिजली देने की दिशा में मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। निवेशकों के साथ हमारा रिश्ता नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में व्यापार-व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार की शाम मुंबई में क्लाइमेट वीक-2026 को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के विकास के लिए नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग (मप्र शासन) एवं ग्रीन एनर्जी के लिए विख्यात सिकोया क्लाइमेट फाउंडेशन के बीच मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में एमओयू हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौती का समाधान केवल एक देश, एक राज्य या एक सरकार ही नहीं कर सकती, इसके लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा परिवर्तन, हरित विकास और जलवायु समाधान के लिए आगे बढ़ने की दिशा में मुम्बई क्लाइमेट वीक एक महत्वपूर्ण मंच है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के लिए त्वरित और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के स्वच्छ स्त्रोतों को बढ़ावा देना, हरित तकनीकों को अपनाना और प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग करना ही भविष्य का विकास मार्ग है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पृथ्वी को सुरक्षित और संतुलित बनाए रखने की जिम्मेदारी सरकारों के साथ ही उद्योगों, संस्थाओं और इस देश में रहने वाले हर नागरिक की भी है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ते हुए 'लाइफ स्टाइल फॉर एनवायरमेंट' जैसे व्यवहारिक बदलावों को अपनाने की अपील की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरित ऊर्जा उत्पादन के जरिए क्लाइमेट चेंज से निपटने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार के नवाचारों की जानकारी देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश भारत के उन अग्रणी राज्यों में से एक है, जिसने नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पहला राज्य है, जिसने ईवी नीति बनाई, जो क्लाइमेट चेंज की ओर कारगर कदम है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हमारी सरकार मध्यप्रदेश में 300 मेगावाट 4 घंटे सौर-सह एनर्जी स्टोरेज परियोजना, 300 मेगावाट 6 घंटे सौर-सह एनर्जी परियोजना सहित 24×7 घंटे नवकरणीय ऊर्जा बैटरी आधारित एनर्जी स्टोरेज परियोजना पर काम कर रही है। यह एक नया प्रयोग है। यह भारत की अपनी तरह की पहली परियोजना है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जो इस दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बीते 12 सालों में मप्र की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। सौर ऊर्जा में 48 प्रतिशत और पवन ऊर्जा में 19 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। नवकरणीय ऊर्जा की बड़ी परियोजनाओं के जरिए हमने म.प्र. की जरूरतों को पूरा करने के बाद पड़ोसी राज्यों और भारतीय रेलवे को भी स्वच्छ ऊर्जा की आपूर्ति शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट दुनिया का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट है। ये एक ऐसा प्रोजेक्ट है, जिसमें हमने किसी भी नागरिक को विस्थापित नहीं होने दिया, इस प्रोजेक्ट में ऊर्जा उत्पादन भी प्रारंभ हो चुका है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में सांची देश की पहली सोलर सिटी बनी है। हम सभी शासकीय भवनों पर सोलर रूफटॉप लगाने की ओर बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार निवेशकों, निजी क्षेत्र और नीति निर्माताओं के साथ मिलकर मप्र को भारत का नवकरणीय ऊर्जा हब बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। हम सौर, पवन, एनर्जी स्टोरेज, बायोफ्यूल तथा ग्रीन हाइड्रोजन सहित सभी नवकरणीय टेक्नोलॉजी में वित्तीय एवं नीतिगत प्रोत्साहन भी दे रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों से आव्हान किया कि मध्यप्रदेश की तेजी से परिवर्तनकारी यात्रा में हमारे साथ जुड़ें। इससे जलवायु को संतुलित रखने में तो मदद मिलेगी ही, यह सबके व्यापार-व्यवसाय को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा और मप्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

न्यूज ब्रीफ

रिलायंस का बड़ा एलान, एआई सेक्टर में 10 लाख करोड़ रुपये का करेगी निवेश; मुकेश अंबानी ने की घोषणा

नई दिल्ली/ जीएनएस। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने इंडिया एआइ इंपैक्ट समिट में कहा कि इंटरनेट डेटा की तरह ही अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को भी आम भारतीय तक किफायती दरों पर पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत इंटेलिजेंस किराये पर नहीं ले सकता और जियो देश को इंटरनेट युग के बाद अब इंटेलिजेंस युग से जोड़ेगा। एआइ नौकरियां नहीं छीनेगा बल्कि यह उच्च-कौशल वाले कार्यों में नए अवसर पैदा करेगा।इस दिशा में जियो और रिलायंस इंडस्ट्रीज अगले सात वर्षों में 10 लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगी। अंबानी ने कहा कि यह निवेश भारत में मजबूत एआइ ढांचा खड़ा करने और आने वाले दशकों के लिए आर्थिक मजबूती सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया जाएगा।कंपनी जामनगर में चरणबद्ध तरीके से मल्टी गीगावाट एआइ रेडी डेटा सेंटर पार्क विकसित कर रही है। वर्ष 2026 के अंत तक 120 मेगावाट क्षमता शुरू करने का लक्ष्य है जिसे आगे गीगावाट स्तर तक बढ़ाया जाएगा। यह पूरा ढांचा ग्रीन एनर्जी पर आधारित होगा। साथ ही जियो अपने नेटवर्क के जरिए देशभर में ऐसी कंप्यूट क्षमता उपलब्ध कराएगा, जिससे एआइ सेवाएं कम लागत और तेज गति से लोगों, दुकानों, स्कूलों, अस्पतालों और खेतों तक पहुंच सकें।अंबानी ने कहा कि जियो एआइ भारतीय भाषाओं में काम करेगा ताकि किसान, युवा, छात्र और छोटे व्यवसायी अपनी भाषा में इसका लाभ उठा सकें। एआइ से पैदा होने वाली चिंताओं पर उन्होंने कहा कि एआइ वह मंत्र है जो हर यंत्र को तेज, बेहतर और स्मार्ट तरीके से काम करने की शक्ति देता है।इस मौके पर टाटा समूह की तरफ से ओपन एआइ के साथ मिलकर भारत में एआइ संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर व रिसर्च सेंटर स्थापित करने की घोषणा की गई।

अब पर्यावरण संरक्षण का काम करेंगी लखपति दीदियां, देशभर में चलाएंगी पौधारोपण अभियान

नई दिल्ली/ जीएनएस। ग्रामीण भारत की आर्थिक तस्वीर बदलने के बाद अब लखपति दीदियां पर्यावरण संरक्षण की नई ताकत बनकर सामने आ रही हैं। देश में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी तीन करोड़ से अधिक महिलाएं लखपति बन चुकी हैं और अब उन्हें बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान से जोड़ने की तैयारी है। वहीं कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने निर्देश दिए हैं कि उनके मंत्रालयों के सभी कार्यक्रमों की शुरुआत पौधा लगाकर की जाएगी। यहां तक कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनने वाले घरों और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बनने वाली सड़कों के किनारे भी पौधे लगाना अनिवार्य किया जाएगा। शिवराज सिंह चौहान के एक पौधा प्रतिदिन संकल्प के पांच वर्ष पूरे होने पर दिल्ली में गुरुवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने पेड़ बैंक बनाने और अंकुर जैसे मंच का सुझाव भी दिया। शिवराज का मानना है कि यदि हर कार्यक्रम की शुरुआत पौधारोपण से हो तो यह धीरे-धीरे जनआंदोलन का रूप ले सकता है, क्योंकि यह पहल सिर्फ औपचारिकता नहीं, बल्कि व्यापक रणनीति का हिस्सा है। पेड़ बैंक में पीपल, वट, नीम एवं आम आदि जैसे पारंपरिक एवं पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण पौधे उपलब्ध रहें। जो लोग स्वयं पौधा लगाना चाहते हैं, वे अपने हाथों से लगाएं। जिनके पास समय नहीं है, वे छोटी राशि देकर अपने नाम से पौधारोपण करवा सकेंगे। संस्था की ओर से गड्ढा खोदने, सिंचाई और पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी ली जाएगी। इससे पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी।लखपति दीदियों को इस अभियान का प्रमुख आधार माना जा रहा है। गांवों में सक्रिय स्वयं सहायता समूह पहले ही आजीविका, पोषण और स्वच्छता जैसे अभियानों में अहम भूमिका निभा चुके हैं।

फ्री स्पीच की आड़ में लोगों का हो रहा इस्तेमाल, बिना नाम लिए मैक्रों ने अमेरिका पर साधा निशाना

नई दिल्ली/ जीएनएस। एआई इम्पैक्ट समिट के उद्घाटन सत्र में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने परोक्ष रूप से अमेरिका और वहां की दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनियों पर तीखा हमला बोला। प्रधानमंत्री नरेंद्र के साथ मंच साझा करते हुए मैक्रों ने कहा कि कुछ बड़ी टेक कंपनियां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बात करती हैं, लेकिन फ्री स्पीच पूरी तरह बकवास है, यदि लोगों को यह ही नहीं पता कि उनके डाटा और व्यवहार का किस तरह इस्तेमाल किया जा रहा है।

फ्रांस अभी 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को नियंत्रण करने की प्रक्रिया अपनाने का फैसला किया है। मैक्रों ने भारत से भी ऐसा करने का सुझाव दिया। मैक्रों की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब एआई के क्षेत्र में शक्ति कुछ चुनिंदा वैश्विक कंपनियों के हाथों केंद्रित होने को लेकर चिंता बढ़ रही है। एआई का भविष्य कुछ अरबपतियों की मर्जी पर नहीं छोड़ा जा सकता- मैक्रों

उन्होंने स्पष्ट संकेत दिया कि एआई का भविष्य कुछ देशों या कुछ अरबपतियों की मर्जी पर नहीं छोड़ा जा सकता। यह बयान अमेरिकी टेक उद्योग और वहां की लैसेज-फेयर नियामक सोच की ओर इशारा माना जा रहा है। फ्रांस के राष्ट्रपति के इस बयान को हाल ही में उच्च प्रौद्योगिकी की कंपनियों की तरफ से दूसरे देशों के लोगों के डाटा का इस्तेमाल किये जाने को लेकर अमेरिका और यूरोप के बीच बढ़ रहे वाद से जोड़ कर देखा जा रहा है।

भारत-फ्रांस मिलकर संप्रभु एआई की अवधारणा को आगे बढ़ाएंगे- मैक्रों ने कहा कि बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच भारत और फ्रांस मिलकर संप्रभु एआई की अवधारणा को आगे बढ़ाएंगे, जहां प्रौद्योगिकी के साथ जिम्मेदारी और तकनीक के साथ मानवीय मूल्यों का संतुलन हो। उन्होंने कहा, आइए हम बांटने के बजाय जोड़ने, नष्ट करने के बजाय सृजन करने और छीनने के बजाय साझा करने पर ध्यान दें। फ्रांस इस समय जी-7 देशों के संगठन की अध्यक्षता कर रहा है और अभी एआई एक बड़ा विषय बना हुआ है। बच्चों की सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए मैक्रों ने डिजिटल दुरुपयोग और अनियंत्रित एआई के खतरों पर चिंता जताई।

चुनाव से पहले बंगाल पुलिस में एक और फेरबदल, तीन जिलों के एसपी का तबादला

कोलकाता/ जीएनएस। विधानसभा चुनाव से पहले बंगाल पुलिस में एक और फेरबदल हुआ है। राज्य सरकार ने गुरुवार को तीन जिलों के पुलिस अधीक्षकों (एसपी) सहित चार आइपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया। राज्य पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, तबादला सूची में अलीपुरद्वार, बसीरहाट और जंगीपुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) और राज्य खुफिया ब्यूरो (आइबी) के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक का नाम शामिल हैं।

अलीपुरद्वार जिले के एसपी खंडभले उमेश गणपत का तबादला उत्तर बंगाल खुफिया ब्यूरो (आइबी) के एसएस के पद पर कर दिया गया है। उनकी जगह जंगीपुर पुलिस जिले के एसपी रहे अमित कुमार साव को अलीपुरद्वार का नया एसपी नियुक्त किया गया है। डॉ. हुसैन मेहदी रहमान को बसीरहाट पुलिस जिले के एसपी पद से हटाकर उन्हें जंगीपुर पुलिस जिले का एसपी बनाया गया है। आइबी के एसएस रहे आरिश बिलाल को बसीरहाट पुलिस जिले का नया एसपी नियुक्त किया गया है।

नौसेनाओं के बीच सहयोग अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली/ जीएनएस। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कोई भी एकल नौसेना चाहे कितनी भी सक्षम हो आतंकवाद, समुद्री डकैती और नई चुनौतियों का अकेले सामना नहीं कर सकती है। यही कारण है कि नौसेनाओं के बीच सहयोग अब एक विकल्प नहीं, बल्कि एक अनिवार्यता है।

नौसेनाओं के बीच सहयोग सामूहिक रूप से समुद्री डकैती, आतंकवाद, अवैध मछली पकड़ने, तस्करी, साइबर कमजोरियों और महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान जैसी चुनौतियों का सामना करने के लिए एक अनिवार्यता बन गई है। ये विशिष्ट जिम्मेदारियां अंतरराष्ट्रीय समुदाय को एकजुट होकर इन चुनौतियों का प्रबंधन करने के लिए प्रेरित करती हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में मिलन-2026 के 13वें संस्करण का उद्घाटन किया, जो प्रमुख बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास की शुरुआत का प्रतीक है। रक्षा मंत्री ने 74 देशों के मेहमानों का गर्मजोशी से स्वागत कर कहा कि मिलन-2026 अब तक का सबसे बड़ा और सबसे समावेशी संस्करण है।

इसके माध्यम से भारत को एक विश्वसनीय और जिम्मेदार समुद्री साझेदार के रूप में वैश्विक समुद्री समुदाय का विश्वास दर्शाता है।

भारत में दो पहिया सवारों के लिए सबसे खतरनाक सड़क: हर घंटे 17 मौतें, साल में लाख हादसे...

नई दिल्ली/ जीएनएस। दिल्ली के द्वारका में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार के सपनों को हमेशा के लिए तोड़ दिया। साहिल नाम का युवक विदेश में पढ़ाई कर अपने परिवार का सहारा बनना चाहता था, लेकिन एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर ने उसकी जिंदगी छीन ली।

हैरानी की बात यह है कि उसकी मौत के 11 दिन बाद उसे एमबीए के लिए एडमिशन लेटर मिला। यह घटना बताती है कि देश में सड़क हादसे अब भी एक बड़ी और गंभीर समस्या बने हुए हैं।

3 फरवरी की दोपहर साहिल दिल्ली के द्वारका सेक्टर-11 में बाइक से जा रहा था। उसके आगे एक बस थी। ओवरटेक करने की कोशिश में सामने से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक तीन टुकड़ों में बंट गई और साहिल की मौके पर ही मौत हो गई।

भारत-इजरायल ने रक्षा संबंध मजबूत करने के लिए किया समझौता, पीएम मोदी की यात्रा से पहले बड़ा कदम

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इसी महीने के आखिर में होने वाली इजरायल यात्रा से पहले भारत और इजरायल ने रक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

इजरायल के रक्षा मंत्रालय (आइएमओडी) के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय रक्षा सहयोग निदेशालय (एसआइबीएटी) ने भारत और इजराइल के प्रमुख रक्षा उद्योगों के बीच बैठक आयोजित किया, जिसके परिणामस्वरूप समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

आइएमओडी ने बताया गया कि एसआइबीएटी ने सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआइडीएम) और भारत के रक्षा मंत्रालय के सहयोग से इस सप्ताह अग्रणी भारतीय और इजरायली रक्षा कंपनियों के बीच एक संगोष्ठी और बी2बी (बिजनेस टू बिजनेस) बैठकों का आयोजन किया।

संगोष्ठी की अध्यक्षता एसआइबीएटी के निदेशक, ब्रिगेडियर जनरल (रिटायर्ड) यायर कुलास ने किया और इसमें इजरायल और भारत की छोटी, मध्यम और बड़ी रक्षा कंपनियां शामिल हुईं। आइएमओडी ने बताया कि इस कार्यक्रम में 30 भारतीय और 26 इजराइली रक्षा कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व एसआइडीएम के महानिदेशक रमेश के ने किया और इसमें इजरायल में भारत के राजदूत जेपी सिंह और इजरायल में भारत के रक्षा अताशे ग्रुप कैप्टन विजय पाटिल शामिल थे।

प्रधानमंत्री मोदी 25 फरवरी को दो दिवसीय इजरायल दौरे पर पहुंचेंगे। संभावना है कि वे अपनी बैठकों के दौरान द्विपक्षीय और क्षेत्रीय हित के सभी मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

देशभर के फर्जी विश्वविद्यालयों पर एक्शन, 12 राज्यों तक फैला फ्रॉड नेटवर्क; UGC ने जारी की लिस्ट

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश में शिक्षा माफिया के हौसले किस तरह से बुलंद है, इसका अंदाजा फैलते फर्जी विश्वविद्यालयों से लगाया जा सकता है। जिनकी मौजूदगी दो साल पहले तक सिर्फ आठ राज्यों तक सीमित थी लेकिन अब यह 12 राज्यों तक पहुंच गई है।

वहीं फर्जी विश्वविद्यालयों की संख्या भी पिछले दो सालों में 20 से बढ़कर 32 तक पहुंच गई है। जिन नए राज्यों में फर्जी विश्वविद्यालयों ने दस्तक दी है, उनमें हरियाणा, राजस्थान, झारखंड और अरुणाचल प्रदेश शामिल है। फर्जी विश्वविद्यालयों के इस फैलते जाल के बीच विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने छात्रों और अभिभावकों को ऐसे संस्थानों को लेकर सतर्क किया है। साथ ही कहा है कि वह इन फर्जी विश्वविद्यालयों में भूलकर भी प्रवेश न लें। यूजीसी ने यह निर्देश बेंगलुरु (कर्नाटक) में ग्लोबल ह्यूमन पीस यूनिवर्सिटी नाम से संचालित हो रहे फर्जी संस्थान को लेकर जारी किए गए अलर्ट के साथ दिए है।

कैसे पता करें फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची- साथ ही छात्रों और अभिभावकों से कहा है कि वह प्रवेश लेने से पहले यूजीसी की वेबसाइट पर फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची जरूर देंखे। गौरतलब है कि पिछले कुछ सालों से फर्जी विश्वविद्यालयों को लेकर यूजीसी सिर्फ उनकी सूची जारी करने भर की औपचारिकता निभाता है। उनके बाद वह नहीं देखता है कि कहां क्या हो रहा है।

वहीं गांव-गांव तक अपना जाल फैला चुके फर्जी विश्वविद्यालय हर साल हजारों छात्रों को अपना शिकार बना रहे है।सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि 32 फर्जी विश्वविद्यालयों में 12अकेले दिल्ली में मौजूद है कुछ तो यूजीसी से कुछ मीटर की दूरी पर संचालित हो रहे है।

मौजूदा समय में जिन 12 राज्यों में फर्जी विश्वविद्यालय मौजूद है, उनमें दिल्ली में 12, उत्तर प्रदेश में चार, केरल, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक में दो-दो, जबकि हरियाणा, राजस्थान, झारखंड व अरुणाचल प्रदेश में एक-एक फर्जी विश्वविद्यालय है।

आकस्मिक वर्षा से प्रभावित किसानों के बीच पहुँचे सांसद शंकर लालवानी, त्वरित राहत के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। (जेपी नगर) संसदीय क्षेत्र अंतर्गत देपालपुर, राऊ एवं सॉवेर विधानसभा के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में हुई आकस्मिक एवं असामयिक वर्षा से किसानों की फसलों को हुए नुकसान को गंभीरता से लेते हुए सांसद शंकर लालवानी ने प्रभावित ग्रामों का दौरा किया और खेतों तक पहुँचकर वास्तविक स्थिति का निरीक्षण किया।

दौरे के दौरान किसानों ने बताया कि गेहूँ, चना सहित अन्य रबी फसलें कटाई से पूर्व ही वर्षा और तेज हवाओं के कारण प्रभावित हुई हैं, जिससे उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। कई स्थानों पर फसलें जमीन पर गिर गई, जिससे व्यापक नुकसान हुआ है। किसानों ने शीघ्र सर्वे और राहत की मांग की।

सांसद शंकर लालवानी ने इस संबंध में इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा से चर्चा कर प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल विशेष सर्वे दल गठित कर नुकसान का वैज्ञानिक एवं पारदर्शी आकलन कराने पर जोर दिया। सांसद द्वारा विषय को प्राथमिकता से उठाए जाने पर कलेक्टर ने राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को संयुक्त सर्वे कर शीघ्र प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत पंजीकृत किसानों के दावों के शीघ्र निराकरण हेतु संबंधित बीमा कंपनियों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने पर चर्चा की गई, ताकि प्रभावित किसानों को समयबद्ध राहत राशि मिल सके।

सांसद ने स्पष्ट किया कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित प्रत्येक किसान परिवार को शासन की नियमानुसार अधिकतम सहायता दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। प्रशासन, जनप्रतिनिधियों एवं बीमा कंपनियों के समन्वय से त्वरित राहत उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इस कठिन घड़ी में हर प्रभावित परिवार के साथ मजबूती से खड़े रहना हमारा दायित्व है और किसानों के हितों की रक्षा हेतु निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

वर्षा एवं ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों के हित में तत्पर है राज्य सरकार - कृषि मंत्री श्री कंषाना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है और हर परिस्थिति में किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है। हाल ही में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में हुई वर्षा एवं ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों के नुकसान की राहत राशि देने के लिए गंभीरता से कार्य किया जाएगा। कृषि मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि जिन-जिन जिलों में वर्षा और ओलावृष्टि की घटनाएं सामने आई हैं, वहां तत्काल प्रभाव से जांच के आदेश दे दिए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सर्वे कार्य पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि प्रभावित किसानों को राहत राशि का भुगतान समय पर किया जा सके। मंत्री श्री कंषाना ने आश्वासन दिया कि किसी भी किसान को नुकसान की स्थिति में अकेला नहीं छोड़ा जाएगा और राज्य सरकार हर संभव सहायता प्रदान करेगी। कृषि मंत्री श्री कंषाना ने किसानों से अपील की है कि वे धैर्य बनाए रखें तथा स्थानीय प्रशासन के साथ सहयोग करें। सरकार की प्राथमिकता है कि किसानों को शीघ्र राहत प्रदान कर उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हित में निरंतर कार्य कर रही है और भविष्य में भी किसान कल्याण के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगी।

फर्जी गोल्ड इन्वेस्टमेंट के नाम पर 3.50 करोड़ की ठगी, क्राइम ब्रांच इंदौर ने दो फरार आरोपी किए गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। फर्जी गोल्ड इन्वेस्टमेंट के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले दो फरार आरोपियों को क्राइम ब्रांच इंदौर ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने अपनी फर्म में निवेश करने पर अधिक मुनाफा देने का झांसा देकर फरियादी को गुमराह किया था। इस मामले में अपराध क्रमांक 01/2026 के तहत धारा 318(4), 316(5), 61(2) बीएनएस में प्रकरण दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी शुभम शर्मा और पूजा शर्मा निवासी मथुरा, उत्तर प्रदेश ने इंदौर निवासी अंकित बजाज को गोल्ड और सिल्वर ज्वेलरी के व्यापार में निवेश करने पर भारी लाभ का लालच दिया। आरोपियों ने अपने कारोबार को लाभकारी बताते हुए विश्वास में लिया और निवेश के नाम पर लगभग 3 करोड़ 50 लाख रुपये प्राप्त कर लिए। इसके बाद न तो मुनाफा दिया गया और न ही मूल राशि लौटाई गई। इंदौर पुलिस आयुक्त के निर्देशानुसार आर्थिक अपराधों में त्वरित कार्रवाई के तहत क्राइम ब्रांच की फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन टीम को सक्रिय किया गया था। शिकायत प्राप्त होते ही टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और साइबर सेल की मदद से आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 नई दिल्ली में होंगे शामिल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार 20 फरवरी को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 में शामिल होंगे। समिट में वे उच्च-स्तरीय पैनल से चर्चा करेंगे। इसमें राज्य स्तर पर एआई के उपयोग से आर्थिक विकास को गति देने, डिजिटल सुशासन को सशक्त बनाने और मजबूत अवसंरचना विकसित करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव एआई कंप्यूटिंग, सायबर सुरक्षा संरचना, क्लाउड इको सिस्टम, जनरेटिव एआई एकीकरण और डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में अग्रणी प्रमुख वैश्विक तकनीकी कंपनियों के साथ वन टू वन बैठक भी करेंगे। बैठक में एडवांस्ड सेमीकंडक्टर ऐक्सीलरेशन, क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा सेंटर और सॉवरेन एआई मॉडलिंग जैसे विषयों पर विचार-विमर्श होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव टियर-2 शहरों से उभर रहे स्टार्ट-अप और नव प्रवर्तकों से भी मुलाकात कर उनके एआई आधारित कार्यों की जानकारी लेंगे।

समिट में मध्यप्रदेश पेवेलियन हॉल 4, प्रथम तल,बूथ संख्या 4F-32 और 4F-34 में एआई इनेबल्ड गवर्नेंस फॉर ऐन एम्पावर्ड भारत थीम पर लगाया गया है। इसमें 14 एआई स्टार्ट-अप, आईआईटी इंदौर और आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन जैसे शैक्षणिक संस्थान और 4 प्रमुख शासकीय विभाग शामिल हैं। मध्यप्रदेश पेवेलियन में धरातल पर लागू किए जा चुके एआई समाधान प्रदर्शित किए जा रहे हैं। यह पेवेलियन दर्शाता है कि पारदर्शिता बढ़ाने, सेवाएं समय पर पहुंचाने और बेहतर निर्णय लेने के लिए एआई का उपयोग शासन व्यवस्था में कैसे किया जा रहा है। मध्यप्रदेश का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, एमपीएसईडीसी के सहयोग से, इस राष्ट्रीय मंच पर राज्य की योजनाबद्ध और लक्ष्य-आधारित एआई पहलों को प्रस्तुत कर रहा है।

हाईकोर्ट का आदेश- इंदौर खंडपीठ करेगी मामले की सुनवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद से संबंधित लंबित याचिकाओं पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की जबलपुर मुख्य पीठ में चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की युगल पीठ ने संयुक्त सुनवाई की। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि विवादित स्थल धार जिले में स्थित है, जो इंदौर खंडपीठ के अधिकार क्षेत्र में आता है। इसलिए सभी संबंधित याचिकाओं की सुनवाई अब इंदौर बेंच द्वारा की जाएगी। गौरतलब है कि इंदौर खंडपीठ ने 16 फरवरी को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसाइटी धार बनाम हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस एवं अन्य मामले में 22 अप्रैल 2026 को दिए गए निर्देशों का हवाला देते हुए कहा था कि रिट पिटिशन क्रमांक 10497/2022 की सुनवाई चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली या वरिष्ठ न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच द्वारा तीन सप्ताह के भीतर की जाए। निर्देशों में यह भी कहा गया था कि सर्वे रिपोर्ट ओपन कोर्ट में खोली जाए और उसकी प्रति दोनों पक्षों को उपलब्ध कराई जाए। यदि रिपोर्ट का कोई हिस्सा साझा नहीं किया जा सकता तो पक्षकारों को अपने विशेषज्ञों और वकीलों की मौजूदगी में उसे देखने की अनुमति दी जा सकती है।

एयरगन से व्यवसायी के घर के कांच तोड़ने के बाद तनाव फैला, दो युवकों पर मामला दर्ज

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महू के पत्ती बाजार क्षेत्र में एक व्यवसायी के घर की गैलरी के कांच टूटने की घटना के बाद शहर में तनाव का माहौल बन गया। कोतवाली थाना पुलिस के अनुसार व्यवसायी संतोष कौशल के घर की गैलरी के दो कांच टूटे पाए गए। सीसीटीवी फुटेज की जांच में एयरगन से फायर कर कांच तोड़े जाने की बात सामने आई है।घटना के बाद हिंदू संगठनों के 200 से अधिक कार्यकर्ताओं ने रात में नारेबाजी की और बुधवार सुबह प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की। स्थानीय भाजपा के कुछ नेताओं ने भी इस विरोध का समर्थन किया। विनय चौहान की रिपोर्ट पर पत्ती बाजार निवासी फरहान और मुख्तियार के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। गौरतलब है कि लगभग एक वर्ष पूर्व भी इसी क्षेत्र में आगजनी और पथराव की घटना हुई थी, जिसमें चौहान परिवार के वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया था। ताजा घटना और आगामी रमजान माह को देखते हुए क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। घटना के बाद प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

इंदौर में 12 से 15 मार्च तक सनातन प्रीमियर लीग का भव्य आयोजन, सोनी स्पोर्ट्स 3 पर होगा लाइव प्रसारण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धर्म, संस्कृति और क्रिकेट का अद्भुत संगम इंदौर की धरती पर 12 से 15 मार्च 2026 तक देखने को मिलेगा, जब यहां सनातन प्रीमियर लीग का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह महाआयोजन परम पूज्य देवकीनंदन ठाकुर के पावन सानिध्य में संपन्न होगा तथा मुख्य अतिथि के रूप में सदानंद सरस्वती की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

सनातन प्रीमियर लीग का उद्देश्य युवाओं को खेल के माध्यम से सकारात्मक दिशा देना और उन्हें अनुशासन, संस्कार एवं राष्ट्रभावना से जोड़ना है। आयोजकों के अनुसार यह केवल क्रिकेट टूर्नामेंट नहीं, बल्कि सनातन मूल्यों और युवा ऊर्जा का महाउत्सव है। आयोजन के संस्थापक श्री विजय शर्मा हैं, जबकि सह-संस्थापक श्री देव जोशी और श्री आनंद मिश्रा हैं।

इस आयोजन में देश के प्रतिष्ठित संतों का सानिध्य भी प्राप्त होगा। इनमें प्रदीप मिश्रा, इंद्रेश उपाध्याय, चिन्मयानंद बापू, राम दिनेशाचार्य, त्रिलोचन दर्शन दास तथा अनिरुद्धाचार्य सहित अन्य संत शामिल रहेंगे। संतों की उपस्थिति आयोजन को आध्यात्मिक ऊर्जा से आलोकित करेगी।

टूर्नामेंट में खेल जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियां विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगी। इनमें अरुण गोविल, द ग्रेट खली, सुरेश रैना, मोहित शर्मा, प्रवीण कुमार, पियूष चावला, उमेश यादव, करसन घावरी, परविंदर अवाना तथा चेतन शर्मा जैसे दिग्गजों के नाम शामिल हैं। इनकी उपस्थिति खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी।

सनातन प्रीमियर लीग में विजेता टीम को 31 लाख रुपये का प्रथम पुरस्कार तथा उपविजेता टीम को 15 लाख रुपये का द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज और मैन ऑफ द सीरीज जैसे सम्मान भी दिए जाएंगे।

छत्रपति श्री शिवाजी महाराज जयंती पर महापौर ने किया माल्यार्पण, शिवाजी वाटिका में आयोजित हुआ कार्यक्रम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। छत्रपति श्री शिवाजी महाराज की जयंती के पावन अवसर पर शहर स्थित शिवाजी वाटिका में स्थापित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धा एवं सम्मान के साथ माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा सर्वप्रथम प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर सांसद शंकर लालवानी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी पुष्पांजलि अर्पित कर छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

कार्यक्रम के दौरान महापौर श्री भार्गव ने अपने संबोधन में कहा कि छत्रपति श्री शिवाजी महाराज भारतीय इतिहास के महान योद्धा, कुशल प्रशासक एवं राष्ट्रनायक थे। उन्होंने स्वराज, स्वाभिमान और सुशासन की जो भावना स्थापित की, वह आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका जीवन साहस, रणनीति, संगठन क्षमता एवं जनकल्याणकारी शासन का अनुपम उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज के आदर्शों पर चलकर ही राष्ट्र और समाज को नई दिशा दी जा सकती है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी नागरिकों ने देश और समाज के विकास के लिए उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया।

सुगम यातायात के लिए चार विशेष पेट्रोलिंग टीमें गठित, व्यस्त मार्गों पर होगी त्वरित कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में यातायात व्यवस्था को अधिक सुचारू, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) आर.के. सिंह तथा पुलिस उपायुक्त (प्रभारी यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस द्वारा चार विशेष पेट्रोलिंग टीमों का गठन किया गया है।

पुलिस उपायुक्त राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि शहर में लगातार बढ़ते यातायात दबाव और अव्यवस्थित पार्किंग के कारण कई स्थानों पर जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। इसे ध्यान में रखते हुए चारों यातायात जोन में एक-एक विशेष टीम तैनात की गई है, जो अपने-अपने क्षेत्र में सतत भ्रमण कर निगरानी रखेगी और नियम उल्लंघन करने वालों पर त्वरित कार्रवाई करेगी।

प्रत्येक टीम में एक सूबेदार या उप निरीक्षक को प्रभारी बनाया गया है, उनके साथ एक एएसआई या प्रधान आरक्षक, चार आरक्षक, एक महिला आरक्षक तथा दो मोटरसाइकिल पेट्रोलिंग सदस्य रहेंगे। टीमों को एनाउंसमेंट हेतु पीए सिस्टम, पेट्रोलिंग मोटरसाइकिल, बॉडी वॉर्न कैमरा, क्रेन या सपोर्ट वाहन, व्हील लॉक और चालान के लिए पीओएस मशीन उपलब्ध कराई गई है।

ये टीमें मुख्य मार्गों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में आकस्मिक निरीक्षण करेंगी। फुटपाथ पर खड़े वाहनों, मुख्य सड़कों पर अवैध पार्किंग और दुकानों के बाहर सड़क घेरकर खड़े किए गए वाहनों के विरुद्ध मौके पर ही कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकतानुसार व्हील लॉक अथवा क्रेन के माध्यम से चालानी कार्रवाई भी की जाएगी।

यातायात पुलिस द्वारा पीए सिस्टम के माध्यम से दुकानदारों और नागरिकों से अपील की जाएगी कि वे अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें और यातायात नियमों का पालन करें। कार्रवाई की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी सदस्य बॉडी वॉर्न कैमरे का उपयोग करेंगे, जिससे संपूर्ण कार्यवाही की वीडियो रिकॉर्डिंग हो सके।

वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा इन टीमों के कार्यों की नियमित समीक्षा की जाएगी। यातायात पुलिस की यह पहल शहर में सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

इंदौर में रातभर बारिश, स्कूलों में कम हुई संख्या, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में फरवरी के महीने में तीसरी बार मौसम के मिजाज में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। बीते बुधवार को प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश दर्ज की गई, जबकि कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि ने जनजीवन प्रभावित किया। मौसम का यह बदला हुआ रूप गुरुवार सुबह भी जारी रहा। विशेष रूप से इंदौर में बीती रात गरज-चमक के साथ मूसलधार बारिश हुई, जिससे सुबह के समय ठंडी हवाओं का प्रभाव बढ़ गया। ठंड और बारिश के चलते गुरुवार सुबह स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति सामान्य से काफी कम देखी गई। इंदौर में बुधवार रात का पारा भी गिर गया और सामान्य से 2.5 डिग्री की गिरावट के साथ 15.2 पर आ गया। वहीं इससे पहले बुधवार को दिन का पारा 31.2 डिग्री पर रहा। मौसम विज्ञान केंद्र ने इंदौर सहित प्रदेश के 8 महत्वपूर्ण जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इससे पहले बुधवार को ग्वालियर, चंबल और मालवांचल के रतलाम, मंदसौर, नीमच, गुना, शिवपुरी और भिंड जैसे 20 से अधिक जिलों में मौसम का कड़ा प्रहार देखने को मिला था।

मौसम वैज्ञानिकों के विश्लेषण के अनुसार, वर्तमान में मध्यप्रदेश के ऊपर एक साथ दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन यानी चक्रवाती तंत्र सक्रिय हैं। इसके साथ ही एक ट्रफ लाइन भी प्रदेश के मध्य भाग से होकर गुजर रही है।

महिलाओं को निःशुल्क ड्राइविंग सिखाकर रोजगार से जोड़ा, ई रिक्शा भी दिलवाए

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला सशक्तिकरण की दिशा में इंदौर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है। निर्धन और निम्न आय वर्ग की महिलाओं के लिए संचालित निःशुल्क ड्राइविंग प्रशिक्षण योजना की 14वीं बैच सफलतापूर्वक पूर्ण हो गई। इस बैच में 40 महिलाओं को प्रशिक्षण देकर प्रमाणित ड्राइवर बनाया गया।

यह योजना परिवहन विभाग और नंदानगर स्थित आईटीआई के संयुक्त प्रयास से संचालित की जा रही है। अब तक कुल 509 महिलाएं इस प्रशिक्षण का लाभ ले चुकी हैं। पहले 13 बैचों में 469 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया था, जबकि 14वीं बैच के साथ यह संख्या 500 के पार पहुंच गई है।

एआरटीओ अर्चना मिश्रा ने बताया कि कोविड-19 के बाद उत्पन्न रोजगार संकट को ध्यान में रखते हुए यह पहल शुरू की गई थी। झुग्गी-बस्तियों और निम्न आय वर्ग की महिलाओं के लिए यह योजना नई उम्मीद बनकर सामने आई है। कई महिलाएं अब ई-रिक्शा चलाकर परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी संभाल रही हैं, जबकि कुछ वाहन शोरूम और निजी संस्थानों में ड्राइवर या सहायक के रूप में कार्यरत हैं। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें आरटीओ प्रदीप शर्मा, आईटीआई के प्रभारी अधिकारी निखिल पंडित, संयुक्त संचालक कौशल विकास सतीश मोरे और प्राचार्य श्रीमती रीना सोलंकी द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

एआरटीओ अर्चना मिश्रा के अनुसार प्रशिक्षण पूरी तरह चरणबद्ध और व्यावहारिक है। पहले ड्राइविंग सिम्युलेटर पर बेसिक कंट्रोल सिखाया जाता है, इसके बाद वास्तविक ट्रैक पर अभ्यास कराया जाता है। प्रशिक्षण में सड़क सुरक्षा, यातायात नियम, वाहन रखरखाव और व्यवहारिक परिस्थितियों की जानकारी भी दी जाती है। लर्निंग लाइसेंस से लेकर परमानेंट लाइसेंस तक की पूरी प्रक्रिया विभाग द्वारा कराई जाती है। इस योजना के सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। अब तक 27 महिलाओं को सीएसआर फंड के माध्यम से 25-25 हजार रुपये की सहायता प्रदान कर ई-रिक्शा उपलब्ध कराए गए हैं। 14वीं बैच की दो जरूरतमंद महिलाओं को भी ई-रिक्शा दिलाने में सहायता की जाएगी।

सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र से 37 लाख 23 हजार रुपये दिलवाकर इंदौर पुलिस ने कराया त्वरित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा सामान्य आपसी एवं पारिवारिक विवादों के त्वरित और सौहार्दपूर्ण निराकरण के उद्देश्य से संचालित सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र के माध्यम से आवेदकों को शीघ्र न्याय दिलाने का प्रभावी प्रयास किया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से स्थापित इस केंद्र का शुभारंभ 25 जून 2025 को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किया गया था।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर के निर्देशन में संचालित इस केंद्र में जनसुनवाई के दौरान प्राप्त आवेदनों पर प्राथमिकता से सुनवाई कर आपसी सहमति से समाधान कराया जा रहा है। हाल ही में 17 और 18 फरवरी 2026 को आयोजित सुनवाई में सात आवेदकों के प्रकरणों पर विचार किया गया, जिनमें से पांच मामलों का आपसी सामंजस्य से निराकरण किया गया। इनमें तीन प्रकरण ऐसे रहे जिनमें आवेदकों को कुल 37 लाख 23 हजार रुपये की राशि दिलवाकर संतुष्टि पूर्वक समाधान कराया गया।

एक मामले में कृषि भूमि के सौदे को लेकर उत्पन्न विवाद में मध्यस्थता टीम की पहल पर आवेदिकाओं को 24 लाख 53 हजार रुपये का भुगतान चेक के माध्यम से कराया गया। दूसरे प्रकरण में आपसी लेनदेन को लेकर विवाद था, जहां बीमारी से पीड़ित आवेदिका को तत्काल राहत प्रदान करते हुए 10 हजार रुपये का ऑनलाइन भुगतान कराया गया। तीसरे मामले में व्यापारिक लेनदेन से संबंधित विवाद में 12 लाख 60 हजार रुपये की शेष राशि का आपसी सहमति से सेटलमेंट कराया गया।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र के माध्यम से पारिवारिक विवाद, पड़ोसियों के झगड़े, छोटे संपत्ति विवाद, किरायेदार-मालिक के मतभेद तथा अन्य मामूली सिविल मामलों को बिना लंबी कानूनी प्रक्रिया के प्रशिक्षित मध्यस्थों की सहायता से बातचीत और समझाइश के जरिए सुलझाया जा रहा है। इस पहल से आम नागरिकों को समय और धन की बचत के साथ त्वरित एवं संतोषजनक न्याय मिल रहा है।

इंदौर में फिर ग्रीन कॉरिडोर बना तीन लोगों को मिली नई जिंदगी, दिल पहुंचा अहमदाबाद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में बुधवार रात फिर एक ग्रीन कॉरिडोर बना और तीन लोगों को नई जिंदगी मिली गई। खरगोन की गांवशिंदे कॉलोनी निवासी 49 वर्षीय विजय जायसवाल के अंगदान के लिए जुपिटर विशेष हॉस्पिटल से एयरपोर्ट के लिए, और फिर चोइथराम हॉस्पिटल के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाए गए। 15 की सुबह सड़क दुर्घटना के बाद विजय को उपचार के लिए जुपिटर हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। उनकी ब्रेन डेथ की स्थिति होने पर उपचार कर रहे डॉक्टर अंशुल जैन व सीनियर इंटेंसिविस्ट डॉक्टर वरुण देशमुख द्वारा मुस्कान ग्रुप के काउंसलर को सूचना दी गई थी।

मुस्कान ग्रुप के काउंसलर्स संदीपन आर्य, जीतू बगानी एवं लक्की खत्री ने लगातार तीन दिनों तक परिजनों से अंगदान के लिए काउंसलिंग की गई। आखिरकार वे अंगदान के लिए तैयार हो गए। विजय पत्नी आराधना जायसवाल, जेठ विनोद जायसवाल,विशाल जायसवाल और पुत्र प्रथमेश ने निर्णय लेते हुए अंगदान की स्वीकृति प्रदान की। इसके बाद विजय का दिल अहमदाबाद के मरेंगो सिम्स हॉस्पिटल भेजा गया, जबकि उनका लिवर और एक किडनी जुपिटर विशेष हॉस्पिटल में और दूसरी किडनी चोइथराम हॉस्पिटल में उपचाररत रोगियों को आवंटित की गई।

ग्रीन कॉरिडोर के पहले सड़कों पर पुलिस तैनात की गई और एम्बुलेंस को रास्ता दिया गया।

सेवा कार्यों से युवा वास्तविक चुनौतियों को समझकर व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करते हैं-डॉ. सूर्यवंशी

ग्राम कनघट्टी में राष्ट्रीय सेवा योजना का सप्त-दिवसीय विशेष शिविर प्रारंभ

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ग्राम पंचायत कनघट्टी में सप्त-दिवसीय विशेष इकाई स्तरीय शिविर का शुभारंभ दिनांक 18 फरवरी 2026 से किया गया है, जो 24 फरवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा। यह शिविर ग्राम विकास, स्वच्छता, जन-जागरूकता, सामाजिक समरसता तथा स्वयंसेवकों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। शिविर के प्रथम दिवस उद्घाटन सत्र का आयोजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें प्राचार्य प्रतिनिधि डॉ. अशोक पाटीदार ने कहा कि यह विशेष शिविर स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों से विद्यार्थियों में नेतृत्व, सहयोग, सहनशीलता एवं टीम भावना का विकास होता है।

जिला संगठक, एन.एस.एस., डॉ. के.आर. सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में कहा कि एन.एस.एस. स्वयंसेवकों में समय प्रबंधन, अनुशासन, समर्पण तथा कार्यकुशलता जैसे गुणों का विकास करता है। उन्होंने कहा कि सेवा कार्यों के माध्यम से युवा जीवन की वास्तविक चुनौतियों को समझते हैं और व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करते हैं। सरपंच महेश पाटीदार (ग्राम पंचायत कनघट्टी) ने कहा कि एन.एस.एस. का यह शिविर ग्राम के लिए प्रेरणादायी अवसर है। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति यदि सेवा भाव से कार्य करे तो गाँव का समग्र विकास सुनिश्चित हो सकता है। उन्होंने ग्रामवासियों से भी शिविर की गतिविधियों में सक्रिय सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया। पंकज पाटीदार (सदस्य, जनपद पंचायत मल्हारगढ़) ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय सेवा योजना को युवाओं में राष्ट्रभक्ति और सामाजिक चेतना जागृत करने वाला सशक्त मंच बताया। उन्होंने कहा कि यह शिविर केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का माध्यम है। उन्होंने ग्रामीण जनों से अपील की कि वे स्वयंसेवकों के साथ मिलकर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक समरसता के कार्यों में सहभागिता निभाएँ। समाजसेवी चंद्रपाल सिंह झाला ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एन.एस.एस. 'सेवा परमो धर्मः' की भावना को व्यवहार में उतारने का माध्यम है। उन्होंने बताया कि यह योजना स्वयंसेवकों को अनुशासित, संवेदनशील और समाज के प्रति उत्तरदायी नागरिक बनाती है। उन्होंने उदाहरण सहित स्पष्ट किया कि जब युवा समाज की समस्याओं को समझकर समाधान की दिशा में कार्य करते हैं, तब राष्ट्र सशक्त बनता है। डॉ. संतोष कुमार शर्मा, सहायक प्राध्यापक (वनस्पति शास्त्र) ने कहा कि एन.एस.एस. स्वयंसेवकों को कर्तव्यनिष्ठ, समाजसेवी एवं देशभक्त नागरिक बनने की प्रेरणा देता है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण एवं जैव विविधता के महत्व पर भी प्रकाश डाला और स्वयंसेवकों से प्रकृति संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। शिविर आयोजन सचिव एवं एन. एस. एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार आर्य ने शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि सात दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान स्वयंसेवकों को सामाजिक उत्तरदायित्व, नेतृत्व कौशल, समय प्रबंधन, स्वच्छता अभियान, सांस्कृतिक गतिविधियाँ, बौद्धिक सत्र एवं खेलकूद के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिल कुमार आर्य द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललिता लोधा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर एन.एस.एस. सहयोगी डॉ. शिव कुमार पाण्डे, लोकेंद्र गौड़ सहित शिविरार्थी स्वयंसेवक एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

पालसोड़ा में वृंदावन ग्राम योजना के अंतर्गत पंच वर्षीय कार्ययोजना के संबंध में बैठक सम्पन्न

योजना के अंतर्गत विकास कार्य के लिए 4 करोड़ से अधिक राशि का प्रस्ताव प्रतिवेदन के लिए भेजा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन की महत्वपूर्ण योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना के अंतर्गत ग्राम पालसोड़ा के पंचायत में महत्वपूर्ण बैठक हुई सम्पन्न, नीमच विधानसभा के अंतर्गत स्वीकृत हुई एकमात्र पंचायत ग्राम पंचायत पालसोड़ा जो वृंदावन ग्राम घोषित किया गया, जिसका क्रियान्वयन ओर पंचवर्षीय योजनाओं का एजेंटा तैयार करने के लिए बुधवार को पंचायत भवन में ब्लॉक स्तरीय अधिकारिगण सहित प्रशासन की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें योजना के अंतर्गत पंचवर्षीय कार्ययोजनाओं के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें 04 करोड़ से अधिक राशि के लिए विकास कार्य हेतु प्रस्ताव प्रतिवेदन भेजा गया, मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों को आत्मनिर्भर और विकसित बनाना है, जो शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार पर ध्यान केंद्रित करती है। इस योजना के तहत ग्राम पंचायतें स्थानीय विकास प्राथमिकताओं को निर्धारित करती हैं, सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देती हैं और पंचवर्षीय ग्राम विकास के माध्यम से काम करती हैं। ताकि गांव का सर्वांगीण विकास हो सके योजना का उद्देश्य ग्रामों को आत्मनिर्भर, स्वच्छ और विकसित बनाना है, इसमें ग्रामीण विकास, बुनियादी ढांचे में सुधार, और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने पर ज़ोर दिया जा रहा है, ग्राम पंचायतें अपने स्थानीय स्तर पर योजनाएँ बनाकर शिक्षा, स्वास्थ्य, और स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विकास सुनिश्चित कर रही हैं।

इस बैठक के दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष अर्जुनसिंह सिसोदिया, कुशाभाऊ ठाकरे मंडल अध्यक्ष किशोरदास बैरागी, सरपंच संगीता जाट, पंचायत एवं ग्रामीण विकास से जनपद सीईओ आरिफ खान, पंचायत इंस्पेक्टर रोशनलाल मालवीय, तहसीलदार यशपाल मुजाल्दे, पटवारी राजमल नागदा, कृषि विभाग से अजय नागदा, महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी इरफान अंसारी, पशु चिकित्सा कपिल मालवीय, [illegible] विभाग से कमलेश पाटीदार, [illegible] गोपाल परिहार, स्वास्थ्य विभाग ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर विजय भारती, जल संसाधन [illegible] हिमांशु भाभर, पिछड़ा वर्ग कल्याण महेंद्रपाल सिंह, पंचायत सचिव महेश शर्मा आदि अधिकारीगण सहित पंच गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

आगामी त्यौहारों के मददेनजर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारी संयुक्त क्षेत्र भ्रमण कर, सुदृढ कानून व्यवस्था सुनिश्चित करें- श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी त्यौहारों के मद्देनजर जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति को और मजबूत एवं सुदृढ बनाने के लिए कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में जिले के सभी कार्यपालिक मजिस्ट्रेटो एवं पुलिस अधिकारियों की संयुक्त बैठक बुधवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित की गई। बैठक में फरवरी से जून 2026 माह तक के सभी त्यौहारों पर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल, एडीएम श्री बी.एस.कलेश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री एन.एस.सिसोदिया, सभी एसडीएम, एसडीओपी, सीएसपी नीमच सहित सभी कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं थाना प्रभारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री चंद्रा ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए, कि सभी कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं थाना प्रभारी संयुक्त रूप से अपने क्षेत्र का भ्रमण, पेट्रालिंग, फ्लेग मार्च कर अपने-अपने क्षेत्र में कड़ी निगरानी रखे और सूचना तंत्र को मजबूत बनाए। स्थानीय रहवासियों से संपर्क संवाद कर क्षेत्र में निगरानी रखे। बैठक में निर्देश दिए, कि सभी अधिकारी थाना स्तर पर शांति समिति की बैठके आयोजित कर लें और सुनिश्चित करे, कि मुख्य चौराहों, मार्गो पर और बिजली के तारों के नीचे होलिका दहल स्थल का चयन ना हो, जिससे कि यातायात बाधित ना हो और आमजनों को कोई असुविधा ना हो। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय संवाद के साथ फिल्ड भ्रमण करने के निर्देश दिए। उन्होने निर्देश दिए, कि फिल्ड अधिकारियों से सभी प्रकार की सूचनाएं वरिष्ठ स्तर पर तत्काल पहुचे और सूचनाओं पर मैदानी अधिकारी त्वरित कार्यवाही करें। कलेक्टर ने कहा, कि सभी कार्यपालिक मजिस्ट्रेट स्थानीय निकायों से त्यौहारों पर आवश्यकतानुसार प्रकाश, बेरिकेंटिग्स, पब्लिक अनाउंस सिस्टम आदि की व्यवस्थाए सुनिश्चित करवाएं। बैठक में सभी विभागों को परम्परानुसार त्यौहारों पर सभी आवश्यक प्रबंध व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल नेआदतन अपराधियों के विरूद्ध बाउण्ड ओव्हर की कार्यवाही करवाने के निर्देश थाना प्रभारियोंको दिए गये। साथ ही निगरानी शुदा व्यक्तियों की थाने में प्रतिदिन हाजरी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए है। एसपी ने कहा कि त्यौहारों पर जुलूस, अखाडों में ड्रोन कैमरे की व्यवस्था की जाए तथा विशेष टीम लगाकर निगरानी की जाए उन्होंने सभी थाना प्रभारी को जुलूस मार्गों का रूट का भ्रमण करने, सीसीटीवी की व्यवस्था देखने और यदि कहीं सीसीटीवी नहीं लगे हैं खराब है तो उन्हें दुरुस्त करवाने नए सीसीटीवी लगाने के निर्देश भी दिए।

एस.पी.ने निर्देश दिए की थाना प्रभारी क्षेत्र का भ्रमण कर यह देख ले, कि तारों के नीचे प्रमुख चौराहे पर होली का दहन स्थल ना रहे यदि कहीं ऐसा है, तो आयोजकों से चर्चा कर जन सुविधा को देखते हुए उपयुक्त स्थान पर होलिका दहन की व्यवस्था करवाए। उन्होंने सभी मैदानी अधिकारियों को आगामी त्यौहारों को देखते हुए अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं।

सूरजनी गांव में भय्यु लाला की संदिग्ध मृत्यु, पीएम रिपोर्ट से खुलेगा राज

परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप, लदूना चौराहे पर प्रदर्शन के बाद मंदसौर हुआ पैनल से पीएम

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीतामऊ थाने के ग्राम सूरजनी में कुख्यात आरोपी रहे वाहिद उर्फ भय्यु लाला पठान पिता बाबर खान पठान 36 वर्ष की बुधवार रात्रि में संदिग्ध अवस्था में मृत्यु हो गई। मृतक भय्यु लाला पर पांच हजार का ईनाम होकर उस पर कई थाने में डेढ़ दर्जन प्रकरण दर्ज होना बताया गया है, जिसमें एनडीपीएस भी शामिल है। आरोपी के सूरजनी में होने की सूचना पर सीतामऊ टीआई कमलेश प्रजापति और एसडीओपी दिनेश प्रजापति मय फ़ोर्स के साथ पकड़ने गए थे। लेकिन, बाद में भय्यु लाला का शव पलंग पेटी में मिला। आशंका है कि पुलिस से छिपने के प्रयास में दम घुटने से मृत्यु हुई है। उधर, गुरुवार को इस घटना से माहौल गरमा गया। भय्यु लाला का शव लेकर परिजनों ने सीतामऊ के लदूना चौराहे पर प्रदर्शन किया। वहीं मंदसौर में पीएम की मांग स्वीकार होने पर मंदसौर में भी गहमा गहमी बनी रही। पैनल से पोस्टमार्टम हुआ है। मामले में मृतक भय्यु लाला के पर परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोपी लगाए हैं। मारपीट से मृत्यु होने का भी आरोप लगाया गया है। कहा कि पुलिस वाले आए थे और कैमरे की डीवीआर भी साथ ले गए।

मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। पीएम रिपोर्ट आने पर ही राज खुल सकेगा। सीतामऊ थाने में इस संबंध में मर्ग क्रमांक तीन कायम हुआ है, जो तहकीकात में है। इस मामले में एसडीओपी दिनेश प्रजापति ने बताया कि सूचना पर पुलिस गई थी। आरोपी को ढूंढा, नहीं मिलने पर वापस आ गए थे। बाद में शव मिलने की सूचना पर डॉयल 112 पहुंची थी। गरोठ एएसपी हेमलता कुरील ने कहा कि परिजनों की मंदसौर पीएम पै नल से कराने की मांग थी। पीएम कराया गया है, जांच जारी है।

सीतामऊ थाना क्षेत्र के ग्राम सूरजनी में कुख्यात आरोपी वाहिद उर्फ भय्यु लाला पठान की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। परिजनों ने पुलिस पर मारपीट, 25 लाख रुपये मांगने और घर से डीवीआर ले जाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। मामले में वाहिद उर्फ भय्यु लाला के शव को देर रात पुलिस सीतामऊ हास्पिटल लेकर आई। रात्रि में शव सीतामऊ अस्पताल रहा। गौरतलब है कि बुधवार रात पुलिस वाहिद उर्फ भय्यु लाला की तलाश में उसके घर पहुंची थी। जानकारी के अनुसार उस समय भय्यु लाला घर पर मौजूद था। पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए वह पलंग पेटी में छिप गया। कुछ देर तलाशी के बाद पुलिस टीम लौट गई। बाद में पलंग पेटी के अंदर दम घुटने से उसकी मृत्यु हो गई। आरोपी वाहिद उर्फ भय्यु लाला पठान पर कुल 19 आपराधिक प्रकरण दर्ज थे। महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और राजस्थान पुलिस को करीब पांच मामलों में उसकी तलाश थी। उस पर पांच हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस का कहना है कि आरोपी पर कई गंभीर अपराध दर्ज थे और वह वांछित था। कुछ माह पहले मुंबई पुलिस ने जावरा से भय्यु लाला के दो गुर्गों को 10 किलो एमडी के साथ पकड़ा था। इसके बाद से मुंबई पुलिस भी उसकी तलाश कर रही थी। मंदसौर में पोस्टमार्टम के दौरान पुलिस प्रशासन सतर्क रहकर मौजूद रहा।

वाटरशेड से मिली मदद, औषधीय फसल हल्दी से बदली किसान लादूराम की किस्मत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले के जावद विकासखंड की ग्राम पंचायत बधावा के गॉव कसमारिया के किसान श्री लादूराम माली पूर्व में परम्परागत रूप से मूंगफली, सोयाबीन एवं मक्का जैसी फसलों की खेती करते थे, सीमित वर्षा, पानी की कमी और बढ़ती लागत के कारण इन फसलों से अपेक्षित आय नहीं हो पा रही थी।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में वाटरशेड टीम द्वारा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत किसानों को औषधी एवं सब्जी आधारित फसल लगाने हेतु तकनीकी सलाह, फील्ड मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण दिया गया। इससे प्रेरित होकर किसान लादूराम ने परम्परागत खेती छोड़कर औषधी फसल विशेष रूप से हल्दी की उन्नत खेती 1.50 बीघा में अपनाई। वाटरशेड योजना के तहत श्री लादूराम माली को 23200 रूपये की वित्तीय सहायता भी दी गई। जिससे उन्होंने मल्चिंग, उन्नत बीज चयन, मिनि स्प्रिंकलर सिंचाई साधन, संतुलित रासायनिक एवं जैविक खाद तथा कीटनाशकों का वैज्ञानिक उपयोग किया। इन सभी व्यवस्थाओं पर लगभग 70 से 75 हजार की कुल लागत आई।

उन्नत तकनीकों जल संरक्षण उपायों और नियमित कृषि मार्गदर्शन के परिणाम स्वरूप हल्दी की फसल में गुणवत्ता और उत्पादन दोनों में वृद्धि हुई। किसान ने अपनी उपज का विक्रय सिंगोली, बेगू एवं नीमच मंडी में किया। इससे उन्हें लगभग 1.85 लाख तक की आय हुई। सभी खर्च निकालने के बाद किसान लादूराम लगभग 1.10 लाख तक का शुद्ध लाभ हुआ। आसपास के किसानों के लिए लादूराम की यह सफलता प्रेरणादायी हैं।

भारतीय शिक्षण मंडल मंदसौर की संगठनात्मक बैठक सम्पन्न

मंदसौर, रतलाम और नीमच जिले का एक संयुक्त कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग मंदसौर में होगा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय शिक्षण मंडल जिला मंदसौर की एक संगठनात्मक बैठक संपन्न हुई। बैठक में नवीन सदस्यता का लक्ष्य निर्धारित किया गया तथा विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने पर चर्चा की गई, जिसमें मंदसौर, रतलाम और नीमच जिले का एक संयुक्त कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग मंदसौर में आयोजित करने संबंधी निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त भारतीय शिक्षण मंडल आगामी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सामाजिक, शैक्षणिक अथवा सेवा के क्षेत्र में काम करने वाली महिला का सम्मान भी करेगा। साथ ही ब्लाक स्तर पर 10वीं व 12वीं बोर्ड की परीक्षाओं में टॉप 10 में स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान भी करेगा। अन्य संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से विक्रमसिंह सिसोदिया को भारतीय शिक्षण मंडल जिला मंदसौर का जिला संयोजक मनोनीत किया गया। इस अवसर पर विक्रम सिंह सिसोदिया ने कहा कि वह संगठन के द्वारा जिम्मेदारी का निर्वाहन करने के लिए जिम्मेदारी की पूरी कोशिश करेंगे तथा सभी सहयोगियों के साथ प्रांत के निर्देशों का पालन करते हुए भारतीय शिक्षण मंडल की गतिविधियों को जिले में बढ़ाने की दिशा में काम करेंगे। बैठक में भारतीय शिक्षण मंडल के मालवा प्रांत के उपाध्यक्ष डॉ. क्षितिज पुरोहित, प्रांत के शिक्षक शिक्षा कार्य के संयोजक श्री श्यामसुंदर देशमुख सहित श्री ललित भारद्वाज, राजेश नामदेव, महेश त्रिवेदी, दिलीप सांखला, भगवतीलाल शर्मा, घनश्याम झरिया, श्यामलाल मीणा, दिनेश शुक्ला, नेपालसिंह राणावत, रतनलाल चौहान, परमेश्वर शक्तावत, शैलेन्द्र आचार्य एवं सुनील धनोतिया उपस्थित रहे।

8 दिवसीय टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन, रोमांचक मुकाबले में पिपलिया ने मंदसौर को हराया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलिया में खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने और युवाओं में खेल भावना विकसित करने के उद्देश्य से पशुपतिनाथ एमसीसी क्रिकेट क्लब, मन्दसौर की ओर से आयोजित 8 दिवसीय टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का रविवार को समापन हुआ। प्रतियोगिता में जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से लगभग 350 खिलाड़ियों ने भाग लिया। आठ दिनों तक चले मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। टूर्नामेंट के अंतिम दिन फाइनल मुकाबला मन्दसौर और पिपलिया मंडी की टीमों के बीच खेला गया। फाइनल मैच देखने के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मैदान पर मौजूद रहे। मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और दोनों टीमों ने जीत के लिए पूरा जोर लगाया। फाइनल में टॉस जीतकर पिपलिया मंडी की टीम ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। निर्धारित 8 ओवरों में टीम ने सधी हुई बल्लेबाजी करते हुए 81 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। टीम के बल्लेबाजों ने आक्रामक अंदाज में रन बटोरते हुए मन्दसौर के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी मन्दसौर की टीम ने अच्छी शुरुआत करने का प्रयास किया, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गई। निर्धारित 8 ओवरों में मन्दसौर की टीम 60 रन ही बना सकी। इस प्रकार पिपलिया मंडी ने 20 रन से शानदार जीत दर्ज कर ट्रॉफी अपने नाम की। टूर्नामेंट के समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। बेस्ट बॉलर विनय नेकाड़ी, प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट विनय नेकाड़ी, बेस्ट बैट्समैन सूर्यदेवसिंह, बेस्ट फील्डर साहिल माली, फाइनल मैच के मैन ऑफ द मैच विनय नेकाड़ी रहे। विनय नेकाड़ी ने पूरे टूर्नामेंट में ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनके शानदार प्रदर्शन की दर्शकों और आयोजन समिति ने सराहना की।

खनिजों का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते हुए चार डम्पर एवं एक जेसीबी जप्त

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खनि अधिकारी श्री गजेन्द्र सिह डाबर ने बताया, कि खनिज निरीक्षक श्री सुनिल जाधव एवं खनिज टीम ने अवैध उत्खन्न, परिवहन, भण्डारण के विरूद्ध जावद क्षेत्र के ग्राम दामोदरपुरा, केसरपुरा एवं सिंगोली क्षेत्र में प्रभावी कार्यवाही करते हुए खनिज मिट्टी, एम-सेण्ड एवं गिट्टी का अवैध उत्खन्न एवं परिवहन करते हुए 5 वाहनों को मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत जप्त किया गया हैं। उक्त वाहनों को नयागांव चौकी एवं सिंगोली थाने की अभिरक्षा में आगामी आदेश सुरक्षार्थ खडा किया गया हैं। अवैध उत्खन्न एवं परिवहन में संलिप्त वाहनों डम्पर आर.जे.06जी.बी.8742, डम्पर आर.जे.09जी.ई.8906, एम.पी.21एच.1914, ट्रेलर आर.जे.09जी.डी.2255, जे.सी.बी.आर.जे.32ई.ए.0876 शामिल हैं।

नीमच में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर - शिविर में 110 रोगियों ने लिया लाभ

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुष विभाग नीमच द्वारा वृद्धजनों एवं वरिष्ठजनों के लिए गुरूवार को निशुल्क आयुष चिकित्सा शिविर का आयुष विंग एवं पंचकर्म थेरेपी सेंटर नीमच में आयोजित किया। शिविर में उपस्थितजनों की निशुल्क बीपी एवं शुगर की जांच कर आवश्यक परामर्श के साथ निशुल्क औषधीयां वितरित की। शिविर का कुल 110 रोगियों ने लाभ लिया। स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में डॉ.पंकज कुमार पाटीदार, डॉ.विवेक शर्मा, डॉ.निकिता बघेल, डॉ.राहुल जायसवाल आदी।

योजनाओं के क्रियान्वयन में नीमच जिला प्रवेश में टाप

प्रयास करें कि सभी शालाओं में ड्राफ्ट आउट बच्चों का प्रतिशत जीरों रहे है

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। म.प्र.शासन द्वारा विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित 16 योजनाओं के क्रियान्वयन एवं लक्ष्यपूर्ति में नीमच जिला प्रदेश में प्रथम रैंक प्राप्त कर, अव्वल स्थान पर रहा है। यह जानकारी मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन की अध्यक्षता में गुरूवार को वीडियों कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित कमिश्नर्स, कलेक्टर्स एवं पुलिस अधीक्षक कांफ्रेंस में दी गई। इस कांफ्रेंस में सभी अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं सभी विभागों के प्रमुख सचिव भी मौजूद थे।

बैठक में बताया गया, कि प्रदेश की सभी स्कूलों में आगामी एक अप्रेल 2026 को नवीन शिक्षा सत्र प्रारंभ होगा। एक अप्रेल से ही शालाओं में प्रवेशोत्सव आयोजित किए जाएंगे और विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तके वितरण किया जावेगा। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए, कि सभी जिले प्रयास करें, कि नवीन शिक्षा सत्र में स्कूलों में ड्राप आउट छात्रों की संख्या जीरों रहे। आंगनवाडी केंद्रों में 3 से 6 वर्ष तक के सभी बच्चों का भी प्रवेश हो जाए और उनका नामांकन पोषण ट्रेकर एप पर दर्ज हो। रोजगार उद्योग निवेश की समीक्षा में बताया गया, कि विभिन्न 16 योजनाओं के क्रियान्वयन एवं लक्ष्यपूर्ति में 640 अंकों का स्कोर प्राप्त कर नीमच जिला प्रदेश में टाप रहा है। बैठक में सभी योजनाओं में सभी जिलो को शतप्रतिशत लक्ष्यपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गये।

बैठक में बताया गया, कि प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जावेगा। इसके लिए भूमि चिहिंत कर एम.एस.एम.ई. विभाग को प्राथमिकता से आवंटित कर दी जाए। इसमें कोई विलम्ब ना हो। नवीन स्वीकृत जनपद कार्यालयों के भवन निर्माण के लिए भी स्थान चिंहित कर भूमि आवंटन 15 दिवस में करने के निर्देश दिए गए। बैठक में सुशासन, प्रधानमंत्री कृषक सूर्य मित्र योजना, पी.एम.सूर्य घर मुक्त बिजली योजना, संवेदनशील बस्तिओं का चिंहाकन कर झांतला प्लान तैयार करने, जिला बिजनेस रिप्लाय एक्शन प्लान 2026 तैयार करने, वन अधिकार दावों का निराकरण, मजरा टोला योजना के तहत हितग्राहियों अनुमोदन, विभिन्न जिला स्तरीय समितियों का गठन, लखपति दीदीयों को बैंक लिकेज आदि बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए गये।

नीमच के एन.आई.सी.कक्ष में इस कांफ्रेस में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, एस.पी.श्री अंकित जायसवाल, एडीएम श्री बी.एस.कलेश सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी भी मौजूद थे।

दिनदहाड़े सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी, चांदी के जेवरात व नकदी ले उड़े बदमाश

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना नारायणगढ़ क्षेत्र के रिछा गांव में दिनदहाड़े सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी की वारदात सामने आई है। अज्ञात बदमाश घर से चांदी के पुराने इस्तेमाल किए हुए जेवरात और नगदी लेकर फरार हो गए। पुलिस ने केस दर्ज किया। फरियादी कमलेश (32) पिता रामलाल मेघवाल, निवासी रिछा ने पत्नी विष्णुबाई के साथ थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह मकान निर्माण का कार्य करता है और घटना के समय गांव में ही काम पर गया हुआ था। दोपहर करीब 1.30 बजे उसकी पत्नी विष्णुबाई का फोन आया, जिसमें उसने बताया कि घर का ताला व नकूचा टूटा हुआ है और अंदर सामान बिखरा पड़ा है। पत्नी ने बताया कि वह करीब 1 बजे गांव में पत्रिका देने गई थी और 1.30 बजे लौटने पर घर का ताला टूटा मिला। घर के अंदर जाकर देखा तो अलमारी व पेटी खुली हुई थी तथा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। चांदी के पुराने इस्तेमाल किए गए जेवरात और नगदी गायब मिले। फरियादी ने बताया कि जेवरात की सूची व बिल पृथक से पुलिस को प्रस्तुत किए जाएंगे। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है।

सम्पादकीय

संवेदनशील प्रशासन और संयमित छात्रः संतुलन ही समाधान

कभी-कभी बस एक छोटा-सा क्षण पूरी व्यवस्था की आत्मा को बेनकाब कर देता है। घड़ी ने दस मिनट का फासला तय किया–और एक बच्ची परीक्षा कक्ष के बाहर रह गई। वही दस मिनट उसके जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी बन गए। नियम अपनी जगह अडिग खड़े रहे, पर जीवन चुपचाप फिसल गया। दूसरी ओर, एक परीक्षा केंद्र पर प्रश्नपत्र कम पड़े तो उसी तंत्र ने नियमों को मोड़कर दो पालियों में परीक्षा करा दी। यही विरोधाभास हमारे समय की नंगी सच्चाई है–जहाँ सुविधा हो वहाँ नियम लचीले, और जहाँ करुणा चाहिए वहाँ वे पत्थर बनकर गिरते हैं।

दस मिनट की देरी पर दरवाज़ा बंद कर देना नियम की कठोरता नहीं, संवेदना की विफलता है। परीक्षा का उद्देश्य प्रतिभा की जाँच है, न कि घड़ी की सुइयों की पूजा। यदि चाहा जाता तो कोई व्यावहारिक रास्ता निकाला जा सकता था–जैसा अन्य परिस्थितियों में निकाला भी गया। पर यहाँ नियमों की दीवार ऊँची कर दी गई और मानवीय विवेक को बाहर छोड़ दिया गया। परिणाम केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं रहा, वह एक असहनीय त्रासदी में बदल गया। प्रश्न नियमों के अस्तित्व का नहीं, उनमें जीवित मनुष्यता की उपस्थिति का है। क्या व्यवस्था इतनी यांत्रिक हो चुकी है कि उसे परिस्थितियों की धड़कन सुनाई ही नहीं देती?

इसी क्रम में दूसरी घटना ने तंत्र का दूसरा चेहरा भी दिखाया। जब प्रश्नपत्र कम पड़ गए और व्यवस्था की अपनी भूल उजागर हुई, तो तुरंत समाधान तलाश लिया गया। दो पालियाँ बनीं, प्रतियाँ तैयार हुईं, समय-सारिणी बदली–और परीक्षा पूरी करा दी गई। यहाँ नियमों को मोड़ना संभव था, क्योंकि आवश्यकता थी। यही विरोधाभास सबसे चुभता है–जहाँ सिस्टम की असुविधा हो, वहाँ लचीलापन; जहाँ छात्र की मजबूरी हो, वहाँ कठोरता क्यों? क्या नियम केवल नीचे की ओर सख्त और ऊपर की ओर नरम होते हैं? क्या करुणा का पैमाना भी पद और अधिकार देखकर बदल जाता है?

पर इस पूरी पीड़ा का एक और पक्ष भी है, जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। कोई भी परीक्षा जीवन से बड़ी नहीं होती। अंक केवल भविष्य की दिशा तय करते हैं, अस्तित्व की कीमत नहीं। देर हो जाए तो अगला अवसर मिलता है, अगला प्रयास संभव है, अगला वर्ष भी आता है। पर यदि जीवन का पन्ना ही फाड़ दिया जाए, तो उसे कोई परिणाम फिर नहीं जोड़ सकता। क्षणिक आवेग में उठाया गया चरम कदम समस्या का समाधान नहीं, परिवार के लिए आजीवन घाव बन जाता है। हमें यह समझना और समझाना होगा कि असफलता अंत नहीं, अनुभव है; ठोकर हार नहीं, आगे बढ़ने की तैयारी है।

हमारे समाज ने परीक्षा को उपलब्धि से आगे बढ़ाकर प्रतिष्ठा और पहचान का पैमाना बना दिया है। अंक अब केवल परिणाम नहीं रहे, वे मानो सम्मान का प्रमाणपत्र बन गए हैं। माता-पिता की आकांक्षाएँ, रिश्तेदारों की तुलना और सोशल मीडिया की चकाचौंध–ये सब मिलकर एक कोमल मन पर ऐसा दबाव रचते हैं, जो दिखाई नहीं देता पर भीतर गहराई तक चुभता है। ऐसे माहौल में दस मिनट की देरी महज़ समय का अंतर नहीं रह जाती; वह मानो सपनों के ढह जाने का प्रतीक बन जाती है। यहीं परिवार और विद्यालय की असली भूमिका शुरू होती है। बच्चों को सिखाना होगा कि जीवन की कीमत किसी परिणाम से कहीं अधिक है। परीक्षा एक अवसर है, अस्तित्व का अंतिम सत्य नहीं।

प्रशासन की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। नियम अनुशासन बनाए रखने के लिए होते हैं, पर उनका उद्देश्य मनुष्यों की रक्षा करना है, उन्हें तोड़ना नहीं। यदि कोई नियम ऐसी स्थिति पैदा करे जहाँ जीवन ही संकट में पड़ जाए, तो उसके स्वरूप पर पुनर्विचार अनिवार्य हो जाता है। हर परीक्षा केंद्र पर मानवीय विवेक की एक खिड़की खुली रहनी चाहिए–ऐसी व्यवस्था, जहाँ आपात स्थिति में समाधान खोजा जा सके। जब तकनीकी त्रुटियों पर तत्काल विकल्प संभव हैं, तो कुछ मिनट की देरी पर संवेदना असंभव क्यों प्रतीत होती है? प्रशासनिक दक्षता के साथ संवेदनशीलता भी अनिवार्य प्रशिक्षण का हिस्सा बननी चाहिए।

छात्रों के लिए यह घटना एक चेतावनी भी है और एक सीख भी। समयपालन कोई औपचारिक नियम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व की रीढ़ है; अनुशासन ही वह आधार है जिस पर सफलता की इमारत खड़ी होती है। परीक्षा के दिन तैयारी केवल पाठ्यक्रम की नहीं, परिस्थिति की भी होनी चाहिए–समय से पहुँचना, विकल्प सोचकर चलना, जोखिम से बचना। किंतु यदि कभी चूक हो जाए, तो उसे जीवन की हार का नाम न दें। सच्चा साहस गिरकर फिर खड़े होने में है, न कि एक ठोकर को अंतिम सत्य मान लेने में। असफलता से जूझना परिपक्वता है; क्षणिक आवेग में स्वयं को ही दंडित कर देना नहीं। जीवन एक लंबी दौड़ है–एक मोड़ फिसलन भरा हो सकता है, पर वह पूरी मंज़िल को निगल नहीं सकता।

यह घटना हमें एक कठोर सत्य से रूबरू कराती है–संतुलन ही व्यवस्था और जीवन, दोनों की सबसे बड़ी आवश्यकता है। नियम हों, पर उनमें मानवता की धड़कन भी हो; अनुशासन हो, पर उसके साथ समझ और संवेदना भी। उतना ही जरूरी है कि विद्यार्थी भी क्षणिक आघात को अंतिम फैसला न बनने दें। समाधान किसी एक पक्ष की कठोरता में नहीं, दोनों के सामंजस्य में छिपा है।

विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारण व प्राप्ति में सहायक है सहज योग

प्रतियोगिता वाले इस दौर में बच्चों को जीवन में सफलता हासिल करने के लिए लक्ष्य निर्धारित करना जरूरी है। समाज में ढेरों आकर्षित करने वाली गतिविधियां? हैं, सिनेमा, फैशन, क्लब? ऊपर से मोबाइल गेम्स और जाने क्या क्या। इन सबके बीच एक लक्ष्य को बनाना और उस पर स्वयं को केंद्रित करना बेहद जरुरी है। स्कूल/कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए लक्ष्य निर्धारण एक अनिवार्य पहलू ही है। समय के साथ दुनिया प्रतिस्पर्धी होती जा रही है। ऐसे में शैक्षिक और व्यक्तिगत विकास के लिए छात्रों के पास स्पष्ट दृष्टिकोण होना चाहिए।

लक्ष्य निर्धारित करने से पहले छात्रों को अपनी ताकत, कमजोरियों और रुचियों का आंकलन करना चाहिए। अगर बच्चे खुद के बारे में अच्छे से जान लेंगे तो प्राप्त करने योग्य लक्ष्य निर्धारित कर सकेंगे। कई छात्र इन पहलुओं पर ध्यान नहीं देते और कठिन लक्ष्य बना लेते हैं। इसे पूरा करने में बहुत परेशानियां आती हैं। ऐसे में अपनी स्थितियों की जांच करना जरुरी है और फिर लक्ष्य बनाना। शुरुआत में छोटे-छोटे लक्ष्य ही निर्धारित हो, तो भी अच्छी बात है। समय के साथ प्रतिदिन के लक्ष्य को बढ़ाते जाना भी उचित है। यह आसान तो नहीं पर दृढ संकल्प? से सबकुछ संभव होगा।

सहज योग मेडिटेशन ध्यान की एक ऐसी तकनीक है कि जिससे हमारी नाड़ियां संतुलित होती हैं,चक्र क्रियाशील होते हैं फलस्वरूप हम एकाग्रता से चिंतन कर पाते हैं और ऊर्जावान होने पर हमें स्वयं पर भरोसा होता है, यही आत्मविश्वास हमें लक्ष्य निर्धारण में मदद करता है। ध्यान से हमारे अंदर छोटी मोटी तकलीफ या गलतियों को लेकर हताशा नहीं आती। हमारे अंदर कई गुण स्वयं ही आ जाते हैं जिसमें साक्षी भाव का महत्वपूर्ण गुण भी शामिल है। साक्षी भाव आते ही हम सभी समस्या को देखते भर हैं और समाधान भी पा लेते हैं। यही सहज योग ध्यान का सबसे बडा फायदा है।

हम सभी जानते हैं कि जीवन और लक्ष्य का साथ चोली दामन जैसा है। छात्र को लक्ष्य निर्धारण के उपरांत आगे बढ़ने हेतु जिस दृढ संकल्प की आवश्यकता होती है, वह सहज योग ध्यान पद्धति से आत्म ज्ञान प्राप्त होने पर बेहद आसान हो जाती है। छात्रों में सहज योग प्रस्थापित हो इसके लिए सहज योग ध्यान केंद्रों द्वारा प्रयास सदैव? जारी रहता है। छात्र स्वयं भी आगे आयें और सहज योग अपनायें।

असमानताओं पर प्रहार, समानता का विस्तारः एक सार्थक पुकार

संयुक्त राष्ट द्वारा प्रतिवर्ष 20 फरवरी को मनाया जाने वाला विश्व सामाजिक न्याय दिवस आज के समय में केवल असमानताओं पर प्रहार एवं समानता के विस्तार की एक सार्थक पुकार का अंतरराष्ट्रीय आयोजन ही नहीं, बल्कि वैश्विक चेतना का आह्वान है। वर्ष 2026 में यह दिवस विशेष महत्व ग्रहण कर रहा है, क्योंकि विश्व तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था, तकनीकी संक्रमण, जलवायु संकट, राजनीतिक ध्रूवीकरण और सामाजिक असमानताओं के बीच नई संतुलित व्यवस्था की तलाश में है। इस वर्ष की थीम ÷समावेश को सशक्त बनानाः सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना÷ हमें यह याद दिलाता है कि विकास तभी सार्थक है जब वह समावेशी हो और समावेशन तभी प्रभावी है जब वह न्यायपूर्ण हो। सामाजिक न्याय का अर्थ केवल अवसरों की समानता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक व्यवस्था की स्थापना का आग्रह करता है जिसमें संसाधनों, अधिकारों और गरिमा का निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित हो। जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा की समान उपलब्धता नहीं मिलती, तब तक प्रगति अधूरी है। 2026 की थीम विशेष रूप से उन समुदायों की भागीदारी पर बल देती है जो ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहे हैं-चाहे वे आर्थिक रूप से वंचित हों, सामाजिक रूप से उपेक्षित हों या राजनीतिक रूप से प्रतिनिधित्व से दूर हों। समावेशन का सशक्तिकरण केवल नीतिगत घोषणा नहीं, बल्कि निर्णय-प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता का अधिकार है।

आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई कई रूपों में दिखाई देती है। एक ओर तकनीकी क्रांति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोजगार के नए अवसर सृजित कर रही है, तो दूसरी ओर पारंपरिक श्रम-आधारित रोजगार असुरक्षित होते जा रहे हैं। डिजिटल विभाजन नई सामाजिक दूरी का कारण बन रहा है। ग्रामीण और शहरी, विकसित और विकासशील, पुरुष और महिला, सक्षम और दिव्यांग-इन सबके बीच संसाधनों की असमान पहुंच सामाजिक तनाव को जन्म देती है। ऐसे समय में सामाजिक न्याय का अर्थ है इन अंतरों को पहचानना और उन्हें पाटने के लिए लक्षित, संवेदनशील और पारदर्शी नीतियों का निर्माण करना। सम्मानजनक कार्य की अवधारणा भी सामाजिक न्याय के केंद्र में है। केवल रोजगार उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं, बल्कि ऐसा कार्य-संस्कृति बनाना आवश्यक है जिसमें उचित वेतन, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हो। आर्थिक विकास तभी टिकाऊ हो सकता है जब वह मानव गरिमा के साथ जुड़ा हो। यदि विकास केवल आंकड़ों में सीमित रह जाए और आम नागरिक के जीवन में राहत न ला सके, तो वह विकास नहीं, केवल विस्तार है।

मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र इस युग की अनिवार्यता बन चुका है। कोविड-19 महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि संकट किसी भी समाज को अचानक अस्थिर कर सकता है। बेरोजगारी, स्वास्थ्य संकट और आर्थिक मंदी से निपटने के लिए सामाजिक सुरक्षा जाल का सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है। वृद्धजन, दिव्यांग, महिलाएं, बच्चे और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक-इन सभी के लिए संरक्षित ढांचा ही न्यायपूर्ण समाज की नींव है। भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में सामाजिक न्याय का विचार ऐतिहासिक और संवैधानिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। भारतीय संविधान ने समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों के माध्यम से एक ऐसे समाज की कल्पना की है जहां जाति, धर्म, लिंग या वर्ग के आधार पर भेदभाव न हो। आज भी सामाजिक न्याय का प्रश्न केवल आर्थिक असमानता तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक पूर्वाग्रहों, लैंगिक भेदभाव, क्षेत्रीय असंतुलन और सांस्कृतिक असमानताओं से भी जुड़ा है।

समकालीन भारत में सामाजिक न्याय के संदर्भ में विभिन्न सरकारी योजनाओं और पहलों के माध्यम से वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक और नशा-पीड़ित व्यक्तियों के सशक्तिकरण हेतु अनेक योजनाएं संचालित की गई हैं। सरकार का दृष्टिकोण यह रहा है कि सामाजिक न्याय विभाजन की राजनीति नहीं, बल्कि समावेशन की नीति के माध्यम से स्थापित हो। संतुष्टिकरण बनाम ÷तुष्टिकरण÷ की अवधारणा इसी दिशा में एक वैचारिक संकेत है, जो समाज को जोड़ने की बात करती है। फिर भी चुनौतियां शेष हैं। महंगाई, बेरोजगारी, पर्यावरणीय संकट और बढ़ती जीवन-यापन लागत आम नागरिक के लिए वास्तविक कठिनाइयां उत्पन्न करती हैं। लोकतंत्र का उद्देश्य केवल चुनावी प्रक्रिया तक सीमित नहीं, बल्कि जनसंतोष और जनकल्याण सुनिश्चित करना है। यदि नागरिक स्वयं को असुरक्षित, असमान या उपेक्षित अनुभव करें, तो सामाजिक न्याय का आदर्श खोखला प्रतीत होने लगता है।

आज आवश्यकता है कि सामाजिक न्याय को केवल राजनीतिक नारे के रूप में नहीं, बल्कि नैतिक दायित्व के रूप में देखा जाए। हमने आचरण की पवित्रता एवं पारदर्शिता की बजाय कदाचरण एवं अनैतिकता की कालिमा का लोकतंत्र बना रखा है। ऐसा लगता है कि धनतंत्र एवं सत्तातंत्र ने जनतंत्र को बंदी बना रखा है। हमारी न्याय-व्यवस्था कितनी भी निष्पक्ष, भव्य और प्रभावी हो, फ्रांसिस बेकन ने ठीक कहा था कि 'यह ऐसी न्याय-व्यवस्था है जिसमें एक व्यक्ति की यंत्रणा के लिये दस अपराधी दोषमुक्त और रिहा हो सकते हैं।' रोमन दार्शनिक सिसरो ने कहा था कि 'मनुष्य का कल्याण ही सबसे बड़ा कानून है।' लेकिन हमारे देश के कानून एवं शासन व्यवस्था को देखते हुए ऐसा प्रतीत नहीं होता, आम आदमी सजा का जीवन जीने को विवश है। सामाजिक न्याय के लिए सामाजिक एकता भंग नहीं की जा सकती। शासन और प्रशासन की प्रत्येक नीति का अंतिम लक्ष्य मानव कल्याण होना चाहिए। यदि शक्ति के स्रोत जनहित में प्रयुक्त न हों, तो वे असंतोष और अविश्वास को जन्म देते हैं। विश्व सामाजिक न्याय दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। क्या हमारा लोकतंत्र समानता का लोकतंत्र है या विभेद का? क्या हमारी स्वतंत्रता सबके लिए समान अवसर लेकर आई है या केवल कुछ वर्गों तक सीमित है? क्या हमारी नीतियां पारदर्शिता और नैतिकता पर आधारित हैं या वे जटिलता और असमानता को बढ़ा रही हैं? इन प्रश्नों का उत्तर ईमानदारी से खोजना ही इस दिवस की सार्थकता है।

सामाजिक न्याय केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। जाति, धर्म, वर्ग और लिंग के भेद से ऊपर उठकर यदि नागरिक परस्पर सम्मान और सहयोग की भावना विकसित करें, तो सामाजिक ताने-बाने को सुदृढ़ किया जा सकता है। शिक्षा संस्थान, नागरिक संगठन, धार्मिक और सांस्कृतिक मंच-सभी को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। नई वैश्विक अर्थव्यवस्था में जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा और डिजिटल नवाचार नए अवसर प्रदान कर रहे हैं, वहीं यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि इन अवसरों का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। अन्यथा विकास की गाड़ी कुछ लोगों को आगे ले जाएगी और शेष को पीछे छोड़ देगी। समावेशन का सशक्तिकरण इसी असंतुलन को रोकने का प्रयास है। प्रतिदिन कोई न कोई कारण महंगाई को बढ़ाकर हम सबको और धक्का लगा जाता है और कोई न कोई टैक्स, अधिभार हमारी आय को और संकुचित कर जाता है। जानलेवा प्रदूषण ने लोगों की सांसों को बाधित कर दिया, लेकिन हम किसी सम्यक् समाधान की बजाय नये नियम एवं कानून थोप कर जीवन को अधिक जटिल बना रहे हैं। सामाजिक न्याय व्यवस्था तभी सार्थक है जब आम जनता निष्कंटक एवं समस्यामुक्त समानता का जीवन जी सके। 2026 का यह दिवस हमें यह संदेश देता है कि न्याय और विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग सामाजिक न्याय से होकर ही गुजरता है। यदि समाज का अंतिम व्यक्ति भी सम्मान, सुरक्षा और अवसर के साथ जीवन जी सके, तभी हम कह सकेंगे कि हमने सामाजिक न्याय के आदर्श को साकार किया है। इस तरह सामाजिक न्याय केवल नीति का प्रश्न नहीं, बल्कि चेतना का प्रश्न है। यह हमारे विचारों, व्यवहार और निर्णयों में परिलक्षित होना चाहिए। जब नागरिक और शासन दोनों मिलकर समानता, गरिमा और अवसर की संस्कृति का निर्माण करेंगे, तभी विश्व सामाजिक न्याय दिवस मनाने की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होगी। समावेश को सशक्त बनाकर और असमानताओं की खाई को पाटकर ही हम एक ऐसे समाज की रचना कर सकते हैं जो अधिक न्यायपूर्ण, अधिक मानवीय और अधिक स्थायी हो।

-ललित गर्ग

एआई क्रांति की चुनौतियां

जब एआइ इंपैक्ट समिट के कारण भारत देश-दुनिया के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, तब यह अच्छा नहीं हुआ कि इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के एक्सपो में एक निजी यूनिवर्सिटी ने चीनी रोबोटिक डाग को अपना बताकर प्रस्तुत कर दिया। देश को असहज करने वाली गलगोटिया यूनिवर्सिटी को एक्सपो से बाहर का रास्ता दिखाकर बिल्कुल सही किया गया।

यह स्वाभाविक है कि विदेशी मीडिया माध्यम इस प्रकरण को तूल देने में जुट गए, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि अपने ढंग के विशिष्ट इस वैश्विक सम्मेलन की महत्ता को अनदेखा कर दिया जाए। इतना अवश्य है कि उक्त प्रकरण से भारत सरकार को चेत जाना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि एआइ तकनीक विकसित करने के नाम पर नकल न होने पाए और न ही इस क्षेत्र की कंपनियां विदेशी कंपनियों पर आश्रित होने पाएं।

आज जब दुनिया एआइ क्रांति के मुहाने पर है एवं भारत इस क्षेत्र की तीसरी सबसे सक्षम शक्ति बनने की तैयारी कर रहा है और इसी कारण दुनिया भर की नामी एआइ कंपनियां देश में दिलचस्पी लेने के साथ भारी निवेश भी कर रही हैं, तब फिर सरकार को एआइ क्रांति की चुनौतियों से सावधान रहने के साथ उससे उत्पन्न हो रहे अवसरों को भुनाने के लिए कोई ठोस रूपरेखा बनानी चाहिए।

यह ठीक है कि सरकार की ओर से एआइ के उपयोग और उससे मिलने वाले लाभों के बारे में बताया जा रहा है, लेकिन उसे कैसे, किन क्षेत्रों में और किस सावधानी के साथ अमल में लाना है, इसका खाका बनाने का काम टेक्नोक्रेट को करना चाहिए, ताकि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग से लेकर शासन-प्रशासन में इस तकनीक के उपयोग को लेकर पूरी तरह स्पष्टता रहे।

एआइ क्षेत्र की भारतीय कंपनियों को इस तथ्य से परिचित होना आवश्यक है कि भाषाई एवं सामाजिक विविधता और आर्थिक विषमताओं के कारण उन्हें एआइ टूल्स अलग तरह से विकसित करने होंगे। इस तकनीक का न केवल भारतीयकरण होना चाहिए, बल्कि उसे अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के प्रभुत्व से मुक्त भी होना चाहिए। ऐसा होने पर ही एआइ सर्वजन हिताय और बहुजन सुखाय के मंत्र को सिद्ध कर सकेगी। भारत को इस तकनीक की खपत के केंद्र के रूप में नहीं, बल्कि उसके शोध एवं विकास में आत्मनिर्भर देश के रूप में उभरने का संकल्प लेना होगा। इस संकल्प की सिद्धि संभव है, क्योंकि यूपीआइ संबंधी तकनीक में भारत एक उदाहरण पेश करने में सक्षम साबित हुआ है। एआइ अकल्पनीय संभावनाओं वाली नई तकनीक है, जो निरंतर उन्नत हो रही है, पर उसके दुरुपयोग के खतरे भी हैं।

-सुनील कुमार महला

महान लक्ष्य कठोर परिश्रम, संकल्प और संयम से प्राप्त होते हैं

जहां सफलता की संभावना एकदम कम तथा न्यून हो और सफलता मिल जाए तो भाग्य को श्रेय दिया जाता हैद्य वास्तव में जो सफलता के चरम पर होता है, वह खुद ही जानता है कि भाग्य जैसी कोई चीज नहीं होती हैद्य पर सफल व्यक्ति से जुड़े हुए लोग उसके साहस और श्रम को श्रेय देने के बजाय व्यक्ति के भाग्य पर जोर देने लगते हैंद्य इस दुनिया में दो तरह के लोग होते हैं, जो सफलता को कुछ निश्चित गुणों पर आधारित मानते हैं।असफल व्यक्ति ही भाग्य पर ज्यादा भरोसा करते हैं, असफल होने पर अपने भाग्य को कोसते हैंद्य वस्तुतः भाग्य नाम की कोई चिड़िया होती ही नहीं है। भाग्य साहस और मेहनत की परिणति है। जिसके भीतर साहस और श्रम करने की प्रवृत्ति होती है, वही व्यक्ति सफल होता है। भाग्य उसका सदैव साथ देता है। साहसी व्यक्ति मेहनत से नहीं डरता,चुनौतियां स्वीकार करता है,और निडर होकर हर चुनौती का डटकर मुकाबला करता है। साहसी व्यक्ति कांटों से भरे पथ पर चलने के लिए तत्पर रहता है, डर नामक चीज़ से वह परिचित नहीं होता है। और अपनी मेहनत और साहस के बल पर बड़ी से बड़ी सफलता प्राप्त करता है, वही व्यक्ति भाग्यवान कहलाता है। मशहूर मुक्केबाज मोहम्मद अली उर्फ कैशियस क्ले ने एक महत्वपूर्ण मुक्केबाजी की स्पर्धा जीतकर कहा था,÷ जो व्यक्ति जीवन में ज्यादा खतरे नहीं उठाता वह एक साधारण जिंदगी जीने से ज्यादा कुछ नहीं कर सकता÷ मोहम्मद अली के इस कथन में कई सफलता के तत्व छुपे हुए हैं, यदि आपने अपनी जिंदगी में साहस नहीं दिखाया तो निश्चित तौर पर आप कुछ भी उल्लेखनीय नहीं कर सकते हैं, साहस एक ऐसा माननीय गुण है जो व्यक्ति की सफलता को दुगना कर देता है। साहस और श्रम ही जीवन का पर्याय है, और ऐसे व्यक्ति भीड़ में अलग दिखाई देते हैं। उन्हें ही समाज सफल व्यक्ति एवं भाग्यवान होने की श्रेणी में रखता है। साहसी व्यक्ति के मन में हिचक नहीं होती वह किसी भी निर्णय लेने में कभी किंकर्तव्यविमूढ़ नहीं होता, अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए वह अपने साहस और श्रम पर विश्वास रख आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहता है। नेपोलियन बोनापार्ट के अनुसार भाग्य केवल सक्रिय मस्तिष्क का साथ देता है, इसीलिए मनुष्य को अपना मस्तिक सदैव क्रियाशील व सक्रिय रखना चाहिए, वास्तव में हम जैसे विचार रखते हैं, हम जैसा सोचते हैं, हम वैसे ही बन जाते हैं, जिसने विचारों की ऊर्जा को पहचाना, उसका जीवन सकारात्मक तथा सफलता के कदम चूमता है। अपने लक्ष्य के बारे में सदैव विचार करते रहें एवं उपलब्ध संसाधनों का रोना रोने के बजाय यह सोचना आवश्यक होगा कि हम अपना सर्वोत्तम कैसे दे सकते हैं। ऐसे विचारों और साहस के बहुत बड़े उदाहरण मीराबाई चानू,बजरंग पूनिया और गोल्डन ब्वॉय नीरज चोपड़ा हैं, जो देश के लिए बहुत बड़े उदाहरण हैं। इसके अलावा अन्य भी जिन्होंने ओलंपिक 2020 जापान में देश के लिए खेल में चार और मेडल प्राप्त किया और देश का गौरव बढ़ाया। इन सब को बधाइयों के साथ शुभकामनाएं भी हैं, इनकी मेहनत लगन और साहस को देश के 135 करोड़ आवाम का अभिनंदन तथा वंदन है। थॉमस कूलर के अनुसार बुद्धिमान व्यक्ति अवसर को एक अच्छे भाग्य में बदल देता है। और वही व्यक्ति जो अवसर की तलाश में रहता है, उसे परिवर्तित कर अच्छे परिणाम देकर,अपने परिवार, समाज देश का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज करवाता है। स्वयं को मिले अवसरों को सफलता में बदल डालिए, आपका हर पल बहुत कीमती है, उसे नष्ट ना करें, सफलता को अपनी आदत में शुमार कर लीजिए फिर देखिए दुनिया आपकी, संसार आपका, सफलता आपके द्वार पर होगी। क्या आपने कभी विचार किया की ओलंपिक में गोल्ड मेडलिस्ट अभिनव बिंद्रा और नीरज चोपड़ा की सफलता का राज क्या है, निसंदेह उनके मन में केवल मेहनत परिश्रम और साहस था, उनके दिमाग में डर नाम की कोई चीज नहीं थी। यही उनकी सफलता का बड़ा फलसफा है।

प्राचीन यूनानी कवि वर्जिन में युवाओं को संबोधित करते लिखा था कि ÷भाग्य सदैव साहसी लोगों का साथ देता है÷,ऐसे लोगों का साथ न दीजिए, उनसे मित्रता न कीजिए जो हमेशा अपनी उपलब्ध सुविधा के नाम पर रोना रहता रोते हैं, और अपनी परिस्थितियों से लगातार शिकायत करते हैं, ऐसे लोग सदैव खोजते रहते हैं कि मैं किसी बड़े धनवान व्यक्ति के घर में क्यों पैदा नहीं हुआ, जहां अपार सुख सुविधाएं उपलब्ध है और मैं भी सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करता, पर वह यह नहीं जानता कि बड़े व्यक्ति के बड़े होने के पीछे कितनी मेहनत साहस और ऊर्जा अंतर्निहित है। हमारे शास्त्रों में भी लिखा गया है की लक्ष्मी निष्क्रिय और निठल्ले लोगों का साथ नहीं देती, एवं निष्क्रिय लोगों के पास नहीं जाती है।

अब्राहम लिंकन ने भी कहा कि डर कमजोर दिमाग के निशानी है।, मनुष्य को डर अपने दिमाग से निकाल देना चाहिए, डर के परिणाम स्वरुप ही शंका पैदा होती है, और शंका व्यक्ति के मन में कमजोरी लाती है। डरा हुआ व्यक्ति हमेशा नकारात्मक विचारों वाला होता है और यही नकारात्मक विचार असफलता को जन्म देते हैं, गीता का भी ज्ञान है कि कर्म किए जा फल की इच्छा मत रख ए इंसान, आप स्वयं एक दिन कह उठेंगे भाग्य साहसी व्यक्ति का साथ देता है।

-संजीव ठाकुर

असीमित संभावनाओं वाली मैत्री

मुंबई में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों की जागिंग केवल एक प्रमुख राष्ट्राध्यक्ष की कसरती कवायद न होकर भारत-फ्रांस संबंधों की गतिशीलता का भी प्रतीक रही। इन दो सदाबहार मित्र देशों के रिश्ते निरंतर प्रगाढ़ होते जा रहे हैं। द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' का नया दर्जा दिया जाना ही दर्शाता है कि पेरिस और नई दिल्ली के बीच तालमेल कितना व्यापक और बहुआयामी होता जा रहा है। दोनों देशों के रिश्ते समय की हर कसौटी पर खरे उतरे हैं। इसके पीछे मुख्य कारण है विदेश नीति में रणनीतिक स्वायत्तता को प्राथमिकता देना।

यहां तक कि शीत युद्ध के दौरान जब पश्चिमी देशों ने गुटनिरपेक्ष भारत के प्रति शंकालु रवैया रखते हुए उपेक्षा की नीति अपनाई थी, तब भी फ्रांस नाटो के अन्य सदस्यों के मुकाबले भारत के प्रति सहिष्णुता रखता था, क्योंकि फ्रांस अमेरिका के दबाव में रहकर निर्णय नहीं लेना चाहता था।

भारत द्वारा 1998 में परमाणु परीक्षण के बाद फ्रांस इकलौती पश्चिमी शक्ति थी, जिसने नई दिल्ली पर आर्थिक प्रतिबंध नहीं लगाए थे। इतना ही नहीं, उसने परमाणु ऊर्जा सहयोग में भी कोई कमी भी नहीं आने दी थी।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

विकास का संकल्प : ट्रिपल इंजन से बदलेगी दिल्ली की तस्वीर

वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में दिल्ली के लिए 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि का प्रावधान केवल एक आर्थिक घोषणा नहीं, बल्कि राजधानी के भविष्य की रूपरेखा है। सड़क, रेल परिवहन, मेट्रो विस्तार, जल आपूर्ति, स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रदूषण नियंत्रण और पुलिस व्यवस्था जैसे बुनियादी क्षेत्रों पर विशेष ध्यान यह संकेत देता है कि केंद्र सरकार दिल्ली को एक सुव्यवस्थित, आधुनिक और आदर्श महानगर के रूप में विकसित करना चाहती है। ऐसे समय में जब दिल्ली की भाजपा सरकार अपना एक वर्ष पूर्ण कर रही है, यह स्वाभाविक है कि बीते वर्ष के कामकाज का मूल्यांकन किया जाए और देखा जाए कि तथाकथित ÷ट्रिपल इंजन सरकार÷ का लाभ दिल्लीवासियों को कितना और कैसे मिला है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने कार्यकाल के एक वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की उपलब्धियों और आगामी संकल्पों का उल्लेख करते हुए दावा किया कि उनकी सरकार ने न केवल नई योजनाओं की शुरुआत की, बल्कि पूर्ववर्ती सरकारों की लंबित और अधूरी परियोजनाओं को भी गति दी है। 'दिल्ली लखपति बिटिया योजना', मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, अधूरी पड़ी आधारभूत परियोजनाओं को पूरा करने की पहल, तथा महिलाओं और छात्रों के लिए नई राहतकारी योजनाओं का खाका-ये सब उनके पहले वर्ष के प्रमुख बिंदु रहे। उनका यह भी कहना है कि ट्रिपल इंजन की व्यवस्था-अर्थात केंद्र, राज्य और नगर निकाय में एक ही राजनीतिक नेतृत्व के कारण विकास कार्यों में समन्वय और गति दोनों आई है।

ट्रिपल इंजन सरकार की अवधारणा का सबसे बड़ा लाभ वित्तीय समन्वय के रूप में सामने आया है। दिल्ली सरकार को अब पूंजीगत व्यय के लिए ऋण अपेक्षाकृत कम ब्याज दर पर उपलब्ध हो रहा है। पहले जहां ब्याज दर 13-14 प्रतिशत तक पहुंच जाती थी, वहीं अब लगभग सात प्रतिशत पर ऋण मिलना संभव हुआ है। केंद्र सरकार द्वारा 21 हजार करोड़ रुपये तक की ऋण सीमा निर्धारित किए जाने से आधारभूत ढांचे के विकास में धनाभाव की आशंका कम हुई है। यही नहीं, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन तथा पीएम भीम योजना जैसी केंद्रीय योजनाओं की समयावधि बढ़वाने में भी दिल्ली सरकार को सफलता मिली है। आयुष्मान भारत जैसी जनकल्याणकारी योजना का लाभ अब राजधानी के अधिक से अधिक नागरिकों तक पहुंच रहा है, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा की ठोस गारंटी मिल रही है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के संकेत अवश्य दिखाई दिए हैं। मोहल्ला क्लीनिक मॉडल पर उठे प्रश्नों और अधूरी स्वास्थ्य परियोजनाओं के बीच नई सरकार ने अस्पतालों के आधुनिकीकरण, बेड क्षमता बढ़ाने और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। यदि यह प्रयास निरंतरता से जारी रहा तो दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी के अनुरूप विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकती हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी पारदर्शिता और गुणवत्ता सुधार का दावा किया गया है। पिछले वर्षों में शिक्षा मॉडल को लेकर जहां एक ओर प्रशंसा हुई, वहीं भवनों की गुणवत्ता, संसाधनों के उपयोग और परिणामों पर सवाल भी उठे। नई सरकार के लिए यह चुनौती है कि वह शिक्षा को राजनीतिक विमर्श से ऊपर उठाकर वास्तविक गुणवत्ता सुधार की दिशा में कार्य करे।

परिवहन और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में भी गति लाने का प्रयास हुआ है। मेट्रो नेटवर्क के विस्तार, बस बेड़े के आधुनिकीकरण और सड़कों के सुधार की योजनाएं केंद्र और राज्य के समन्वय से आगे बढ़ रही हैं। दिल्ली मेट्रो पहले से ही राजधानी की जीवनरेखा रही है, अब किराए में राहत या छात्रों के लिए विशेष प्रावधान जैसे कदम यदि लागू होते हैं तो इससे आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा। यातायात जाम की समस्या के समाधान के लिए फ्लाईओवर, अंडरपास और स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली पर ध्यान देना आवश्यक है। एक वर्ष में कुछ परियोजनाओं को गति मिली है, किंतु राजधानी जैसे विशाल महानगर में ठोस परिणामों के लिए निरंतर प्रयास अपेक्षित हैं।

सबसे बड़ी चुनौती पर्यावरण और वायु प्रदूषण की है। बीते दशक में दिल्ली विश्व के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में गिनी जाने लगी। यह केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य का संकट है। मुख्यमंत्री ने वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए ठोस योजनाओं का उल्लेख किया है-जैसे हरित आवरण बढ़ाना, निर्माण कार्यों पर निगरानी, सार्वजनिक परिवहन को प्रोत्साहन और पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय। परंतु यह भी सत्य है कि प्रदूषण जैसी जटिल समस्या का समाधान केवल घोषणाओं से संभव नहीं, इसके लिए कठोर क्रियान्वयन, क्षेत्रीय सहयोग और जनसहभागिता की आवश्यकता होगी। यमुना की सफाई भी दिल्ली की अस्मिता से जुड़ा प्रश्न है। वर्षों से यमुना शुद्धिकरण के नाम पर योजनाएं बनती रहीं, बजट खर्च होता रहा, पर परिणाम संतोषजनक नहीं रहे। वर्तमान सरकार ने यमुना को स्वच्छ और पर्यटन योग्य बनाने का संकल्प दोहराया है। यदि सीवेज प्रबंधन, औद्योगिक अपशिष्ट नियंत्रण और नदी तट के पुनर्विकास की योजनाएं समयबद्ध तरीके से लागू होती हैं, तो यह दिल्ली की छवि को नया आयाम दे सकती हैं। यमुना का पुनर्जीवन केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आर्थिक पुनरुत्थान का भी अवसर है।

महिलाओं और बेटियों के लिए घोषित योजनाएं-जैसे 'लखपति बिटिया योजना'-सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में सकारात्मक कदम मानी जा सकती हैं। यदि इन योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्रों तक पारदर्शिता से पहुंचता है, तो यह परिवारों की आर्थिक सुरक्षा और शिक्षा के अवसरों को बढ़ा सकता है। मुफ्त एलपीजी सिलेंडर जैसी पहल घरेलू अर्थव्यवस्था में राहत देती है, विशेषकर निम्न आय वर्ग के लिए। किंतु इन योजनाओं की सफलता क्रियान्वयन की गुणवत्ता पर निर्भर करेगी। एक वर्ष की अवधि किसी भी सरकार के लिए बहुत बड़ी नहीं होती, विशेषकर तब जब उसे पिछली सरकारों की अधूरी परियोजनाओं और व्यवस्थागत खामियों को भी दुरुस्त करना हो। यह भी सच है कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच विकास का वास्तविक आकलन कठिन हो जाता है।

-धनंजय राजौरा

दिया तले अंधेराः निगम आयुक्त का फरमान विकास प्राधिकरण परिसर में ही बेअसर

पार्किंग स्थल पर पैथोलॉजी व क्लीनिक संचालित, लीज शर्तों और नक्शे का उल्लंघन; पूर्व सीईओ ने की थी सख्ती, अब कार्यवाही पर सवाल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कभी-कभी अति उत्साह में ऐसा फरमान जारी हो जाता है जिसे पूरा करना भी खुद के बस में नहीं होता ऐसा ही कुछ नगर निगम आयुक्त द्वारा एक फरमान पिछले दिनों जारी किया गया जिसमें उन्होंने शहर के जितने भी व्यावसायिक भवन है उन में पार्किंग के स्थान पर व्यावसायिक उपयोग पर कार्रवाई करने के लिए नोटिस जारी किए थे अब उन्हीं का यह फरमान उल्टा पड़ता दिखाई दे रहा है करण यह है की नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार के पास वर्तमान में देवास जिला विकास प्राधिकरण के सीईओ पद का प्रभार भी है और वह अपने फरमान का पालन प्राधिकरण परिसर में ही नहीं कर पा रहे हैं ? हम बात कर रहे हैं चामुंडा कांप्लेक्स परिसर की जहां के पिछले हिस्से में प्राधिकरण के कुछ आवासीय भवन है और इन आवासीय भवन का पिछला हिस्सा चामुंडा कांप्लेक्स के पीछे की तरफ है। यहां पार्किंग होती है लेकिन इस पार्किंग क्षेत्र में इन आवासीय भवन स्वामियों ने अपने भवन के पिछले हिस्से में नक्शे के विपरीत तथा अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन करते हुए शटर लगाकर व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा है(पैथोलॉजी एवं डॉक्टर क्लीनिक) अब ऐसे में निगम आयुक्त का वह फरमान जिस में उन्होंने आवासीय भवन का व्यवसायिक उपयोग तथा पार्किंग के स्थान पर व्यावसायिक उपयोग पर कार्रवाई का फरमान जारी किया था ? ऐसे में अब इस फरमान का क्या होगा क्योंकि यहां तो दिया तले ही अंधेरा नजर आ रहा है । स्थिति यह है कि देवास विकास प्राधिकरण के चामुंडा कांप्लेक्स के पिछले हिस्से में ही खुद निगम आयुक्त एवं प्रभारी प्राधिकरण सीईओ दलीप कुमार कुछ नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब यहां पर ही सब कुछ गड़बड़ चल रहा है तो फिर शहर के उन स्थानों पर जहां पार्किंग स्थल पर व्यावसायिक उपयोग हो रहा है वहां करवाई कैसे होगी ? यह पूरे शहर में चर्चा का विषय है दरअसल चामुंडा कांप्लेक्स परिसर में पिछले हिस्से की तरफ पार्किंग होती आई है लेकिन यहां आवासीय भवन स्वामियों ने पिछले हिस्से में दरवाजा कर लीज डीड की शर्तों का खुला उल्लंघन है नक्शे के विपरीत निर्माण भी कर दिया है और इस स्थान का व्यवसायिक उपयोग किया जा रहा है। अब देखना यह होगा कि फरमान जारी करने वाले नगर निगम आयुक्त एवं वर्तमान में प्राधिकरण के प्रभारी सीईओ समाचार प्रकाशन के बाद क्या कार्यवाई करते हैं।

पूर्व प्राधिकरण सीईओ ने कसी थी नकेल - वर्तमान में तो चामुंडा कांप्लेक्स परिसर मनमानी का शिकार हो रहा है लेकिन एक समय था जब यहां के तत्कालीन प्राधिकरण सीईओ बी एम गुप्ता ने पार्किंग के स्थान पर व्यावसायिक उपयोग करने वाले इन लोगों के खिलाफ नकेल कसने का काम बखूबी किया था। श्री गुप्ता ने न सिर्फ भवन स्वामियों को नोटिस जारी किए थे बल्कि उन्हें चेतावनी देते हुए पिछले हिस्से में प्राधिकरण की बाउंड्री बनाने के निर्देश भी जारी कर दिए थे बताया जाता है कि उस समय भी राजनीति से जुड़े प्रभावित लोगों का सहारा लेते हुए कार्यवाई को टाल दिया गया था। अब क्या इस बार भी प्रभावित लोग उनका सहारा लेकर आवासीय भवन स्वामी कार्रवाई से बच पाएंगे या फिर वर्तमान मैं प्रभारी प्राधिकरण सीईओ कोई ठोस कार्रवाई करेंगे ?

भगवान परशुराम प्राकट्योत्सव समारोह, 24 अप्रैल को वाहन रैली और 26 को निकालेंगे शोभायात्रा

यात्रा संयोजकों का किया मनोनयन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान श्री परशुराम जी के प्राकट्योत्सव कार्यक्रम को लेकर सर्व ब्राह्मण द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। बुधवार को नईसड़क स्थित धर्मशाला में बैठक आयोजित की गई। जिसमें समाजजनों ने विचारविमर्श किया और यात्रा संयोजकों का मनोनयन भी किया। इस वर्ष भगवान परशुराम प्राकट्योत्सव के उपलक्ष्य में 24 अप्रैल को वाहन रैली और 26 अप्रैल को शोभायात्रा निकाली जाएगी।

बैठक का आयोजन सर्व ब्राह्मण समाज अध्यक्ष दिलीप शर्मा के नेतृत्व में किया गया। सर्व ब्राह्मण समाज युवा अध्यक्ष भूपेंद्र शर्मा ने बताया कि बैठक में पिछले वर्ष के आय-व्यय का संपूर्ण ब्यौरा अध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत किया गया। साथ ही सर्व ब्राह्मण समाज शाजापुर के द्वारा पूरे वर्षभर मनाए जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा समाज के वरिष्ठों की उपस्थिति में तैयार की गई। समाज के सभी वरिष्ठों की सहमति से इस वर्ष भगवान श्री परशुराम जी की भव्य शोभायात्रा 26 अप्रैल रविवार को निकालने की निर्णय लिया गया। शोभायात्रा बालवीर हनुमान मंदिर वजीरपुरा से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए पुणे बालवीर हनुमान मंदिर पर ही जिसका समापन होगा और यात्रा समापन के पश्चात समस्त विप्र बंधुओं के लिए महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा। इसके पूर्व दिनांक 24 अप्रैल शुक्रवार के दिन विशाल वाहन यात्रा निकाली जावेगी। जो राज राजेश्वरी मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए भगवान श्री परशुराम मंदिर दुपाड़ा रोड पर समाप्त होगी। वाहन यात्रा के पश्चात भगवान श्री परशुराम जी की महाआरती होगी एवं प्रसाद वितरण होगा।

परशुराम सेना करेगी वाहन यात्रा का नेतृत्व- इस वर्ष वाहन यात्रा श्री परशुराम सेना के नेतृत्व में निकाली जाएगी। एवं भगवान के परशुराम जी की शोभायात्रा के लिए बैठक में पंडित गौरव दुबे, अरूण शर्मा सरपंच बमोरी और अरुण शर्मा ग्राम बरवाल को शोभायात्रा संयोजक नियुक्त किया गया है। सर्व ब्राह्मण समाज अध्यक्ष दिलीप शर्मा ने बताया कि इस वर्ष समाज का रजिस्ट्रेशन करवाया जा चुका है। इसी मौके पर पंडित दिलीप शर्मा को पुनः तीन वर्ष के लिए अध्यक्ष एवं पंडित भूपेंद्र शर्मा को पुनः तीन वर्ष के लिए युवा अध्यक्ष सर्व सम्मति से मनोनीत किया गया।

पं. प्रदीप मिश्रा ने रूद्राक्ष महोत्सव में किया जिले के राहुल पाटीदार का सम्मान

पूरे देश में सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर पाटीदार कर रहे जिले को गौरवान्वित

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम मोरटा के रहने वाले राहुल पाटीदार इन दिनों सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं, जो अपनी एक्टिंग से लोगों को गुदगुदाने के साथ ही समाज सुधार की दिशा में भी रील बनाते हैं। हाल ही में इनकी शार्ट फिल्म भी रीलिज हुई थी, जिसमें इनकी एक्टिंग ने पूरे देश में अपनी पहचान बनाई। हाल ही में सिहोर में हुए रूद्राक्ष महोत्सव में अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

हाल ही में इन्होंने राहुल का स्वयंवर नामक फिल्म भी बनाई थी। जिसमें इनकी साथी कलाकार शिवानी पाटीदार के साथ इनकी जोड़ी को लोगों ने खूब सराहा था। यही वजह थी कि इन्हें लाखों व्यूज और लाईक भी मिले थे। खास बात यह है कि राहुल ने इस फिल्म में विदेशों के बजाए मालवा की सुंदरता को अपनी फिल्म में शामिल किया था और समाज सुधार के लिए अपनी फिल्म में कई ऐसे सीन दिए थे जिसे लोगों ने खूब सराहा था। मोरटा के रहने वाले राहुल पाटीदार ने अपनी कला और बोली से कई लोगों के दिलों में जगह बनाई है।

विधायक ने भी की थी प्रशंसा

राहुल का स्वयंवर नामक फिल्म के प्रमोशन में पधारे विधायक अरूण भीमावद भी इनकी कला के कायल हो गए थे। जिन्होंने मालवी बोली और मालवा की सुंदरता का चयन करने पर इनकी प्रशंसा की थी। फिल्म के प्रमोशन पर आए विधायक ने राहुल पाटीदार की एक्टिंग को भी सराहा था। वहीं उन्होंने राहुल पाटीदार की मूवी भी देखी जिससे वे काफी प्रभावित भी हुए।

पं. प्रदीप मिश्रा ने किया मालवा के छोरे का सम्मान- जिले के मोरटा के रहने वाले राहुल पाटीदार को हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा ने भी सिहोर स्थित कुबरेश्वर धाम में चल रहे रूद्राक्ष वितरण समारोह में राहुल पाटीदार को आमंत्रित किया और स्मृति चिन्ह देकर उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने राहुंल पाटीदार को रूद्राक्ष भेंट कर आशीर्वाद भी प्रदान किया।

प्रधान जिला न्यायाधीश अजय प्रकाश मिश्र ने 14 मार्च शनिवार को आयोजित नेशनल लोक अदालत के संबंध में ली बैठक

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार दिनांक 14 मार्च 2026 शनिवार को आयोजित नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अजय प्रकाश मिश्र ने जिला अभिभाषक संघ देवास में अधिवक्तागणों के साथ बैठक आयोजित की।

बैठक में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अजय प्रकाश मिश्र ने अधिववक्तागणों को संबोधित करते हुए कहा कि नेशनल लोक अदालत में न्यायालय के साथ-साथ अधिवक्तागण का भी विशेष सहयोग एवं भूमिका रहती है कि वह पक्षकारों को नेशनल लोक अदालत में राजीनामा हेतु प्रेरित कर सकते है। साथ ही नेशनल लोक अदालत में अधिकाशतः मामले जैसे:- मोटर दुर्घटना दावा, राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण, धारा 138 चैंक बाउंस, एवं वैवाहिक मामलों में विशेष रूप से राजीनामा की संभावना अधिक रहती है।

बैठक में विशेष न्यायाधीश/प्रभारी नेशनल लोक अदालत, विकास शर्मा, उमाशंकर अग्रवाल प्रथम अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, अभिषेक गौड़ पंचम अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, राजेन्द्र कुमार पाटीदार तृतीय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, उत्तम कुमार डार्बी अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, प्रसन्न सिंह बहरावत चतुर्थ अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, डॉ. रविकांत सोलंकी अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, भारत सिंह कनेल मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, नीलेन्द्र कुमार तिवारी व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, कुंवर युवराज सिंह पंचम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड देवास, श्रीमती निकिता वार्ष्णेय पाण्डे षष्टम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड देवास, प्रियांशु पाण्डे सप्तम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड देवास, सौरभ जैन अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड देवास, श्रीमती चंद्रा पंवार पंचम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड देवास, सुभाष चौधरी जिला विधिक सहायता अधिकारी देवास एवं श्री अशोक वर्मा, अध्यक्ष जिला अभिभाषक संघ देवास सहित अन्य पदाधिकारीगण एवं अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों का निराकरण कराने पर विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों एवं प्रिलिटिगेशन प्रकरणों एवं बैंक रिकवरी के प्रिलिटिगेशन प्रकरणों में संबंधित विभागों द्वारा नियमानुसार विशेष छूट दी जाएगी।

इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश अजय प्रकाश मिश्र ने अधिवक्तागणों से अपील की कि अधिवक्तागण विशेष रूप से रूचि लेकर नेशनल लोक अदालत में पक्षकारों को समझाईश दे कि राजीनामा के आधार पर मामले का शीघ्र और बिना किसी व्यय के निराकरण होता है और पक्षकारों के बीच प्रेम और स्नेह बना रहता है। पिछले वर्ष की तरह ही इस वर्ष की लोक अदालतों में अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण कराया जावे। नेशनल लोक अदालत में सिविल एवं चैक अनादरण से संबंधित प्रकरणों में न्यायशुल्क की राशि की नियमानुसार वापसी होती है जिससे पक्षकारों को अतिरिक्त लाभ होता है। अतः अधिक से अधिक पक्षकार इस अवसर का लाभ उठायें।

गोविंद शर्मा बने विधानसभा अध्यक्ष

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विप्र सेना के प्रदेशाध्यक्ष रोहित नागर ने विप्र सेना के राष्ट्रीय प्रमुख सुनील तिवाड़ी और प्रदेश प्रभारी सुनील शर्मा की अनुशंसा पर नगर के पं. गोविंद शर्मा को विप्र सेना का शाजापुर विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त किया है। पं. शर्मा की नियुक्ति पर ईष्ट मित्रों ने हर्ष व्यक्त कर उन्हें शुभकामनाएं दी है।

जनगणना कार्य में नगरीय क्षेत्रों के लिए नियुक्त चार्ज जनगणना अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनगणना कार्य में नगरीय क्षेत्रों के लिए नियुक्त चार्ज जनगणना अधिकारियों को कलेक्टर कार्यालय में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण नगर निगम आयुक्त श्री दलीप कुमार एवं अपर कलेक्टर श्री संजीव कुमार जैन की उपस्थिति में दिया गया। इस दौरान अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। यह प्रशिक्षण दो दिवसीय दो रहेगा। जनगणना निदेशालय मध्य प्रदेश के उपसंचालक श्री राजेश मौर्य एवं सुश्री सोनिका गर्ग द्वारा जनगणना कार्य के संबंध में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को भारत की जनगणना के संबंध में संक्षिप्त परिचय एवं नीति निर्माण सहित जनगणना के मुख्य बिंदुओं एवं प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया। प्रशिक्षणकर्ता अधिकारियों द्वारा चार्ज जनगणना अधिकारियों को प्रक्रिया में आंकड़ों की सटीकता के महत्व आदि की जानकारी से विस्तार पूर्वक प्रशिक्षित किया गया। उन्होंने प्रशिक्षण में जनगणना के दौरान डेटा संग्रह और उसके जांच की प्रक्रिया की जानकारी दी। प्रशिक्षण में आंकड़ा संग्रहण करने, घर-घर जाकर स्वयं के मोबाइल फोन में एप के माध्यम से जानकारी एकत्रित करना तथा स्वगणना (एसई) पोर्टल के माध्यम से जानकारी का एकत्रीकरण किए जाने के संबंध में भी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में अधिकारियों को मोबाइल एप के उपयोग, मकान सूचीकरण, एचएलबी का लेआउट तैयार करना, एचएलओ एप के माध्यम से डाटा एकत्रित करना सहित पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करने जैसे घटकों की जानकारी दी गई। उन्होंने प्रशिक्षण में बताया कि जनगणना कार्य का प्रथम चरण 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक चलेगा, जिसमें प्रथम चरण के रूप में हाउस लिस्टिंग ऑपरेशंस किया जाएगा। यह कार्य पूर्णतः एचएलओ एप के माध्यम से डिजिटल रूप से संपन्न होगा। प्रशिक्षण में पीपीटी के माध्यम से हाउस लिस्टिंग की प्रक्रिया, एप का उपयोग एवं संबंधित दिशा-निर्देश विस्तार से समझाए गए। इस दौरान बताया गया कि प्रगणक एवं पर्यवेक्षक द्वारा घर-घर दस्तक देकर शासन द्वारा अधिसूचित प्रश्नावली के अनुसार जानकारी एकत्र की जाएगी। प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें आवास की स्थिति, उपलब्ध सुविधाएं, धारित परिसंपत्ति तथा अन्य संबंधित जानकारी शामिल है।

जनगणना कार्य में नगरीय क्षेत्रों के लिए नियुक्त चार्ज जनगणना अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनगणना कार्य में नगरीय क्षेत्रों के लिए नियुक्त चार्ज जनगणना अधिकारियों को कलेक्टर कार्यालय में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार एवं अपर कलेक्टर संजीव कुमार जैन की उपस्थिति में दिया गया। इस दौरान अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। यह प्रशिक्षण दो दिवसीय दो रहेगा।

जनगणना निदेशालय मध्य प्रदेश के उपसंचालक राजेश मौर्य एवं सुश्री सोनिका गर्ग द्वारा जनगणना कार्य के संबंध में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को भारत की जनगणना के संबंध में संक्षिप्त परिचय एवं नीति निर्माण सहित जनगणना के मुख्य बिंदुओं एवं प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया। प्रशिक्षणकर्ता अधिकारियों द्वारा चार्ज जनगणना अधिकारियों को प्रक्रिया में आंकड़ों की सटीकता के महत्व आदि की जानकारी से विस्तार पूर्वक प्रशिक्षित किया गया। उन्होंने प्रशिक्षण में जनगणना के दौरान डेटा संग्रह और उसके जांच की प्रक्रिया की जानकारी दी। प्रशिक्षण में आंकड़ा संग्रहण करने, घर-घर जाकर स्वयं के मोबाइल फोन में एप के माध्यम से जानकारी एकत्रित करना तथा स्वगणना (एसई) पोर्टल के माध्यम से जानकारी का एकत्रीकरण किए जाने के संबंध में भी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में अधिकारियों को मोबाइल एप के उपयोग, मकान सूचीकरण, एचएलबी का लेआउट तैयार करना, एचएलओ एप के माध्यम से डाटा एकत्रित करना सहित पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करने जैसे घटकों की जानकारी दी गई।

उन्होंने प्रशिक्षण में बताया कि जनगणना कार्य का प्रथम चरण 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक चलेगा, जिसमें प्रथम चरण के रूप में हाउस लिस्टिंग ऑपरेशंस किया जाएगा। यह कार्य पूर्णतः एचएलओ एप के माध्यम से डिजिटल रूप से संपन्न होगा। प्रशिक्षण में पीपीटी के माध्यम से हाउस लिस्टिंग की प्रक्रिया, एप का उपयोग एवं संबंधित दिशा-निर्देश विस्तार से समझाए गए।

इस दौरान बताया गया कि प्रगणक एवं पर्यवेक्षक द्वारा घर-घर दस्तक देकर शासन द्वारा अधिसूचित प्रश्नावली के अनुसार जानकारी एकत्र की जाएगी। प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें आवास की स्थिति, उपलब्ध सुविधाएं, धारित परिसंपत्ति तथा अन्य संबंधित जानकारी शामिल है। यह प्रशिक्षण जनगणना कार्य को समयबद्ध, पारदर्शी एवं डिजिटल रूप से संपन्न कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सभी संबंधित अधिकारी/कर्मचारी/प्रशिक्षक पूर्ण निष्ठा एवं सजगता से अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

आबकारी विभाग ने कार्रवाई कर 5 प्रकरण दर्ज किये

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशानुसार जिले में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा निर्माण, विक्रय एवं परिवहन करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में आबकारी विभाग के दल द्वारा वृत्त बागली एवं कन्नौद अंतर्गत पुंजापुरा, पलासी, बोरखलिया, कांटाफोड़ आदि क्षेत्रों में ढाबों एवं संदिग्ध स्थानों पर सर्चिंग कर कार्रवाई की गई। कार्रवाई में 60 पाव देशी मदिरा प्लेन एवं 13 कैन बियर बरामद किया गया। कार्रवाई में कुल 05 प्रकरण मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के तहत दर्ज किए गए है, जप्त सामग्री का मूल्य लगभग 6060 रुपये है। कार्रवाई में आबकारी उप निरीक्षक प्रेम यादव, आबकारी आरक्षक राजेश जोशी, अरविंद एवं गीतेश शामिल थे। उप निरीक्षक प्रेमी यादव ने बताया कि जिले में आबकारी विभाग द्वारा इस प्रकार की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

सांदीपनि में मर्ज होंगे आसपास के इलाकों के स्कूल

रिक्त भवनों में खुलेंगी आंगनवाड़ियां और पंचायत भवन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में शिक्षा की तस्वीर बदलने की तैयारी तेज हो गई है। बेहतर संसाधन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लक्ष्य के साथ स्थापित सांदीपनि स्कूलों को अब विद्यार्थियों से भरने की कवायद शुरू हो गई है।

शिक्षा विभाग ने 55 प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों की मर्ज सूची जारी कर दी है, जिससे आने वाले समय में जिले की स्कूली व्यवस्था में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। जिले में कुल 6 सांदीपनि स्कूल भवन तैयार हो चुके हैं। इनमें अब तक केवल डॉ. भीमराव आंबेडकर सांदीपनि स्कूल में कक्षाएं संचालित हो रही थीं। शेष पांच स्कूलों में निर्माण पूर्ण होने और उद्घाटन के बाद अब कक्षाएं शुरू करने की तैयारी अंतिम चरण में है। विभाग का मानना है कि मर्ज के बाद विद्यार्थियों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं, विषय विशेषज्ञ शिक्षक और समृद्ध शिक्षण वातावरण मिलेगा। हालांकि मर्ज सूची को लेकर विसंगतियां भी सामने आई हैं। एकीकृत माध्यमिक विद्यालय महालक्ष्मी 209 नामांकन, नीमवाड़ी 90 नामांकन, लोंदिया 83 और तेलीवाड़ा 44 में पर्याप्त नामांकन होने के बावजूद इन्हें सूची में शामिल किया है। वहीं 5 किमी दायरे में 20 से कम छात्र संख्या वाले कई स्कूल सूची से बाहर हैं। इससे बेहतर संचालित होने वाले स्कूलों के अस्तित्व पर संकट के हालात बन गए हैं।

रिक्त भवनों में खुलेंगी आंगनवाड़ियां- सांदीपनि स्कूलों को सशक्त बनाने के लिए 7 से 8 किलोमीटर के दायरे में संचालित प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों को मर्ज किया जा रहा है। मर्ज के बाद शहरी क्षेत्र के स्कूल नगर पालिका के पास और ग्रामीण क्षेत्र के स्कूल पंचायत के अधीन रहेंगे। जानकारी के अनुसार खाली होने वाले भवनों का उपयोग किराए के कमरों में संचालित आंगनवाड़ियों के स्थाई भवन के रूप में किया जाएगा।

शिक्षा विभाग का दावा है कि अकोदिया सांदीपनि स्कूल में पहले हुए मर्ज के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। वहां प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों से आए विद्यार्थियों का प्रदर्शन बेहतर हुआ है तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उनका स्तर पहले से काफी सुधरा है।

इन सांदीपनि स्कूलों में यह स्कूल होंगे मर्ज- सरदार वल्लभ भाई पटेल सांदीपनि स्कूल शाजापुर में प्रावि मूलीखेड़ा, एकी.मावि लोंदिया, एकी.मावि महालक्ष्मी, प्रावि पांडूखोरा, मावि मूलीखेड़ा, प्रावि लालपुरा, वि.जा.आ शाजापुर, मा.वि.नीमवाड़ी, वि.जा.आ मावि शाजापुर, प्रावि ज्योतिनगर, प्रावि लक्ष्मीनगर, एकी. तेलीवाड़ा, प्रावि. मगरिया, प्रावि.पुलिस लाईन, प्रावि सोमवारिया, प्रावि मगरिया शहर, एकी. मावि मीरकला, प्रावि मीरकला, उर्दू प्रावि महूपुरा, प्रावि आवास कॉलोनी कांजा मर्ज होगा।

मिहिर भोज सांदीपनि स्कूल सुंदरसी में प्रावि धरमखेड़ा, प्रावि डूंगरापुरा, प्रावि भेरूपुरा, प्रावि हाफाखेड़ा,प्रावि कल्याणपुरा, प्रावि दशहराबर्डी, प्रावि रतनपुरा, प्रावि टांडादेवास, प्रावि जोरापुरा, प्रावि रूपापुरा, प्रावि रंजीतपुरा, एकी.मावि खामखेड़ा, एकी. मुरादुपरा लोंदिया, मावि जोरापुरा, मावि आसेर मर्ज होगा।

महाराणा प्रताप सांदीपनि स्कूल अकोदिया में एकीकृत कन्या मावि अकोदिया, माध्यमिक विद्यालय कोहलिया, एकीकृत मावि चापडिया, एकीकृत मावि फुलेन, प्राथमिक विद्यालय कोहलिया मर्ज होगा।

4. मां शारदा सांदीपनि स्कूल शुजालपुर में मावि निपानिया हिसामुद्दीन, मावि खेड़ीनगर, मावि लसुड़ल्या हेजम, प्रावि कमलिया, प्रावि नान्दासुरा, प्रावि भादाहेड़ी, प्रावि फतेहपुर, प्रावि ताजपुर उकाला, प्रावि छापरा चितोड़ा, प्रावि सटेण्डी मर्ज होगा।

5. राजा भोज सांदीपनि स्कूल पोचानेर में एकीकृत मावि शेरपुरा,एकीकृत मावि बदलपुर, मावि गाडराखेडी, प्रावि गाडराखेड़ी मर्ज होगा।

इनका कहना है- सांदीपनि स्कूलों में जो भी स्कूल मर्ज किए जा रहे हैं। वे बस के क्राइटेरिया अनुसार यानी 7 से 8 किलोमीटर के स्कूल हैं। इसका चयन बस के आधार पर हुआ है, नामांकन नहीं देखे गए। हमारा लक्ष्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चों को प्रवेश देकर ज्यादा से ज्यादा सुविधा उपलब्ध करवाना है।

- राजेंद्र शिप्रे, जिला शिक्षा अधिकारी

डीएलसीसी बैठक सम्पन्न, बैंकिंग एवं शासकीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में आज कलेक्ट्रेट के बेतवा सभाकक्ष में जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डीएलसीसी) एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलआरसी) की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में बैंकिंग गतिविधियों, वित्तीय समावेशन एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में लीड बैंक द्वारा पीपीटी के माध्यम से बैंकिंग एवं शासकीय योजनाओं की अद्यतन जानकारी प्रस्तुत की गई।

बैठक में रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, अग्रणी जिला प्रबंधक, विभिन्न बैंकों के अधिकारी तथा जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, नगरीय निकाय, मत्स्य, पशुपालन, ग्रामीण विकास एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

समीक्षा के दौरान जिपं सीईओ श्री ओपी सनोडिया ने इंडियन ओवरसीज बैंक की सीडी रेश्यो निर्धारित 60 प्रतिशत से कम पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सुधार के निर्देश दिए। साथ ही स्वयं सहायता समूहों को ऋण वितरण की समीक्षा करते हुए जिला पंचायत को निर्देशित किया कि 28 फरवरी तक लंबित खातों में ऋण वितरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि समूहों को स्वरोजगार के अवसर मिल सकें।

उद्यानिकी विभाग द्वारा पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत भेजे गए 299 प्रकरणों की जानकारी देते हुए बताया गया कि इनमें से 39 प्रकरणों में ऋण वितरण किया गया है। उन्होंने विभागों को निर्देश दिए कि वे लक्ष्य के अनुरूप समयसीमा में ऋण वितरण सुनिश्चित करें तथा योजनाओं के लाभ से अधिक से अधिक हितग्राहियों को जोड़ें।

बैठक में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) की प्रगति की समीक्षा करते हुए पाया गया कि विभाग द्वारा बैंक शाखाओं को लक्ष्य के अनुरूप प्रकरण प्रस्तुत नहीं किए गए हैं। इस पर जिपं सीईओ ने निर्देश दिए कि एक सप्ताह के भीतर गुणवत्ता पूर्ण प्रकरण बैंक शाखाओं को भेजे जाएं।

इसी प्रकार उद्यम क्रांति योजना के अंतर्गत बैंकों को भेजे गए 317 प्रकरणों में से 227 स्वीकृत तथा 213 प्रकरणों में ऋण वितरण किया जा चुका है। लक्ष्य के अनुरूप कार्य पूर्ण होने पर संतोष व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की समीक्षा में बताया गया कि कुल 2501 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 1107 स्वीकृत एवं 996 हितग्राहियों को ऋण वितरण किया गया है, जबकि 1374 आवेदन रिजेक्ट किए गए हैं। योजना की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।

पशुपालन विभाग की योजनाओं की समीक्षा दौरान निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों का 28 फरवरी तक निराकरण कर हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए।

बैठक के अंत में लीड बैंक प्रबंधक ने सभी अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए बैंकिंग योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए समन्वय के साथ कार्य करने का आश्वासन दिया।

24 घंटे की अखंड रामायण पारायण का हुआ समापन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम पंचायत मांगलिया के अंतर्गत बखतगढ़ रोड स्थित श्री नवखंड मालवा तपोभूमि मेखालेश्वर धाम बाबा रामदेव मंदिर पर 24 घंटे की अखंड रामायण पारायण का आयोजन संपन्न हुआ। रामायण पाठ की शुरुआत पंडित कुलदीप शर्मा द्वारा मंत्र उपचार के साथ की गई। मंदिर के संत श्री खटपटी नाथ महाराज ने रामायण स्थापना की पूजा कर अखंड रामायण पारायण की शुरुआत की। अखंड रामायण पारायण का लाभ सभी भक्तजनों ने भी लिया। अगले दिन बीज पर दोपहर में सोमेश्वर नवयुवक मंडल राव साहब द्वारा संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया गया। यज्ञ में यजमान भरत प्रजापति बूंदीखेड़ा ने पूर्णआहुति का लाभ लिया। शाम को मंदिर पर भजन संध्या का भी आयोजन हुआ। अंत में रामायण जी की महाआरती कर रामायण पाठ का समापन किया। शाम को मंदिर पर भंडारा भी हुआ जिसमें बड़ी संख्या में आसपास के श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसादी ग्रहण की। रात्रि में देर रात तक भजन कीर्तन भी हुए जिसमें भजन कीर्तनों पर श्रद्धालु जमकर थिरक रहे थे। इस दौरान मंदिर पर दो दिनों तक धर्ममय का वातावरण बना रहा।बाबा रामदेव मंदिर मेंखालेश्वर धाम तपोभूमि पर साल भर में आने वाली बाबा की बीज श्री संत खटपटी नाथ बड़े ही धूमधाम से मनाते हैं। इस महीने की बीज पर बाबा ने 24 घंटे की अखंड रामायण पारायण का आयोजन करवाया।

छिन्दवाड़ा में जिला स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं पालकों का किया गया सम्मान

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन के मुख्य आतिथ्य एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्री जी.एस. बघेल, जिला परियोजना समन्वयक श्री जे.के. इंड़पाची तथा प्राचार्य डाइट श्री एम.के. पाण्डवा की उपस्थिति में आज जिला स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता में कक्षा दूसरी से कक्षा 8वीं तक के विषयवार प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 32 विद्यार्थियों, उनके मार्गदर्शी शिक्षकों एवं पालकों का सम्मान किया गया।

कलेक्टर श्री नारायन के हस्ते छात्रों को ट्रैक सूट, केप, मिल्टन वॉटर बाटल, मिल्टन टिफिन बॉक्स, स्कूल बैग, ज्योमेट्री बॉक्स (कम्पास), प्रशस्ति पत्र, मेडल तथा स्मृति चिन्ह (मोमेंटो) प्रदान किए गए। साथ ही मार्गदर्शी शिक्षकों को भी प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री नारायन ने छात्र-छात्राओं को और अधिक मेहनत करते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिये मार्गदर्शन दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पालकों को बच्चों को खेलकूद के साथ ही अन्य पत्र-पत्रिकाएं एवं प्रेरक कहानी की किताबें पढ़ने के लिये प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए केवल प्रथम स्थान प्राप्त करना ही लक्ष्य नहीं होना चाहिए, बल्कि कौशल आधारित ज्ञान अर्जन भी आवश्यक है। शिक्षकों को प्रेरित करते हुए उन्होंने अंग्रेजी विषय के राज्य स्तरीय ओलंपियाड के लिये व्यापक तैयारियां करने के निर्देश दिए।

एसडीओपी ने होली-रमजान पर शांति की अपील की

सलसलाई थाने में बैठक, बच्चा चोर अफवाहों पर भी चर्चा

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सलसलाई पुलिस थाना परिसर में गुरुवार शाम 6:30 बजे होली, रंग पंचमी और रमजान पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बेरछा के नवागत एसडीओपी डॉ. नागेंद्र प्रताप सिंह ने त्योहारों को शांति और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जबरदस्ती रंग न लगाएं और बिना अनुमति डीजे न बजाएं, जिससे शांति भंग हो सकती है।

बैठक में मुस्लिम समुदाय के लोग रमजान पर्व को देखते हुए कम संख्या में उपस्थित रहे। बिजली विभाग के कर्मचारियों की अनुपस्थिति पर ग्रामीणों ने नाराजगी व्यक्त की। एसडीओपी ने यातायात नियमों का पालन करने पर भी जोर दिया। उन्होंने हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग की सलाह दी और कहा कि बाइक पर दो व्यक्ति होने पर दोनों को हेलमेट पहनना चाहिए।

बैठक के दौरान ग्रामीणों ने बच्चा चोर गिरोह से संबंधित अफवाहों पर सवाल उठाए। एसडीओपी ने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया और क्षेत्र में ऐसी अफवाहें चल रही हैं, लेकिन वास्तव में ऐसी कोई बच्चा चोर टीम सक्रिय नहीं है। उन्होंने ग्रामीणों से ऐसी अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की।

थाना प्रभारी जनक सिंह रावत ने वाहन चलाते समय शराब और मोबाइल के उपयोग से बचने की सलाह दी, क्योंकि इससे दुर्घटनाएं होती हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। बड़ी संख्या में नगर के दोलत सिंह लाईमेन बाबू सिंह मेवाडा निलम फोजी दिपक सेठ आनंद सिंह मेवाडा किशोर नाथ राजगुरु पकच राठौर अमर सिंह मेवाड़ा सहित अनेक ग्रामीण जन बैठक में भाग लिया और पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने का संकल्प लिया।

उन्हेल में बे मौसम बारिश के कारण सैकड़ो बीघा जमीन की फसल बर्बाद

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन जिले के उन्हेल तहसील में देर रात बे मौसम बारिश और ओलावृष्टि से किसानों के खेतों में काफी नुकसान देखा गया है। दरअसल बुधवार देर रात उज्जैन जिले के आसपास के क्षेत्र में मौसम के बदलाव के चलते अचानक तेज बारिश और ओला वृष्टि हुई जिससे खेतों में फसलो को काफी नुकसान देखाई दे रहा हे। रात में अचानक मौसम में बदलाव और तेज बारिश के साथ ओला वृष्टि हुई ,ओलावृष्टि करीब 10 मिनट तक हुई यह ओला वर्षि्ट कुछ देर और हो जाती तो किसानों को बड़ा भारी नुकसान हो जाता। फिलहाल हुए नुकसान को लेकर किसान चिंतित दिखाई दे रहे हैं जिसमें गेहूं ,लहसुन ,आलू, प्याज, चने की फसल मुख्य रूप से प्रभावित हुई है। वही अचानक मौसम के बदलाव ओर बारिश से लोगों के जीवन पर भी असर दिखाई दे रहा है। वही प्रभावित किसानो द्वारा प्रशासन से और शासन से उचित बीमा और राहत राशि की मांग की गई है।

जिला स्तरीय गिल्ली डंडा प्रतियोगिता जनपद पंचायतों की टीमों के चयन के लिये प्रतितियोगिताएँ शुरू

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देशी और पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहित करने तथा युवाओं में खेल भावना का विकास करने के उद्देश्य से जिला पंचायत द्वारा आयोजित की जा रही जिला स्तरीय गिल्ली डंडा प्रतियोगिता के अंतर्गत जनपद पंचायत जबलपुर, पनागर, कुण्डम एवं सिहोरा में जनपद पंचायत की टीमों के चयन हेतु क्लस्टर और जनपद स्तर पर प्रतियोगिताओं के आयोजन का सिलसिला शुरू हो गया है। प्रतियोगिता को लेकर ग्रामीणजनों में काफी उत्साह देखा जा रहा है और बड़ी संख्या में युवा इसमें शामिल हो रहे हैं। जनपद पंचायत जबलपुर के सभी सात सेक्टरों में आज गुरुवार को सेक्टर स्तर पर गिल्ली डंडा प्रतियोगितायें आयोजित की गई। इसमें सत्तर से अधिक टीमों ने भाग लिया। प्रत्येक सेक्टर से एक टीम इस प्रकार कुल सात टीमों का चयन जनपद स्तरीय प्रतियोगिता हेतु किया गया। जनपद स्तरीय प्रतियोगिता 22 फरवरी को आयोजित की जायेगी और जनपद पंचायत की टीम का चयन किया जायेगा, जो जिला स्तरीय गिल्ली डंडा प्रतियोगिता में शामिल होगी।

नापाखेड़ी में पूर्व विधायक दिलीपसिंह शेखावत विशेष रूप से उपस्थित रहे रानू कुंवर सुपुत्री कालूसिंह भाटी के यहां आयोजित शुभ विवाह कार्यक्रम में शामिल हुए

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/दैनिक मालावा हेराल्ड। खाचरोद के ग्राम नापाखेड़ी में आयोजित विवाह समारोह में पूर्व विधायक दिलीपसिंह शेखावत विशेष रूप से उपस्थित रहे वे रानू कुंवर, सुपुत्री कालूसिंह भाटी के यहां आयोजित शुभ विवाह कार्यक्रम में शामिल होकर वर-वधू को आशीर्वाद प्रदान करने पहुंचे पूर्व विधायक शेखावत के आगमन पर ग्रामवासियों एवं समाजजनों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक युवा कार्यकर्ता एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे समारोह में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह संपन्न हुआ और पूरे गांव में उत्सव का माहौल देखने को मिला अपने संबोधन में शेखावत ने कहा कि सामाजिक कार्यक्रम ही समाज की एकता और मजबूती का आधार हैं उन्होंने नवदंपति के सुखद एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं दीं कार्यक्रम के दौरान समाज की एकजुटता और आपसी सौहार्द का संदेश भी देखने को मिला जिससे क्षेत्र में सकारात्मक वातावरण बना हुआ है इस अवसर पर सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शौर्या दीदी द्वारा जिले के शौर्या दलों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया

दतिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किशोर न्याय समिति उच्च न्यायालय जबलपुर के निर्देशानुसार जिले से शौर्या दीदी का नामांकन एनएफएसयू गांधीनगर गुजरात में 05 दिवसीय ट्रेनिंग हेतु किया गया था। जिसमें महिला बाल विकास विभाग एवं पुलिस विभाग से शौर्या दीदी द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। उक्त प्रशिक्षण प्राप्त शौर्या दीदी द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अरविन्द कुमार उपाध्याय के निर्देशन में जिले के शौर्या दल सदस्यों को पुरानी कचहरी दतिया स्थित पोषण क्लब में 01 दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में विभाग की मास्टर ट्रेनर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुश्री विमला योगी, पुलिस विभाग से मास्टर ट्रेनर आरक्षक खुशबू तिवारी, विशेष किशोर पुलिस इकाई दतिया से प्रभारी प्रधान आरक्षक श्री जण्डेल सिंह तोमर एवं विधि सह परिवीक्षा अधिकारी श्री कुश मिश्रा द्वारा शौर्या दल सदस्यों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। मास्टर ट्रेनर शौर्या दीदी सुश्री विमला योगी द्वारा आघात पीड़ित महिलाओं और बच्चों के साथ विश्वास और तालमेल का निर्माण, पीड़ितों के परिवारों द्वारा अनुभव किये जाने वाले मनोवैज्ञानिक संकट के प्रकार और सहायक परामर्श कौशल एवं संकट की स्थिति में परिवार के सदस्यों को परामर्श देना व हिंसा से बचे लोगों में मनोवैज्ञानिक संकट की बुनियादी जाँच रणनीतियाँ विषय पर उपस्थित सदस्यों को जानकारी प्रदान की गयी। मास्टर ट्रेनर शौर्या दीदी सुश्री खुशबू तिवारी द्वारा महिला केन्द्रित अपराधों का परिचय उसमें पुलिस, न्यायपालिका, नागरिक समाज, स्वास्थ्य क्षेत्र, मीडिया एवं सरकार और नीति निर्माताओं की भूमिका के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की, एवं संकट की स्थिति में शासन द्वारा स्थापित कानून एवं योजनाओं का प्रयोग किस प्रकार किया जाये इस विषय पर जानकारी प्रदान की। विशेष किशोर पुलिस इकाई से श्री जण्डेल सिंह तोमर द्वारा संकट की स्थिति में पड़े बच्चों को किस प्रकार शासकीय योजनाओं का लाभ प्रदान कर समाज की मुख्य धारा में किस प्रकार जोड़ा जाये इस विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। विभाग से विधि सह परिवीक्षा अधिकारी श्री कुश मिश्रा द्वारा महिला संबंधी कानूनों एवं योजनाओं की जानकारी उपस्थित सदस्यों को प्रदान की गयी। कार्यक्रम में जिन शौर्या दल सदस्यों ने 26 जनवरी परेड में भाग लिया था उन्हें जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अरविन्द उपाध्याय के द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विभाग से श्री मनीष शर्मा, श्री आमिर खान, श्री शिवम गुप्ता उपस्थित रहे।

छिंदवाड़ा में वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत सामुदायिक वन संसाधन अधिकारों पर समीक्षा बैठक संपन्न

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन की अध्यक्षता में जिला प्रशासन छिंदवाड़ा द्वारा वन अधिकार अधिनियम, 2006 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आज एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विशेष रूप से अधिनियम की धारा 3(1)(झ) के अंतर्गत सामुदायिक वन संसाधन एवं प्रबंधन अधिकारों के प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा की गई।

कलेक्टर श्री नारायन ने निर्देश दिए कि जिन ग्रामों में सामुदायिक वन संसाधन अधिकारों के दावे लंबित हैं, वहां शीघ्रता से दावा प्रक्रिया पूर्ण कर प्रस्तावों को जिला स्तरीय समिति के समक्ष प्रस्तुत किये जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण, संवर्धन और स्थानीय आजीविका से जोड़ने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी दिए। बैठक में डीएफओ पश्चिम श्री साहिल गर्ग, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री सतेंद्र सिंह मरकाम, क्षेत्र संयोजक श्री मनीष बोरकर, श्रीमती प्रियंका सैंयाम (जनजातीय कार्य विभाग) तथा अशासकीय सदस्य श्री चंपालाल कुरचे एवं श्री नवीन मरकाम उपस्थित थे। बैठक के अंत में कलेक्टर श्री नारायन ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि वन अधिकार अधिनियम, 2006 के प्रावधानों का लाभ वास्तविक पात्र समुदायों तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जा सके।

होली, रंगपंचमी, रामनवमी, ईद आदि पर्व शांति एवं सद्भावनापूर्वक मनाये जाने की दृष्टि से शांति समिति की बैठक सम्पन्न

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में होली, रंगपंचमी, नवरात्र, रामनवमी, हनुमान जयंती, रमजान, ईद आदि पर्व शांति एवं सद्भावनापूर्वक मनाये जाने की दृष्टि से विचार-विमर्श के लिये कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन की अध्यक्षता में आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में शांति समिति की बैठक सम्पन्न हुई । बैठक में समिति के सदस्यों से आगामी पर्वों के दौरान की जाने वाली व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा की गई और सुझाव लेते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये । इस संबंध में शांति समिति और जिला प्रशासन द्वारा जिले के नागरिकों से सभी त्यौहारों को शांति, सद्भावना और सौहार्द्र के साथ मनाये जाने की अपील भी की गई । बैठक में समिति के सभी अशासकीय सदस्य, पुलिस अधीक्षक श्री अजय कुमार पांडेय, अपर कलेक्टर श्री धीरेन्द्र सिंह, एएसपी श्री आकाश खरे, एसडीएम श्री सुधीर जैन, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर, अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों सहित समिति के सभी शासकीय सदस्य उपस्थित थे।

होली पर्व के लिए विशेष निर्देश- बैठक में एडीएम श्री धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि आगामी 02 मार्च को होलिका दहन और 03 मार्च को रंग उत्सव (धुरेंडी) तथा 08 मार्च को रंग पंचमी मनाने की जानकारी दी । प्रशासन ने नागरिकों से अपील की कि होलिका दहन के दौरान मुख्य सड़कों और बिजली के तारों के नीचे होलिका जलाने से बचें। हरे-भरे पेड़ों की कटाई न करें और सांकेतिक होलिका दहन को प्राथमिकता दें। ध्वनि विस्तारक यंत्रों का अनधिकृत उपयोग और जबरन चंदा वसूली पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। ईद-उल-फितर पर्व की जानकारी देते हुए एडीएम श्री सिंह ने बताया कि ईद-उल-फितर का पर्व 21 मार्च 2026 को मनाया जाएगा।

बैठक में कलेक्टर श्री नारायन ने कहा कि छिंदवाड़ा जिले में किसी भी त्यौहार को शांति और सद्भावनापूर्ण ढंग से मनाये जाने की बहुत अच्छी परंपरा है तथा इस जिले में समाज के सभी वर्गों के लोग मिलजुलकर सहयोग करते हैं और किसी भी समस्या के निदान के लिये सदैव तत्पर भी रहते हैं जो अनुकरणीय है । उन्होंने कहा कि सभी त्यौहार मिलजुलकर आपसी सद्भाव और सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में अच्छे से मनायें। शांति समिति के सदस्य होने के नाते अपने समाज के लोगों विशेषकर युवाओं को शांतिपूर्ण ढंग से त्यौहार मनाने के लिये प्रेरित करें और यदि युवा वर्ग अति उत्साह में गलत कदम उठाये तो उन्हें रोके । उन्होंने कहा कि त्यौहारों के दौरान पेयजल, साफ-सफाई, यातायात, पुलिस आदि की व्यवस्था के साथ ही जिला चिकित्सालय में मरीजों के आकस्मिक उपचार की समुचित व्यवस्था रहेगी ।

जिला चिकित्सालय में 'आंचल कक्ष' स्थापित, माताओं को मिलेगा सुरक्षित और गोपनीय स्तनपान का वातावरण

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की पहल पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने हेतु जिला चिकित्सालय विदिशा में 'आंचल कक्ष' की स्थापना की गई है। इस कक्ष का उद्देश्य अस्पताल में आने वाली माताओं को अपने शिशुओं को स्तनपान कराने के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और गोपनीय वातावरण उपलब्ध कराना है।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार स्थापित किया गया- आंचल कक्ष में विभाग के माध्यम से माताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आरामदायक बैठने की व्यवस्था, स्वच्छता और अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि महिलाएं बिना किसी असुविधा के अपने शिशुओं को स्तनपान करा सकें और उनकी देखभाल कर सकें।

जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीता लोढ़ा ने बताया कि 'आंचल कक्ष' की स्थापना से अस्पताल में आने वाली महिलाओं को स्तनपान कराने में अत्यंत सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि कई बार सार्वजनिक स्थानों पर उपयुक्त व्यवस्था नहीं होने के कारण महिलाओं को असहजता का सामना करना पड़ता है, लेकिन अब इस विशेष कक्ष के माध्यम से उन्हें सम्मानजनक और सुरक्षित वातावरण मिल सकेगा।

उन्होंने बताया कि यह पहल शिशुओं के लिए अत्यंत लाभकारी है, क्योंकि स्तनपान से बच्चों को आवश्यक पोषण और रोग प्रतिरोधक क्षमता मिलती है। साथ ही यह व्यवस्था मातृ स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होगी। विभाग का यह नवाचार महिला सशक्तिकरण, शिशु पोषण और स्वास्थ्य संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे जिले में मातृ-शिशु कल्याण सेवाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी तथा अस्पताल में आने वाली महिलाओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेगी।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि साझेदारी फर्म एम/एस नीलकंठ क्रशर, पंजीकरण संख्या 07/34/05/0003/25. के भागीदारों द्वारा निष्पादित पूरक साझेदारी विलेख दिनांक 17/02/2026 के अनुसार फर्म का पुनर्गठन किया गया है।

उक्त विलेख के अनुसार श्री जगदीश धाकड़ एवं श्री शम्भुलाल धाकड़ दिनांक 17/02/2026 से फर्म से सेवानिवृत्त हो चुके हैं तथा फर्म के व्यवसाय, संपत्तियों व देनदारियों में उनका कोई अधिकार या दावा शेष नहीं है।

यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उक्त से कोई आपत्ति हो तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के भीतर लिखित रूप में फर्म के पते पर सूचित करे। निर्धारित अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर भविष्य में कोई दावा मान्य नहीं होगा।

फर्म के लिए
M/s नीलकंठ क्रशर
SURVEY NO. 1248, 1249, VILLAGE
FUNSARIYA, सिंगौली, नीमच, 458228

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन श्री अनुराग जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के पालन प्रतिवेदन की विस्तृत समीक्षा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई। वीडियो कॉन्फ्रेंस में राज्य शासन द्वारा निर्धारित प्राथमिकताओं तथा पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की जिलेवार समीक्षा की गई।

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना के अंतर्गत विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने, एकल नल-जल योजनाओं का क्रियान्वयन कर समारोहपूर्वक हस्तांतरण करने तथा संचालन हेतु ग्राम पंचायतों को सक्षम बनाने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही लखपति दीदी योजना के तहत बैंक ऋण वितरण के लक्ष्यों की पूर्ति तथा वन अधिकार अधिनियम अंतर्गत निरस्त दावों का पुनः परीक्षण अभियान स्वरूप में करने के निर्देश दिए गए।

शिक्षा (स्कूल शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, जनजातीय कार्य) विभाग की समीक्षा करते हुए नवीन सत्र में नामांकन वृद्धि एवं ड्रॉपआउट में कमी हेतु ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए। कक्षा 1 में प्रवेश की तैयारी, 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों का आंगनवाड़ी अथवा प्री-प्राइमरी में प्रवेश सुनिश्चित करने तथा आंगनवाड़ी केंद्रों के निकटस्थ कक्षा 1 वाली शासकीय शालाओं में कोलोकेशन की कार्ययोजना की समीक्षा की गई।

साथ ही प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार 8 मार्च 2026 तक सभी स्कूलों में क्रियाशील बालिका शौचालय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। रोजगार, उद्योग एवं निवेश (औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, कुटीर एवं ग्रामोद्योग, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास) के अंतर्गत केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं में प्रदर्शन आधारित जिलों की वरीयता, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना अंतर्गत ऋण प्रकरणों की प्रगति, एक जिला एक उत्पाद योजना तथा जिला व्यापार सुधार कार्य योजना पर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

सुशासन (राजस्व, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामान्य प्रशासन, लोक सेवा प्रबंधन) की समीक्षा में मुख्य सचिव ने कृषि कल्याण वर्ष एवं संकल्प से समाधान अभियान को शासन की प्राथमिकता बताते हुए इनके सफल क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण समयसीमा से बाहर न जाएं, लंबित आवेदनों की नियमित समीक्षा हो तथा द्वतह्ङ्ग पोर्टल पर सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए।

इसके अतिरिक्त संवेदनशील बस्तियों का जोनल प्लान तैयार करने, इमरजेंसी व्हीकल के सुगम आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करने, NCORD की जिला स्तरीय समिति की नियमित बैठकें आयोजित करने, अनुसूचित जाति एवं जनजाति एक्ट के प्रकरणों में राहत राशि का समय पर भुगतान, जिला सड़क सुरक्षा समिति द्वारा ब्लैक स्पॉट सुधार, तीन नवीन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन, साइबर क्राइम नियंत्रण तथा शस्त्र लाइसेंस आवेदनों को डिजिटल पोर्टल के माध्यम से करने के निर्देश दिए गए।

वीडियो कॉन्फ्रेंस में कलेक्टर नेहा मीना, पुलिस अधीक्षक डॉ. शिवदयाल सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्रसिंह चौहान, अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी, सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

एनआरसी में 14 दिन भर्ती रहकर पूरी तरह स्वस्थ हुआ मयंक

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। हरसूद विकासखण्ड के ग्राम देवलामाफी निवासी श्री महेश व उनकी पत्नी मनीषा का 5 माह का पुत्र मयंक हिर्शस्प्रंग रोग से ग्रसित था। जिस कारण जन्म से ही बच्चे की बड़ी आंत के निचले हिस्से में तंत्रिका कोशिकाएं नहीं होने से मल त्याग में गंभीर रूकावट आती थी। आयुष्मान भारत योजना के तहत इसी वर्ष जनवरी माह में मयंक का ऑपरेशन इंदौर के महात्मा गाँधी मेमोरियल सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल मे हुआ। सर्जरी के बाद मयंक का वजन कम हो गया। जिस पर गांव की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने मयंक को पोषण पुनर्वास केंद्र हरसूद में भर्ती करने की सलाह उसके पिता महेश को दी। मयंक को 2 फरवरी 2026 को पोषण पुनर्वास केंद्र हरसूद में भर्ती किया गया, जहाँ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. गगन दिलावरे ने उसकी स्वास्थ्य जांच कर उपचार शुरू किया। एनआरसी में भर्ती के समय मयंक का वजन 3.820 किग्रा और ऊँचाई 61 से.मी. थी। जो कुपोषण की बेहद गंभीर दशा को दर्शाती है।

पोषण पुनर्वास केन्द्र में चिकित्सक व स्टॉफ ने मयंक की नियमित रुप से देखभाल कर उपचार किया। मयंक की माँ मनीषा को कम दूध आने के कारण मयंक को पर्याप्त दूध नहीं मिल पा रहा था, इसलिए पोषक प्रशिक्षिका ने मनीषा को स्तनपान के सही तरीके के बारे में बताया और घर पर ही उपलब्ध खाद्य पदार्थों से पोषण आहार तैयार करने की विधि भी बताई। एनआरसी में 14 दिन भर्ती रहकर मयंक अब पूरी तरह स्वस्थ हो गया है तथा इन 14 दिनों में उसका वजन लगभग 1 किलो बढ़कर 4.740 किग्रा हो गया है। मयंक के पिता महेश ने बताया कि पोषण पुनर्वास केन्द्र में हमारे बेटे को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं मिली तथा उपचार के साथ साथ भोजन भी निःशुल्क मिला, इसके लिए वह अस्पताल स्टाफ का आभार प्रकट करता है। मयंक की माता मनीषा ने बताया कि एनआरसी से डिस्चार्ज करते समय उसे 14 दिन की मजदूरी का भुगतान भी किया गया।

संकल्प से समाधान अभियान में 62 हजार से अधिक आवेदनों का निराकरण

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में संकल्प से समाधान अभियान चलाया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा अभियान के माध्यम से जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। लंबित प्रकरणों के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। इस अभियान के अंतर्गत 19 फरवरी 2026 तक विभिन्न विभागों में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की प्रगति रिपोर्ट के अनुसार अभियान के तहत कुल 67,301 आवेदन दर्ज हुए, जिनमें से 62,317 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है, जबकि 4,984 प्रकरण लंबित हैं।

सबसे अधिक आवेदन सहकारिता विभाग में किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत प्राप्त हुए, जहां 23,263 में से 23,233 प्रकरणों का निराकरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 9,094 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 8,873 का निराकरण किया जा चुका है। इसी प्रकार राजस्व विभाग में चालू खसरा खतौनी की प्रतिलिपि के 6,297 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 4,728 का निराकरण हुआ। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भवन निर्माण अनुमति के 6,110 आवेदनों में से 5,977 प्रकरणों का समाधान किया गया।

अभियान के तहत नगरीय विकास विभाग में नो ड्यूज प्रमाण पत्र के 2,560 में से 2,552 आवेदन निराकृत किए गए। इसके अलावा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के 424 में से 288 तथा लाडली लक्ष्मी योजना के 311 में से 214 प्रकरणों का निराकरण किया गया। सामाजिक न्याय विभाग में विभिन्न पेंशन योजनाओं के अंतर्गत हजारों आवेदनों का समाधान किया गया। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आय, निवास एवं जाति प्रमाण पत्रों के अधिकांश प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया गया है। इस अभियान के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है तथा लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए हैं।

ब्लॉकवार निराकरण की स्थिति- अभियान के तहत आष्टा (ग्रामीण) में 25,069 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 25,068 का निराकरण हो चुका है। भैरूंदा में 7,644 आवेदनों में से 7,061 का निराकरण हुआ, जबकि 583 प्रकरण लंबित हैं। बुधनी (ग्रामीण) में 7,575 आवेदनों में से 5,403 का निराकरण किया गया, 2,172 लंबित हैं। सीहोर (ग्रामीण) में 7,039 में से 5,925 प्रकरणों का निराकरण हुआ। इछावर (ग्रामीण) में 6,199 में से 5,827 प्रकरणों का समाधान किया गया।

आबकारी विभाग ने राणापुर में 1.67 लाख रुपये से अधिक की अवैध मदिरा जब्त की

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अवैध मदिरा के संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय पर प्रभावी रोकथाम हेतु कलेक्टर झाबुआ नेहा मीना एवं उपायुक्त संभागीय उड़नदस्ता इंदौर श्री संजय तिवारी द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में आबकारी विभाग द्वारा सतत कार्यवाही की जा रही है।

इसी क्रम में जिला आबकारी अधिकारी बसंती भूरिया के निर्देशन में 18 फरवरी 2026 को मुखबिर की सूचना पर आबकारी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा आबकारी वृत्त झाबुआ 'ब' के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 12, जवाहर मार्ग राणापुर स्थित दीपेश पिता अशोक राठौड़ के रिहायशी मकान की विधिवत तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान मौके से कुल 20 पेटी अवैध अंग्रेजी मदिरा, जिसमें गोवा व्हिस्की 07 पेटी, रॉयल स्टेग व्हिस्की 05 पेटी, लंदन प्राइड व्हिस्की 05 पेटी, बैगपाइपर व्हिस्की 02 पेटी तथा माउंट 6000 बीयर 01 पेटी शामिल है, कुल 178.68 बल्क लीटर मदिरा विधिवत जब्त कर आबकारी अमले द्वारा कब्जे में ली गई। जप्त मदिरा का अनुमानित बाजार मूल्य 1,67,080/- है।

उक्त प्रकरण में आरोपी दीपेश पिता अशोक राठौड़ के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 (संशोधित अधिनियम 2000) की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर उसे मौके से गिरफ्तार किया गया। संपूर्ण कार्यवाही नवीन वैधानिक प्रावधानों के तहत वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी के साथ की गई तथा प्रकरण विवेचना में लिया गया है।

यह कार्यवाही सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री महादेव सोलंकी के मार्गदर्शन में आबकारी उपनिरीक्षक विकास वर्मा द्वारा की गई। कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक श्री अकलेश सोलंकी सहित श्री मदन राठौड़, श्रीराम शर्मा, श्री सोहन नायक, श्री पवन गाडरिया, श्री विजय चौहान, श्री प्रकाश भाबोर, श्रीमती पुष्पा बारिया एवं वाहन चालक बहादुर व दीपक का उल्लेखनीय योगदान रहा। जिले में अवैध मदिरा के विक्रय एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

जिले में पशुपालन को बढ़ावा देने एवं दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए किये जाये सतत् प्रयास-कलेक्टर

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। पशुपालन ने केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार है, बल्कि किसानों की आय वृद्धि करने का भी सशक्त माध्यम है। अतः राज्य शासन की मंशा के अनुरूप जिले में पशुपालन को बढ़ावा देने एवं दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु सतत् प्रयास किये जाये। उक्त निर्देश कलेक्टर श्रीमति जयति सिंह ने गुरूवार को कलेक्टर कार्यालय बड़वानी के सभागृह में आयोजित पशुपालन विभाग के कार्यो एवं योजनाओं की समीक्षा के दौरान दिये। बैठक में कलेक्टर ने क्षीरधारा ग्राम योजना के प्रथम चरण अंतर्गत सर्वे पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना के अंतर्गत बैंक स्तर पर लंबित प्रकरणों का समन्वय कर शीघ्र निराकृत करवाने के निर्देश दिये ताकि पशुपालक उन्नत नस्ल के दुधारू पशु खरीद सके। मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना के तहत गौशालाओं का सुदृढ़ीकरण एवं पशु आहार की व्यवस्था पर विशेष जोर दिया जाये। साथ ही पशुओ में होने वाली बीमारियों फुट एण्ड माउथ डिसीज की रोकथाम एवं शत प्रतिशत टीकारण सुनिश्चित कियाज ेयं केसीसी उन्नत नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान को लेकर भी बैठक में निर्देशित किया गया।

भगोरिया पर्व के मद्देनजर पेटलावद एवं थांदला में स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भगोरिया पर्व को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशन में विकास खंड पेटलावद एवं थांदला में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में आगामी 7 दिवस में सर्वे कर शत-प्रतिशत एएनसी पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रत्येक भगोरिया मेले में स्वास्थ्य विभाग का एक स्टॉल अनिवार्य रूप से लगाने हेतु कहा गया। पलायन गए अटीकाकृत बच्चों एवं माताओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया।

कलेक्टर के निर्देशानुसार प्रत्येक केंद्र पर गर्भवती महिलाओं की सूची ड्यू डेट (एएनसी एवं डिलीवरी) सहित चस्पा करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में गर्भवती महिलाओं का पंजीयन, प्रथम त्रैमास में प्राथमिकता के आधार पर एएनसी पंजीयन, हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं का चिन्हांकन एवं उपचार, 4 एएनसी जांच, नवजात बच्चों की गृह भेंट , गर्भवती महिलाओं की ई-केवाईसी एवं डीबीटी की समीक्षा, एनसीडी स्क्रीनिंग एवं उपचार तथा राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

महिला बाल विकास विभाग अंतर्गत लाड़ली लक्ष्मी योजना एवं मातृत्व वंदना योजना की भी समीक्षा की गई। चिन्हित SAM, MAM एवं SUW बच्चों का संपर्क ऐप में MMBASK अंतर्गत शत-प्रतिशत दर्ज कर उनके उपचार एवं पोषण प्रबंधन सुनिश्चित करने तथा कुपोषित बच्चों को एनआरसी में भर्ती कराने की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. बघेल, डीपीएम श्री आर.आर. खन्ना, सीबीएमओ पेटलावद डॉ. एम.एल. चोपड़ा, सीबीएमओ डॉ. बी.एस. डावर, सीडीपीओ थांदला श्री बालू सिंह सस्तेया, बीपीएम पेटलावद सुश्री मीना भूरिया, बीपीएम थांदला श्री जान खराड़ी सहित स्वास्थ्य विभाग के सेक्टर सुपरवाइजर, सीएचओ, एएनएम, आशा सहयोगिनी, आशा कार्यकर्ता एवं महिला बाल विकास विभाग के सेक्टर सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

बोरवेल एवं दुर्घटना बचाव तकनीक पर एकदिवसीय आपदा प्रबंधन कार्यशाला आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डीआरपी लाइन झाबुआ स्थित सामुदायिक भवन में राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशानुसार ÷बोरवेल तथा अन्य दुर्घटना बचाव तकनीक÷ विषय पर एक दिवसीय आपदा प्रबंधन क्षमता वृद्धि कार्यशाला का आयोजन जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण झाबुआ द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एसडीएम झाबुआ श्री भास्कर गाचले द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट श्री शशिधर पिल्लई ने स्वागत भाषण देते हुए कार्यशाला की रूपरेखा एवं उद्देश्य की जानकारी दी। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि एसडीएम झाबुआ श्री भास्कर गाचले ने इस प्रकार की कार्यशालाओं को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि आपदा की स्थिति में त्वरित एवं तकनीकी रूप से सक्षम बचाव कार्य अत्यंत आवश्यक होता है, जिसके लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रशिक्षण सत्र डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट श्री शशिधर पिल्लई, प्लाटून कमांडर आलीराजपुर श्री राजकुमार कटारे एवं पीएचई विभाग के इंजीनियर श्री प्रीतम डाबर द्वारा प्रदान किया गया। कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को बोरवेल रेस्क्यू सहित विभिन्न आपदा परिस्थितियों में प्रभावी बचाव तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में प्रतिभागियों के रूप में राजस्व, पंचायत विभाग, पीडब्ल्यूडी एवं पीएचई विभाग के इंजीनियर, नगर पालिका के कर्मचारी, पुलिस, होमगार्ड, सिविल डिफेंस तथा एसडीआरएफ के जवान उपस्थित रहे।

दस्तक अभियान का द्वितीय चरण 19 मार्च तक, स्वास्थ्य एवं महिला-बाल विकास विभाग मिलकर करेंगे सर्वे और जांच

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। बच्चों के स्वास्थ्य संरक्षण और टीकाकरण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से वर्ष 2025-26 के लिए संचालित दस्तक अभियान के द्वितीय चरण का आयोजन 17 फरवरी शुरू हुआ है जो 19 मार्च 2026 तक क्रियान्वित किया जाएगा। इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के मैदानी अमले द्वारा संयुक्त रूप से घर-घर सर्वे और स्वास्थ्य जांच की जाएगी।

जारी निर्देशों के अनुसार अभियान के दौरान 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों की पहचान कर उनका सत्यापन किया जाएगा तथा प्रथम चरण में चिन्हित 6 माह से 5 वर्ष तक के चिन्हित एनीमिक बच्चों की फॉलोअप जांच और प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा। अभियान का समग्र पर्यवेक्षण मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा किया जाएगा, जबकि जिला टीकाकरण अधिकारी और महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे।

अभियान के सफल संचालन के लिए जिला, विकासखंड और मैदानी स्तर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों के दायित्व निर्धारित किए गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा अभियान की कार्ययोजना तैयार कर मैदानी अमले को प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा आवश्यक दवाओं, उपकरणों और सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही अभियान की नियमित समीक्षा और रिपोर्टिंग भी की जाएगी।

वहीं जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से सर्वे, चिन्हांकन और अनुवर्ती कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाएगी तथा अभियान की सतत मॉनिटरिंग की जाएगी। जिला टीकाकरण अधिकारी द्वारा नियमित टीकाकरण सत्रों की जानकारी, ड्यू-लिस्ट की उपलब्धता और ऑनलाइन रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जाएगी।

इस अभियान के माध्यम से प्रदेश में बच्चों में एनीमिया, कुपोषण एवं अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की समय पर पहचान कर उनका उपचार सुनिश्चित किया जाएगा।

विकासखंड स्तर पर अधिकारियों की जिम्मेदारियां तय ,माइक्रोप्लान और मॉनिटरिंग पर रहेगा विशेष जोर बच्चों के स्वास्थ्य संरक्षण के उद्देश्य से संचालित दस्तक अभियान के द्वितीय चरण के तहत विकासखंड स्तर पर अधिकारियों की जिम्मेदारियां निर्धारित कर दी गई हैं। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विकासखंड चिकित्सा अधिकारी एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारियों को संयुक्त रूप से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

जारी निर्देशों के अनुसार विकासखंड चिकित्सा अधिकारी द्वारा अभियान का गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा तथा इसके लिए उपस्वास्थ्य केन्द्रवार और सेक्टरवार सूक्ष्म कार्ययोजना (माइक्रोप्लान) तैयार कर उसका क्रियान्वयन कराया जाएगा। साथ ही नियमित टीकाकरण सत्रों के अद्यतन और नवजात बच्चों के डिजिटलाइजेशन की कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी।

अभियान के दौरान मैदानी अमले को आवश्यक दवाइयों और सामग्री जैसे विटामिन 'ए', आयरन फोलिक एसिड सिरप, हीमोग्लोबिनोमीटर स्ट्रिप, एनीमिया फॉलोअप सूची और रिपोर्टिंग प्रपत्र की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा एएनएम, आशा सहयोगिनी और आशा कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण और उनके माध्यम से अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाएगा।

वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी द्वारा विकासखंड चिकित्सा अधिकारी के साथ मिलकर संयुक्त रणनीति तैयार की जाएगी तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और सुपरवाइजरों को अभियान के संबंध में प्रशिक्षित किया जाएगा। यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पोषण ट्रैकर में विटामिन ए और आयरन फोलिक एसिड (आईएफए) की जानकारी दर्ज करें। इसके साथ ही अभियान की नियमित समीक्षा, दस्तक मॉनिटरिंग टूल के माध्यम से प्रगति की निगरानी, कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करना और आवश्यकतानुसार सुधारात्मक कार्रवाई करना भी अधिकारियों की जिम्मेदारी में शामिल रहेगा। इस अभियान से बच्चों में एनीमिया एवं कुपोषण की समय पर पहचान कर उपचार सुनिश्चित किया जाए।

बाल विवाह मुक्ति रथ का समापन ग्राम सजवानी में हुआ

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष श्री महेन्द्र कुमार जैन के मार्गदर्शन में बडवानी जिले में संस्था आस द्वारा जस्ट राईट फोर चिल्डन एलायंस के सहयोग से 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत बाल विवाह मुक्ति रथ का समापन ग्राम सजवानी में किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए हाईस्कुल सजवानी में न्यायाधीश / सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बड़वानी श्री अमूल मण्डलोई ने उपस्थित विद्यार्थियो को बताया कि बाल विवाह मुक्त रथ रुका नहीं है । यहाँ उपस्थित सभी लोगो के बीच में लगातार प्रगतिशील है क्योंकि आप ही के माध्यम से आपके आस-पास, आपके माता-पिता, पड़ोसी परिजन, मित्रों को यह बताना है कि लड़की की उम्र 18 वर्ष एवं लड़के की उम्र-21 वर्ष पूर्ण होने पर ही विवाह कराये। इससे कम उम्र में विवाह कराया जाता है तो वह बाल विवाह अपराध की श्रेणी में आता है। अतः हम सबका दायित्व है कि इसके बारे में सभी को मौखिक रूप से जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास करें जिससे बाल विवाह पर रोकथाम लग सके। शिविर को सम्बोधित करते हुए जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री रॉबिन दयाल ने बताया कि यदि आपके आस-पास बाल विवाह से सम्बधित गतिविधियॉ संचालित होती है तो आप टोल फ्री नम्बर 198 पर सूचना कर जानकारी दे सकते है एवं इसकी जानकारी पूर्णतः गोपनीय होती है । साथ ही नजदीकी पुलिस सहायता केन्द्र एवं महिला बाल विकास विभाग को सूचित कर बाल विवाह को रोक सकते है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि मेरे आधारकार्ड में में मेरा नाम परसमल जैन parasmal jain दर्ज है मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम पारस जैन paras jain है। उक्त दोनो नाम मुझ एक ही व्यक्ति के है। मेरे द्वारा सुचित किया जाता है जो सत्य व सही हैं।

मो . क्रमांक 9425083410

आधारकार्ड	पासपोर्ट
परसमल जैन	पारस जैन
Parasmal jain	Paras jain

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

एसआईआर सर्वे, जिले में 1 लाख 19 हजार मतदाताओं के नाम कट गए

2000 से अधिक लोगों की नागरिकता पर संकट, सातों विधानसभा सीटों से कम हुए नाम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चुनाव आयोग जो अभी मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर करवा रहा है उससे उज्जैन जिले की सभी 7 विधानसभा सीटों पर 1 लाख 19 हजार 235 मतदाता घट गए हैं। इतनी बड़ी संख्या में पहली बार मतदाता कम हुए हैं, जिसका नुकसान सत्ता पक्ष यानी भाजपा को ही फिलहाल नजर आ रहा है, क्योंकि जहां प्रदेश में उसकी सरकार बनी, तो उज्जैन जिले की 5 सीटों पर भाजपा के विधायक ही जीते हैं और कई सीटें तो ऐसी है जहां पर हटाए गए मतदाताओं की संख्या जीत-हार के आंकड़े से भी ज्यादा है।

उज्जैन जिले में 1 लाख 19 हजार मतदाताओं के नाम सभी 7 विधानसभा सीटों पर कम हुए हैं। इनमें मृतक मतदाताओं के अलावा स्थानांतरित, अनुपस्थित या अन्य श्रेणी के मतदाता हैं। चूंकि यह पहला मौका है जब मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर आयोग ने करवाया, जिसके चलते एक-एक मतदाता की गहन जांच पड़ताल बीएलओ द्वारा की गई और सभी से दस्तावेज भी मांगे गए। वैसे तो हर साल मतदाता सूची का पुनरीक्षण होता है, मगर कभी भी इतनी बड़ी संख्या में नाम एक साथ नहीं कटते हैं। 27 अक्टूबर 2025 को आयोग ने एसआईआर सर्वे के लिए उज्जैन जिले की मतदाता सूची को फ्रिज करवा दिया था और उस वक्त 15 लाख 96 हजार 103 मतदाता बताए गए थे। इसके बाद सर्वे शुरू हुआ, जो अभी 14 फरवरी तक चला और उसके बाद विधानसभावार मतदाताओं की जो संख्या सामने आई उससे पता चला कि वर्तमान में अब 14 लाख 76 हजार 868 मतदाता हो गए हैं। जिले में अनुपस्थित, स्थानांतरित तथा मृत श्रेणी के मतदाताओं की संख्या 1 लाख 19 हजार 235 बताई गई। वहीं कई मतदाता अपात्र घोषित किए गए। यानी वे किसी तरह के दस्तावेज अपनी नागरिकता या मतदाता होने के उपलब्ध नहीं करा पाए और इन्हीं लोगों की खोज के लिए आयोग ने एसआईआर करवाया। ऐसे अपात्र मतदाताओं की खोजबीन करने के चक्कर में जिले में 1 लाख 19 हजार मतदाताओं के नाम कट गए और राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि यह खुद भाजपा के लिए ही नुकसानदायक साबित हुआ, क्योंकि अभी सभी विधानसभा सीटों पर भाजपा के विधायक ही काबिज हैं और उनके क्षेत्रों में बड़ी संख्या में मतदाता कम हो गए हैं।

हालांकि मतदाता सूची 21 फरवरी को जारी होगी लेकिन एसआईआर के बाद बनी प्रारंभिक सूची के अनुसार नागदा-खाचरौद में 2 लाख 16 हजार 427, महिदपुर में 2 लाख 10 हजार 559, तराना में 1 लाख 80 हजार 846, घटिया में 2 लाख 18 हजार 984, उज्जैन उत्तर में 2 लाख 6 हजार 859, उज्जैन दक्षिण में 2 लाख 40 हजार 638, बड़नगर में 2 लाख 2 हजार 445 मतदाता रहे हैं। इस प्रकार उज्जैन जिले में एसआईआर के बाद सातों विधानसभा में 14 लाख 76 हजार 668 मतदाता हैं।

महाकाल मंदिर में संध्या-शयन आरती पर 250 रुपये शुल्क से सियासत गरमाई

कांग्रेस ने कहा, आस्था पर शुल्क उचित नहीं, दर्शन को आय का साधन बना रही सरकार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर मंदिर में संध्या और शयन आरती में 250 रुपये शुल्क लगाए जाने के निर्णय पर शहर की राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस ने इस फैसले को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है और इसे श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा मुद्दा बताया है।

शहर कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने बयान जारी कर कहा कि मंदिर समिति ने धीरे-धीरे दर्शन व्यवस्था को आय का साधन बना दिया है। उनका कहना है कि पहले से ही विभिन्न सेवाओं के नाम पर शुल्क लिया जा रहा है और अब संध्या व शयन आरती में भी शुल्क लगाना आम श्रद्धालुओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ है।

ऑनलाइन बुकिंग में अनियमितताओं की आशंका - रवि राय ने आरोप लगाया कि ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था के नाम पर कई प्रकार की अनियमितताओं और अपराध की संभावनाएं बढ़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व में भस्म आरती की टिकट व्यवस्था को लेकर भी विवाद सामने आ चुके हैं। रात 11-11 बजे तक टिकट जारी होने और नियमों के उल्लंघन के मामले सामने आए थे, जिनमें कुछ लोगों को जेल तक जाना पड़ा था।

कांग्रेस का कहना है कि यदि शुल्क व्यवस्था लागू करनी ही है तो पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए और यह स्पष्ट किया जाए कि इस राशि का उपयोग किन व्यवस्थाओं में किया जाएगा।

श्रद्धालुओं में भी चर्चा - मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के बीच भी इस निर्णय को लेकर चर्चा का माहौल है। कुछ श्रद्धालु इसे भीड़ नियंत्रण और बेहतर व्यवस्थाओं के लिए आवश्यक बता रहे हैं, तो वहीं कई लोग मानते हैं कि मंदिर में सामान्य दर्शन और आरती सभी के लिए सुलभ होनी चाहिए।

समिति की ओर से अभी स्पष्टीकरण नहीं - मंदिर प्रबंधन की ओर से इस मुद्दे पर अभी विस्तृत आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। हालांकि सूत्रों का कहना है कि बढ़ती भीड़ और व्यवस्थाओं को सुचारू रखने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है।

फिलहाल इस निर्णय को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर बहस जारी है। आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि मंदिर समिति इस विरोध पर क्या रुख अपनाती है।

हिंदू युवती के साथ मिला दिल्ली का मुस्लिम युवक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल मंदिर के पास गुरुवार को हिंदू युवती के साथ दिल्ली का मुस्लिम युवक होटल में ठहरने के लिए जा रहा था। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को जानकारी मिली तो पहुंचे और युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले किया।

बजरंग दल के जिला संयोजक ऋषभ कुशवाहा ने बताया कि महाकाल मंदिर के पास एक होटल में ठहरने के लिए मुस्लिम युवक पहुंचा था।

जानकारी मिलने पर उसे पकड़ा गया और पूछताछ की गई तो वह पहले खुद को हिंदू बताने लगा। लेकिन जब उसे सख्ती पूछताछ की गई तो दिल्ली का रहने वाला नसीम अकरम होना सामने आया। उसके साथ हिंदू युवती हिमाचल प्रदेश की रहने वाली थी।

मामला लव जिहाद से जुदा होने पर पुलिस को सूचना दी गई महाकाल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवक युवती को अपने साथ लेकर थाने आ गई।

महाकाल थाना प्रभारी गगन बदल के अनुसार दोनों खुद को मित्र होना बता रहे हैं लेकिन मामला दो समुदाय का होने पर युवक के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धारा में कार्रवाई की गई है। युवती के परिजनों को सूचना देकर उज्जैन बुलाया गया है। जिनके आने पर युवती को उनके साथ भेजा जाएगा।

कपड़े, फैशन और सोशल मीडिया पर छवि बनाने की दौड़ व्यक्ति को उसके वास्तविक लक्ष्य से दूर कर देती है : श्री अनिल स्वरूप

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आप समय की कमी से नहीं, समय के दुरुपयोग से हारते हैं। आप अपना अधिकांश समय उन विषयों पर खर्च कर देते हैं, जिन पर आपका कोई नियंत्रण नहीं होता जैसे राजनीति की बहसें, सोशल मीडिया की प्रतिक्रियाएँ और दूसरों की आलोचना। यह उद्गार मुख्य वक्ता के रूप में नई शिक्षा नीति, 2020 के क्रियान्वयन प्रभारी रहे आई.ए.एस. श्री अनिल स्वरूप पूर्व सचिव मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित 'ऊर्जा-सेतु' व्याख्यान श्रृंखला का शुभारंभ करते हुए यू केन मेक इट हैप्पन - आप इसे संभव बना सकते हैं विषय पर व्याख्यान देते हुए अपने संबोधन में व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने की। यह विशिष्ट व्याख्यान सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों के संगठन विक्रम विश्वविद्यालय एल्यूमनाई एसोसिएशन द्वारा ऊर्जा-सेतु व्याख्यान श्रृंखला के शुभारंभ के अंतर्गत विक्रमोत्सव-2026 (विक्रम संवत 2082) के तहत आयोजित किया गया।

मुख्य वक्ता श्री स्वरूप ने यू केन मेक इट हैप्पन - आप इसे संभव बना सकते है विषय पर युवाओं को जीवन की वास्तविक चुनौतियों से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि अधिकांश लोग समय की कमी का बहाना बनाते हैं, जबकि वास्तविक समस्या समय का गलत उपयोग है। उन्होंने कहा आप समय की कमी से नहीं, समय के दुरुपयोग से हारते हैं। आप अपना अधिकांश समय उन विषयों पर खर्च कर देते हैं, जिन पर आपका कोई नियंत्रण नहीं होता जैसे राजनीति की बहसें, सोशल मीडिया की प्रतिक्रियाएँ और दूसरों की आलोचना। उन्होंने युवाओं से प्रश्न किया।

24 फरवरी से शुरू हो जाएगा होलाष्टक

8 दिन नहीं हो सकेंगे शुभ कार्य, 3 मार्च को होलिका दहन शाम 6.47 बजे बाद होगा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। होलाष्टक फाल्गुन मास में शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से प्रारंभ होगा और पूर्णिमा तक रहेगा। यानी 24 फरवरी से शुरू होकर 3 मार्च होलिका दहन के साथ इसका समापन हो जाएगा। होलिका दहन शाम 5.47 बजे बाद होगा। शास्त्रों के अनुसार इन 3 दिनों में नकारात्मक ऊर्जा से बचने के लिए हवन-पूजन करें। जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र, धन का दान करें।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार होलाष्टक 24 फरवरी को सुबह 07.02 बजे शुरू होगा। आठ दिनों में सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु सहित आठों ग्रह उग्र स्वभाव में रहते हैं। होलाष्टक में भगवान विष्णु, शिवजी, हनुमानजी और भक्त प्रह्लाद की पूजा करना चाहिए। ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक भद्रा रहित, प्रदोष व्यापिनी पूर्णिमा तिथि होलिका दहन के लिए उत्तम मानी जाती है।

यदि भद्रा रहित, प्रदोष व्यापिनी पूर्णिमा का अभाव हो, लेकिन भद्रा मध्य रात्रि से पहले समाप्त हो जाए तो प्रदोष के बाद जब भद्रा समाप्त हो, तब होलिका दहन करना चाहिए। 3 मार्च को चंद्रग्रहण है। ग्रहण समाप्ति का समय शाम 06.47 बजे है। अतः ग्रहण समाप्ति के बाद प्रदोष काल में एकम तिथि के बावजूद होलिका दहन कर सकते हैं।

एकम तिथि में भी होलिका दहन संभव- पूर्णिमा 2 मार्च सोमवार शाम 5.56 बजे से लगेगी। सोमवार शाम 5.56 से ही भद्रा लगेगी जो दूसरे दिन सुबह 5.29 बजे तक रहेगी। 2 मार्च को पूर्णिमा तिथि में प्रदोष काल मिल रहा एवं 3 मार्च को पूर्णिमा तिथि प्रदोष काल से पहले ही समाप्त हो जाएगी लेकिन 2 मार्च को प्रदोष काल भद्रा से दूषित है। अतः इस दिन होलिका दहन नहीं हो सकता। 3 मार्च को पूर्णिमा तिथि के साढ़े तीन प्रहर से अधिक कालव्यापिनी होने से एकम तिथि लगने पर भी होली दहन कर सकते हैं।

खग्रास चंद्रग्रहण रहेगा- सूतक काल = 3 मार्च को सुबह 06.20 बजे से लगेगा। ग्रहण आरंभ (स्पर्श)= दोप. 03.20 बजे से। ग्रहण समाप्त शाम 06.47 बजे तक। पर्व कालः 03 घंटे 27 मिनट का रहेगा।

उज्जैन में बढ़ेगी प्रदूषण पर नजर, चार नए ऑटोमेटिक मॉनिटरिंग स्टेशन होंगे स्थापित

सेंसर आधारित तकनीक से 24 घंटे मिलेगी वायु व ध्वनि प्रदूषण की लाइव जानकारी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में बढ़ते वायु और ध्वनि प्रदूषण पर लगाम कसने की दिशा में अहम कदम उठाया जा रहा है। जिला प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने शहर में चार नए ऑटोमेटिक मॉनिटरिंग स्टेशन स्थापित करने की तैयारी शुरू कर दी है। ये स्टेशन सेंसर आधारित तकनीक से लैस होंगे और चौबीसों घंटे प्रदूषण स्तर की ऑनलाइन निगरानी करेंगे।

फिलहाल शहर में केवल एक ऑनलाइन वायु प्रदूषण मापक स्टेशन कार्यरत है, जो जिला प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कार्यालय के ऊपर स्थापित है। अन्य स्थानों पर अभी मैनुअल तरीके से वायु और ध्वनि प्रदूषण की जांच की जा रही है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद प्रदूषण की रियल टाइम मॉनिटरिंग संभव हो सकेगी।

इन स्थानों पर प्रस्तावित हैं नए स्टेशन- जिला प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा किए गए सर्वे के बाद चार प्रमुख स्थानों को चिन्हित किया गया है। इनमें मंगलनाथ क्षेत्र, महाकाल मंदिर परिसर, मक्सी रोड निगम डिपो क्षेत्र तथा आगर रोड फायर ब्रिगेड के आसपास का स्थान चुनें गये हैं। इन स्थानों पर स्थापित होने वाले स्टेशन वायु में मौजूद प्रदूषक कणों और ध्वनि तरंगों की तीव्रता को सेंसर के माध्यम से रिकॉर्ड करेंगे। प्राप्त आंकड़े सीधे ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड होंगे।

प्रदेश और केंद्र स्तर पर दिखेगी रिपोर्ट- इन स्टेशनों से तैयार होने वाली रिपोर्ट भोपाल सहित प्रदेश के प्रमुख शहरों में लगे इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले बोर्ड पर लाइव दिखाई देगी। साथ ही केंद्रीय और राज्य स्तर की वेबसाइट पर भी उपलब्ध रहेगी।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) की वेबसाइट पर आमजन प्रदूषण के ताजा आंकड़े देख सकेंगे।

जिला प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड उज्जैन के अधिकारी प्रतिम खरे के अनुसार, सभी चार ऑनलाइन मॉनिटरिंग स्टेशनों को इसी वर्ष स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी की जाएगी। हालांकि फिलहाल जिला कलेक्टर की अंतिम स्वीकृति मिलना बाकी है।

वायु प्रदूषण- सेहत और पर्यावरण पर दोहरी मार- विशेषज्ञों के अनुसार वायु प्रदूषण का सीधा असर स्वास्थ्य पर पड़ता है। इससे हृदय रोग, स्ट्रोक, फेफड़ों का कैंसर और अस्थमा जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। हर वर्ष लाखों अकाल मौतों के पीछे प्रदूषण को प्रमुख कारण माना जाता है। इसके अलावा प्रदूषण का असर फसलों की उत्पादकता और ऐतिहासिक इमारतों की संरचना पर भी पड़ता है।

ध्वनि प्रदूषण- बढ़ रही मानसिक व शारीरिक समस्याएं- मानक स्तर से अधिक शोरगुल के कारण चिड़चिड़ापन, तनाव, उच्च रक्तचाप, अनिद्रा और श्रवण शक्ति में कमी जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों और बुजुर्गों पर इसका प्रभाव अधिक गंभीर होता है। वन्यजीवों के प्राकृतिक व्यवहार पर भी ध्वनि प्रदूषण का विपरीत असर पड़ता है।

रात की बारिश से बदला मौसम का मिजाज

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे हुई हल्की वर्षा ने मौसम का मिजाज बदल दिया। बारिश के बाद रात के तापमान में 2 डिग्री से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। वेधशाला के अनुसार एक दिन पहले शहर का न्यूनतम तापमान 17.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो गुरुवार सुबह घटकर 15.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। तापमान में आई इस गिरावट से लोगों को हल्की ठंड का अहसास हुआ। सुबह शहर की सड़कों पर नमी साफ दिखाई दी। कई स्थानों पर सड़कें भीगी हुई नजर आईं और वातावरण में हल्की ठंडक बनी रही। सुबह टहलने निकले लोगों ने बदले हुए मौसम का आनंद लिया। हालांकि बारिश ज्यादा देर तक नहीं चली, लेकिन इतनी रही कि मौसम को ठंडा कर गई।वेधशाला अधीक्षक डॉ गुप्त कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण इस तरह की हल्की बारिश और तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है। फिलहाल आगामी एक-दो दिन मौसम साफ रहने की संभावना जताई जा रही है, हालांकि हल्की ठंडक बनी रह सकती है।

रमजान शुरू, पूरे महीने चलेगा इबादत का दौर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चांद नजर आने के बाद गुरुवार से रमजान पर्व की शुरुआत हो गई है और मुस्लिम समाज ने पहला रोजा रखा। रमजान का रिश्ता सीधे तौर पर ज्ञान और रूहानियत से जुड़ा बताया गया है। ऐतिहासिक दस्तावेजों और इस्लामिक धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस पूरे महीने में पढ़ने, समझने और चिंतन करने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। यह अंधेरे से रोशनी की ओर बढ़ने का प्रतीक माना जाता है। यह महीना इंसानियत,दान और जरूरतमंदों की मदद करने का भी संदेश देता है।

उज्जैन में बिलीफ बिल्डकॉन पर सख्त कार्रवाई

गदापुलिया-इंदौर रोड का ठेका रद्द, तीन साल के लिए कंपनी ब्लैकलिस्ट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की सात प्रमुख सड़कों को चौड़ीकरण कर रही भोपाल की बिलीफ बिल्डकॉन कंपनी पर नगर निगम ने पहली बार बड़ी और सख्त कार्रवाई की है। काम में लगातार देरी और लापरवाही के चलते कंपनी को तीन साल के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। इस अवधि में कंपनी उज्जैन नगर निगम से कोई भी नया काम नहीं ले सकेगी। साथ ही गदापुलिया-मंछामन-इंदौर रोड सीमेंट कांक्रीट सड़क और नाला निर्माण का ठेका भी तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है।

उज्जैन नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने बताया कि विशेष निधि से बनाई जा रही इस सड़क के लिए 15 मार्च 2024 को बिलीफ बिल्डकॉन को वर्क ऑर्डर जारी किया गया था। कंपनी को 18 महीने के भीतर निर्माण कार्य पूरा करना था, लेकिन तय समयसीमा बीत जाने के बाद भी काम अधूरा ही रहा।

काम की धीमी प्रगति को लेकर कंपनी को कई बार नोटिस जारी किए गए। टाइमलाइन का पालन करने के निर्देश दिए गए। शोकॉज नोटिस, स्थल निरीक्षण, सिंहस्थ समीक्षा बैठक, ई-मेल, व्हाट्सएप और मौखिक रूप से भी निर्माण कार्य तेज करने को कहा गया, लेकिन कंपनी की ओर से संतोषजनक सुधार नहीं हुआ। विभागीय पत्रों के जवाब भी संतोषजनक नहीं मिले।

सिंहस्थ की दृष्टि से महत्वपूर्ण सड़क - गदापुलिया से इंदौर रोड तक का यह मार्ग आगामी सिंहस्थ आयोजन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भीड़ प्रबंधन और यातायात व्यवस्था के लिए यह सड़क प्रमुख कड़ी है। ऐसे में निर्माण में देरी को गंभीरता से लेते हुए निगमायुक्त ने अनुबंध पत्र के सेक्शन-3 (जीसीसी) के उपनियम-27 के तहत कार्रवाई की। कंपनी की बैंक गारंटी और सिक्युरिटी डिपॉजिट राशि राजसात करते हुए सड़क निर्माण का ठेका समाप्त कर दिया गया। साथ ही आगामी तीन वर्षों के लिए कंपनी को नगर निगम के सभी कार्यों से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

इन सड़कों पर चल रहा है कंपनी का काम

बिलीफ बिल्डकॉन वर्तमान में शहर की कई अन्य सड़कों पर भी कार्य कर रही है, जिनमें
कोयला फाटक से गोपाल मंदिर
वीडी मार्केट से ढाबा रोड
देवास रोड-संकुल भवन-विक्रम नगर
एमआर-4 से एमआर-21
गाड़ी अड्डा से बियाबनी
इन कार्यों की स्थिति पर भी अब निगम की विशेष नजर रहेगी।

सेवानिवृत्ति केशियर को कार ने कुचला, मौके पर मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। तेजगति से दौड़ती कार ने स्कूटी सवार सेवानिवृत्ति कैशियर को कुचल दिया। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। चालक कार लेकर भाग निकला। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है। विकास नगर में रहने वाले कृष्ण मोहन पिता मदन मोहन अवस्थी 68 वर्ष बिजली विभाग में केशियर के पद से सेवानिवृत हुए थे। बीती शाम इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में लगे वाहन मेले में कार खरीदने के लिए मॉडल देखने गए थे। जहां से स्कूटी पर सवार होकर वापस घर लौट रहे थे इस दौरान इंजीनियरिंग कॉलेज मार्ग पर तेज गति से आई कार ने उन्हें कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल होने पर मौके पर उनकी मौत हो गई। चालक कार लेकर भाग निकला। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची। बॉडी को अस्पताल पहुंचाया गया और उनके पास मिले दस्तावेजों से पहचान कर परिजनों को सूचना दी गई। फिलहाल मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया गया है। टक्कर मारने वाले कार चालक की तलाश की जा रही है।

ढाबा कर्मचारी की हार्ट अटैक से मौत- सागर का रहने वाला सुरेश पिता नर्मदा प्रसाद गुप्ता 70 वर्ष इंदौर रोड स्थित ग्राम डेंडिया में ढाबे पर काम करता था। गुरुवार सुबह पैदल टहलने के लिए निकला था उसी दौरान गश खाकर गिर पड़ा। लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सुरेश गुप्ता की मौत हार्ट अटैक से होने की आशंका जताई गई। मृतक के पास से मिले मोबाइल के आधार पर उसकी पहचान कर ढाबा मालिक को सूचना दी गई। पोस्टमार्टम के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए सौंपा गया।

रिमांड पर बैंक खाता खुलवाकर साइबर फ्रॉड करने वाला आरोपी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आर्थिक लाभ का प्रलोभन देकर लोगों के बैंक खाता खुलवाकर साइबर फ्रॉड और अवैध ट्रेडिंग में उपयोग करने वाले गिरोह का एक सदस्य पुलिस की हिरासत में आ गया है। जिससे रिमांड पर पूछताछ की जा रही है गिरोह में 40 सदस्य होना सामने आए हैं जिनकी तलाश शुरू की गई है। चिमनगंज थाना पुलिस को मंगल नगर में रहने वाले विशाल चौहान ने शिकायत दर्ज कराई थी कि कोयला फाटक चौराहे पर उसकी मुलाकात वाजिद नामक व्यक्ति से हुई, जिसने स्वयं को लोगों के बैंक खाते खुलवाने वाला बताते हुए कहा कि वह उनके खाते के माध्यम से लेन-देन कर उन्हें अच्छा कमीशन देता है। आरोपी ने फरियादी को भी खाता खुलवाकर उसे सौंपने का लालच दिया। जब फरियादी ने इसका विरोध किया तो दोनों के बीच विवाद हो गया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और वाहिद की तलाश शुरू की। जिसे बुधवार को हिरासत में लिया गया तो सामने आया कि वाजिद पिता शरीफ जलावत 29 वर्ष निवासी चन्द्रवतीगंज जिला इंदौर का रहने वाला है। उसे न्यायालय में पेश किया गया और तीन दिन की रिमांड पर लिया गया। इस दौरान सामने आया कि वह संगठित रूप से गिरोह में शामिल है। लालच देकर लोगों के खाते खुलवाए जाते हैं जिसका उपयोग साइबर फ्रॉड और अवैध ट्रेडिंग की राशि के लेनदेन के लिए किया जाता है। पूरे गिरोह में 40 लोग शामिल है। पुलिस ने वाहिद से तीन मोबाइल फोन एटीएम कार्ड बैंक पासबुक और चेक बरामद किया है। संभावना है कि गिरोह के अन्य सदस्यों के हिरासत में आने पर बड़ा खुलासा हो सकता है।

पशुपालक शिवम आंजना ने सेक्स सॉर्टेड सीमन का प्रयोग कर दुग्ध उत्पादन में की वृद्धि

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन के ग्राम तालोद निवासी पशुपालक किसान श्री शिवम आंजना ने सेक्स सॉर्टेड सीमन का प्रयोग कर उनके घर में गौवंश में वृद्धि की है। साथ ही दुग्ध उत्पादन में भी वृद्धि हुई है। श्री आंजना ने कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से गाय की बछिया का जन्म करवाया था। यह वर्तमान में 6 से 7 लीटर दूध दे रही है। उनके घर में मौजूद सभी गायों को उन्होंने सेक्स सॉर्टेड सीमन लगवाया है। इससे गौवंश की नस्ले उन्नत हुई है। दुग्ध उत्पादन बढ़ने से शिवम आंजना को प्रतिमाह 10 से 15 हजार रूपए का अतिरिक्त लाभ प्राप्त हो रहा है।

सगा भतीजा निकाला चोर, 73 हजार और 9.72 लाख के जेवरात जप्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बेटी के ससुराल रिसेप्शन में गए परिवार के घर हुई चोरी की वारदात का आरोपी परिवार का सगा भतीजा होना सामने आया है। शंका के आधार पर पुलिस ने भतीजे को उज्जैन से हिरासत में लिया। जिसने पूछताछ में चोरी करना कबूल कर लिया। उसकी निशानदेही पर 73 हजार रुपए नगद और 9.72 लाख के आभूषण बरामद किए गए हैं। आरोपी को गुरुवार दोपहर न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया।

बड़नगर के मिर्ची बाजार में रहने वाले नंदकिशोर बाबूलाल की बेटी का इंदौर में विवाह हुआ था। 16 फरवरी को नंदकिशोर और परिवार के लोग इंदौर में आयोजित रिसेप्शन में शामिल होने गए थे। बड़नगर स्थित घर पर नंदकिशोर की मां कलाबाई और मौसी गीताबाई थे। नंदकिशोर का परिवार रात में वापस लौटा तो उपरी मंजिल पर बने कमरे की अलमारी खुली हुई थी और लॉकर में रखें आभूषणों के साथ नगदी गायब थी। रहस्यमय तरीके से हुई चोरी की सूचना पुलिस को दी गई। बड़नगर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की तो पता चला कि नंदकिशोर का सगा भतीजा चंद्रशेखर उर्फ चिंटू पिता राजेंद्र अपनी पत्नी के साथ आया था। शंका के आधार पर पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की वह नागझिरी में रहता सामने आया। वैसे मूल रूप से देपालपुर इंदौर का रहने वाला है। बड़नगर थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार उपनिरीक्षक चांदनी पाटीदार, नारायण वास्कले, गोवर्धन बैरागी, प्रधान आरक्षक राहुल राठौर ,हेमराज खरे ,सैनिक भूपेंद्र बैरागी के साथ उज्जैन पहुंचे और नागझिरी थाना प्रभारी कमल निगवाल की मदद से चंद्रशेखर के घर पर दबिश दी गई। उसे हिरासत में लिया गया और पूछताछ शुरू की गई तो उसने चोरी करना कबूल कर लिया। पुलिस ने उसके घर से सोने चांदी के आभूषणों के साथ 73 हजार रुपए नगद बरामद कर लिए। 24 घंटे में चोरी का खुलासा होने और 10.45 लाख का सामान बरामद होने पर आरोपी को गिरफ्तार कर बनाकर ले जाया गया। गुरुवार दोपहर आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। बताया जा रहा है कि नंदकिशोर और उसके भतीजे चंद्रशेखर के बीच बातचीत बंद है। बावजूद इसके वह अपनी पत्नी के साथ कार से बड़नगर पहुंचा था। उसने नंदकिशोर की मां के पैर पड़े थे और पत्नी को उनके पास बैठा कर खुद चोरी करने ऊपर कमरे में चला गया था। जहां लोहे की रोड से उसने अलमारी का लॉकर तोड़कर आभूषण और नगद रुपए चोरी किए थे।